सुविचार

दोस्त, कठिन है यहां किसी को भी अपनी पीड़ा समझाना, दर्द उठे तो सूने पथ पर पांव बढ़ाना, चलते जाना।

–सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Friday, 19 September 2025 ● Year : 03 ● Issue : 244 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Rasha Thadani's Vacation...

स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार की बन सकती है आधारशिला : राज्यपाल

PHOTON NEWS RANCHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के दिन बुधवार को महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति समर्पित राष्ट्रीय कार्यक्रम 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान का शुभारंभ पीएम ने मध्यप्रदेश के धार से किया। झारखंड में इस अभियान की शुरूआत रांची सदर अस्पताल से राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शिरकत की।

अभियान के तहत राज्यभर में दो अक्टूबर तक पंचायत से लेकर प्रदेश तक सभी स्वास्थ्य केंद्रों, मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसमें महिलाओं की विशेष स्वास्थ्य जांच की जाएगी। अभियान के दौरान राज्य की सभी महिलाओं का ईएनटी, नेत्र, रक्तचाप, मधुमेह, दंत जांच की जाएगी। इसके अलावा ओरल, स्तन और ग्रीवा की कैंसर जांच होगी। अभियान का प्रारंभ करने के बाद अपने संबोधन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार की आधारशिला बन सकती है।

गवर्नर संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड में शुरू किया 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान

इस अभियान के तहत 2 अक्टूबर तक पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक लगेंगे विशेष हेल्थ कैंप

नए भारत की नींव

गवर्नर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत में पिछले एक दशक में आर्थिक सामाजिक और सांस्कृतिक और वैश्विक स्तर पर बहुत प्रगति की है। उन्होंने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सब का प्रयास के मंत्र के साथ नए भारत की नींव रखी है। प्रधानमंत्री का विशेष ध्यान यह रहता है कि राष्ट्रीय कार्यक्रम से जन भागीदारी का जुड़ाव हो। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक इस राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के आयोजन के लिए प्रधानमंत्री को आभार प्रकट करते हुए राज्यपाल ने कहा कि नारी शक्ति और राष्ट्र निर्माण के अभिन्न संबंध को रेखांकित करता है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ व स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने भी की शिरकत

आज महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रसर : हेमंत

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार और मजबूत समाज की नींव रखती है। महिलाओं की भूमिका समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। एक स्वस्थ नारी ही परिवार और समाज को सशक्त बना सकती है। हमारी सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तीकरण को अपनी प्राथमिकता मानती है। महिलाओं के स्वास्थ्य,

पोषण, शिक्षा और जागरूकता को लेकर सरकार निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब महिलाएं स्वस्थ और सुरक्षित होंगी, तब परिवार मजबूत होगा और आने वाली पीढ़ी भी स्वस्थ और सशक्त बनेगी। हमारी सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, क्योंकि महिला ही परिवार और समाज की आधारशिला है। महिलाएं आज पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाज के हर क्षेत्र में अग्रसर हैं। महिलाएं आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से निरंतर आगे बढ़ रही हैं।

आत्मनिर्भरता की नई मिसाल प्रस्तुत कर रहीं महिलाएं

सीएम ने कहा कि रोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में महिलाएं अपनी सक्रिय भागीदारी से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। स्वरोजगार योजनाओं, स्वयं सहायता समूहों और सरकारी नीतियों का लाभ उठाकर वे अपने परिवार की आय बढ़ाने के साथ-साथ समाज के आर्थिक विकास में भी योगदान दे रही हैं। सामाजिक क्षेत्र में महिलाएं जागरूकता, नेतृत्व और सहभागिता की भूमिका निभा रही हैं। इसी उद्देश्य से सरकार ने महिलाओं के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न योजनाएं लागू की हैं, जिनमें नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, मातृत्व लाभ योजनाएं, पोषण आहार वितरण, किशोरियों के लिए स्वास्थ्य व स्वच्छता अभियान और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के प्रयास शामिल हैं।

SHARE

सेंसेक्स	:	83,013.96
निफ्टी	:	25,423.60

SARAFA

सोना	:	9,999
चांदी	:	141.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

कमल भूषण हत्याकांड केस में आज आएगा फैसला

RANCHI : बहुचर्चित कमल भूषण हत्याकांड में 19 सितंबर को एजेसी आनंद प्रकाश के न्यायालय में फैसला आना है। ऐसे में रांची पुलिस अलर्ट है। वहीं कोर्ट में फैसले को लेकर चाक चौबंद सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे। इस मामले में आरोपी राहुल कुजूर, डबलू कुजूर, सुशीला कुजूर, कावियस अदनान ट्रायल फेस कर रहे हैं। वहीं एक अन्य आरोपी मुनव्वर अफाक सरकारी गवाह बन चुका है। बता दें कि 30 मई 2022 को अपराधियों ने कमल भूषण की ताबड़तोड़ गोली मारकर हत्या कर दी थी। जानकारी के अनुसार इस पूरी घटना का मास्टरमाइंड राहुल कुजूर था। इसकी पूरी जानकारी कमल भूषण की बेटी यामिनी को भी थी।

हेमंत कैबिनेट की बैठक 24 को, होंगे कई अहम फैसले

RANCHI : हेमंत कैबिनेट की बैठक 24 सितंबर को होगी। बैठक प्रोजेक्ट भवन में अपराह्न तीन बजे से शुरू होगी। यह जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने दी है। जानकारी के अनुसार, कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए जाएंगे। ऊर्जा, पथ, कृषि सहित कई अन्य विभागों के प्रस्तावों को मंजूरी मिलने की संभावना है।

उत्तराखंड के चमोली में फटा बादल, 14 लापता

DEHRADUN : उत्तराखंड में दो दिन में दूसरी बार बादल फटा। 17 सितंबर की देर रात चमोली जिले के नंदानगर घाट में बादल फटा। यहां कुंटरी लंगाफली वार्ड में छह घर मलबे में दब गए। 14 लोग लापता और 20 लोग घायल हैं। अब तक 2 लोग रेस्क्यू किए गए। इससे पहले 16 सितंबर को देहरादून में बादल फटा था। देहरादून से मसूरी का 35 किलोमीटर का रास्ता कई जगह क्षतिग्रस्त है। इसके कारण मसूरी में 2500 टूरिस्ट्स लगातार तीसरे दिन फंसे हुए रहे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने किया दावा

'लोकतंत्र के हत्यारों' और 'वोट चोरों' की रक्षा कर रहे सीईसी

NEW DELHI @ PTI : गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने स्पेशल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कथित वोट चोरी के खिलाफ अपनी मुहिम के क्रम में मतदाता सूचियों से कांग्रेस समर्थक मतदाताओं के नाम हटाए जाने का विषय उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र की हत्या करने वालों तथा वोट चोरों की रक्षा कर रहे हैं। राहुल गांधी ने पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में संवाददाता सम्मेलन में कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के आलंद विधानसभा क्षेत्र के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि कांग्रेस के मतदाताओं के नाम हटाने का प्रयास सुनियोजित तरीके से किया गया तथा इसमें सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि ज्ञानेश कुमार को वोट चोरों का संरक्षण देना बंद करना चाहिए।

कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के आलंद विधानसभा क्षेत्र के आंकड़ों का दिया हवाला

एक सप्ताह में कर्नाटक की सीआईडी के साथ पूरी जानकारी करें साझा

राहुल गांधी ने कहा कि एक सप्ताह में निर्वाचन आयोग को कर्नाटक की सीआईडी के साथ पूरी जानकारी साझा करनी चाहिए। उनके अनुसार, जिनके नाम हटाने के प्रयास हुए और जिनके नाम का इस्तेमाल कर नाम हटाने के आवेदन दिए गए, उन्हें इसकी जानकारी ही नहीं थी। उन्होंने कहा कि यह हाइड्रोजन बम नहीं है और वह आगे आने वाला है। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने बीते एक सितंबर को पटना में वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर वोट चोरी से जुड़े अपने पहले के खुलासे का हवाला देते हुए दावा किया था कि एटम बम के बाद अब हाइड्रोजन बम आने वाला है।

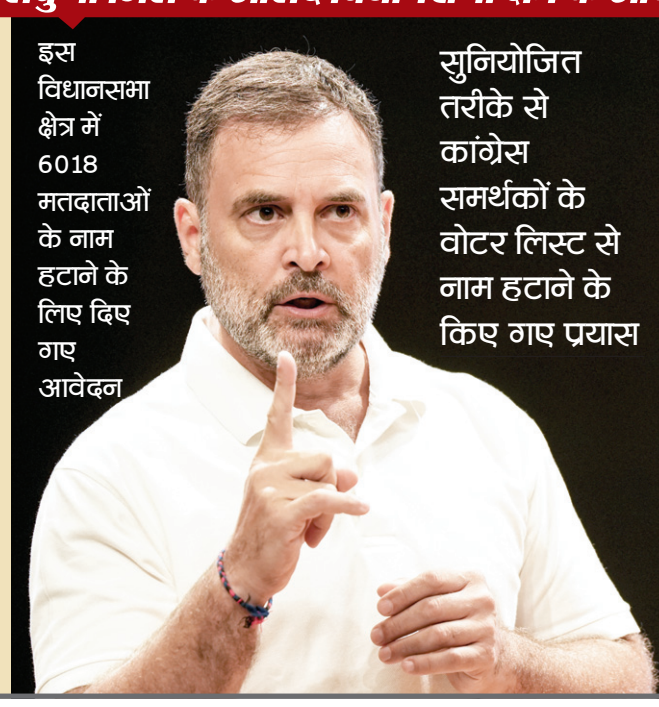

करना चाहिए अपना काम

कांग्रेस नेता का कहना था, देश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार जी से हमारी मांग है कि आप अपना काम कीजिए, क्योंकि आपने शपथ ली है। हमारी मांग है कि कर्नाटक की सीआईडी जो सबूत मांग रही है, आप उन्हें सात दिन के अंदर दे दीजिए।

आयोग ने आरोपों को बताया गलत और निराधार

निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोप गलत और निराधार हैं। किसी भी वोट को ऑनलाइन किसी भी व्यक्ति द्वारा हटाया नहीं जा सकता, जैसा कि गांधी ने गलत धारणा बनाई है। उसने यह भी कहा कि 2023 में आलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम हटाने के कुछ असफल प्रयास किए गए थे और मामले की जांच के लिए आयोग के अधिकारियों ने खुद एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

8 अक्टूबर तक सारंडा को सैंक्चुरी घोषित नहीं किया तो सीएस को जाना होगा जेल

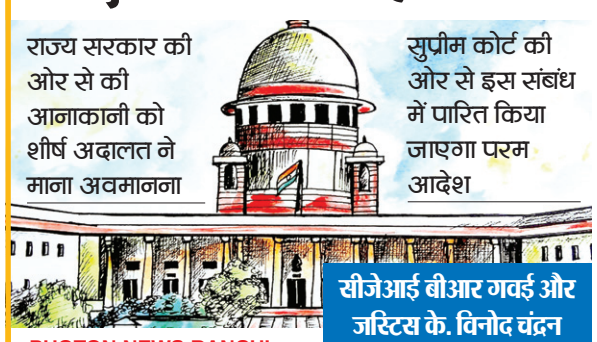

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के सारंडा वन क्षेत्र को सैंक्चुरी घोषित करने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ में 17 सितंबर को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान इस क्षेत्र को सैंक्चुरी घोषित करने में राज्य सरकार द्वारा की जा रही आनाकानी को सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश का अवमानना माना है। साथ ही यह भी कहा कि आठ अक्टूबर तक इस क्षेत्र को सैंक्चुरी नहीं घोषित नहीं होने पर अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाएगी। मुख्य सचिव को जेल जाना होगा। न्यायालय सैंक्चुरी घोषित करने के लिए परम आदेश पारित करेगा। सुनवाई के दौरान एमिकस क्यूरी परमेश्वर गवे ने सारंडा को सैंक्चुरी घोषित करने के मामले में झारखंड सरकार द्वारा की जा रही रही टाल-मटोल और आनाकानी की जानकारी दी। उन्होंने कोर्ट को बताया कि 29 अप्रैल 2025 को वन सचिव अबुबकर सिद्दीकी के माध्यम से राज्य सरकार ने शपथपत्र दायर किया था। इसमें यह कहा गया था कि पीसीसीएफ (जंगली) ने 576 वर्ग किलोमीटर को सैंक्चुरी घोषित करने का प्रस्ताव तैयार कर भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) को भेजा है। डब्ल्यूआईआई की रिपोर्ट आने के बाद इस मामले को कैबिनेट में पेश किया जाएगा। कैबिनेट की सहमति के बाद सारंडा को सैंक्चुरी घोषित कर दिया जाएगा।

सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ में हुई सुनवाई

मुख्य सचिव ने बना दी है समिति

कोर्ट के आदेश के उलट मुख्य सचिव ने सीसीएफ स्तर के अधिकारी और खान निदेशक को मिला कर एक समिति बना दी है। यह समिति सारंडा को सैंक्चुरी घोषित करने के मामले पर नए सिरे से विचार कर रही है। सरकार का मानना है कि एनजीटी द्वारा दिए गए आदेश से अधिक क्षेत्रफल को सैंक्चुरी घोषित करने पर खनन क्षेत्र प्रभावित होगा। राज्य सरकार ने एनजीटी के फैसले से अधिक क्षेत्रफल को सैंक्चुरी घोषित करने का शपथपत्र दिया था। एमिकस क्यूरी की बात सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि सरकार सैंक्चुरी घोषित करने के मामले में टाल-मटोल और आनाकानी कर रही है। फाइल एक अफसर से दूसरे अफसर के पास भेजी जा रही है। सरकार कोर्ट में दायर अपने ही शपथपत्र में किए गए वायदों को पूरा नहीं कर रही है। कोर्ट द्वारा डब्ल्यूआईआई की रिपोर्ट मिलने के दो महीने के अंदर सारंडा को सैंक्चुरी घोषित करने के आदेश को नहीं माना है।

कोर्ट ने राज्य सरकार के शपथपत्र में दिए गए प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए डब्ल्यूआईआई की रिपोर्ट आने के दो महीने के अंदर सारंडा को सैंक्चुरी घोषित करने का आदेश दिया था। डब्ल्यूआईआई ने 30 जून 2025 को अपनी रिपोर्ट दे दी है। इसमें राज्य सरकार के प्रस्ताव पर सहमति दी गई है। डब्ल्यूआईआई की रिपोर्ट मिले हुए दो महीना से अधिक हो गए हैं। लेकिन, सरकार ने सारंडा के सैंक्चुरी घोषित नहीं किया है।

वाट्सएप कॉल, मैसेज और वीडियो के माध्यम से लगातार मैसेज भेज रहा गैंग

गैंगस्टर प्रिंस खान ने रांची के कारोबारी से मांगी 10 करोड़ की रंगदारी, नहीं देने पर हत्या की धमकी

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी के बड़े व्यवसायी कृष्ण गोपालका से 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई है। यह रंगदारी दुबई में बैठे कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान द्वारा मांगी गई है। मामले को लेकर लालपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। साथ ही सुरक्षा की मांग भी की है। व्यवसायी ने अपनी एफआईआर में बताया कि प्रिंस खान ने वाट्सएप कॉल, मैसेज और वीडियो के माध्यम से 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। 14 सितंबर की दोपहर से धमकी मिलनी शुरू हुई है। व्यवसायी को उनके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नंबर से धमकी भरे ऑडियो मैसेज और एक पुरानी घटना से संबंधित वीडियो भेजा गया है। धमकी देने वाले ने खुद को प्रिंस खान दुबई बताया। कहा कि पैसा नहीं दिया गया तो वह उन्हें और उनके बेटे को गोली मार देगा।

व्यवसायी ने लालपुर थाने में दर्ज कराई एफआईआर, सुरक्षा की मांग

दूसरे दिन मिला फायरिंग का वीडियो

प्रिंस खान ने 15 सितंबर को एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से पुनः धमकी भरे संदेश और वीडियो भेजा। इसमें हथियार लहराते हुए फायरिंग के दृश्य थे। वीडियो में प्रिंस खान ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि उसका नंबर ब्लॉक किया गया या पुलिस में शिकायत की गई तो वह गोपालका परिवार की हत्या कर देगा। व्यवसायी का कहना है कि उनके बेटे को भी इन नंबरों से व्हाट्सएप कॉल और धमकी भरे संदेश मिले हैं। आरोपी ने उनके घर और कार्यालय की वीडियो भेजते हुए कहा कि वह उन पर निगरानी रख रहा है।

अमित शाह और नीतीश कुमार ने बंद कमरे में आधे घंटे तक की मुलाकात

PATNA : गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना के होटल मौर्या में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बंद कमरे में करीब आधे घंटे तक बात की। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह मुलाकात सियासी हलकों में चर्चा का विषय बन गई है। बताया जा रहा है कि बैठक में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में सीट बंटवारे और चुनावी रणनीति पर मंथन किया गया। मुलाकात में जदयू और भाजपा के वरिष्ठ नेता, जैसे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, विजय कुमार चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल मौजूद रहे। पटना में दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद गृहमंत्री अपने तय कार्यक्रम के मुताबिक रोहतास जिले के डेहरी ऑन सोन पहुंचे। उनके साथ दोनों उपमुख्यमंत्री (विजय सिन्हा-सम्राट चौधरी) और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल भी मौजूद रहे।

- बिहार चुनाव में एनडीए के सीट बंटवारे को लेकर किया गया मंथन
- रोहतास और बेगूसराय में बोले केंद्रीय गृह मंत्री- दो तिहाई बहुमत हासिल करेगा एनडीए

बड़ी उपलब्धि विगत कुछ वर्षों में धरती की सुरक्षा परतों में दिखा बेहतर सुधार

अब त्वचा कैंसर का खतरा कम होने की बढ़ रही उम्मीद

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : हम जानते हैं कि सूर्य और पृथ्वी के बीच मौजूद ओजोन परत सूर्य से आने वाली हानिकारक किरणों को रोककर धरती पर जीवन की रक्षा करती है। वैज्ञानिक दृष्टि से ऑक्सीजन प्राण वायु है और इसके दो परमाणु मिलकर इसका एक अणु बनाते हैं। जब ऑक्सीजन के तीन परमाणु मिलते हैं, तो ओजोन का एक अणु बनता है। ओजोन के अणु आपस में मिलकर ओजोन परत बनाते हैं, जो प्रकाश की पराबैंगनी किरणों और हानिकारक गैसों को भी पृथ्वी तक पहुंचने से रोकती है। इससे जीवों की सेहत पर नकारात्मक असर नहीं पड़ता है। पिछले दशकों में मानव गतिविधियों के कारण ओजोन परत धीरे-धीरे कमजोर हो रही थी और इसमें छिद्र बन गए थे। हाल के अध्ययन में यह महत्वपूर्ण जानकारी मिली है कि धरती को अल्ट्रा वायलेट यानी पराबैंगनी (यूवी) किरणों से बचाने वाली ओजोन परत में धीरे-धीरे सुधार होने लगा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने हालिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी। डब्ल्यूएमओ ने कहा कि पृथ्वी की सुरक्षा करने वाली ओजोन परत इस सदी के मध्य तक 1980 के दशक के स्तर पर लौटने की राह पर है।

वैश्विक पहल के कारण ओजोन छिद्रों का भरना भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत

प्रदूषण के कारण उत्पन्न होने वाले हानिकारक और खतरनाक गैसों में आ रही कमी

- क्लोरो-फ्लोरो कार्बन की मात्रा में गिरावट से घटेगा जीवों के लिए बढ़ रहा संकट
- मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से जुड़े शोधकर्ताओं ने किया विशेष अध्ययन
- अंतरराष्ट्रीय जर्नल नेचर में विस्तार से किया गया है उठाए गए कदमों का विश्लेषण

वैज्ञानिकों ने बताया है कि कारगर प्रयास से पर्यावरण संबंधी समस्याओं पर नियंत्रण संभव

अल्ट्रा वॉयलेट किरणों का अवशोषण

सतह से दूसरी परत जिसे समताप मंडल (स्ट्रेटोस्फीयर) कहा जाता है, में 15 से 30 किलोमीटर की ऊंचाई पर ओजोन गैस घनी मात्रा में उपलब्ध होती है। यह वायुमंडल में मौजूद कुल ओजोन का लगभग 90 फीसदी भाग बनाती है। यही परत सूर्य से आने वाली पराबैंगनी (अल्ट्रा वॉयलेट) किरणों को अवशोषित कर पृथ्वी पर जीवन को बचाने में बड़ी भूमिका निभाती है।

हानिकारक रसायनों में आ रही गिरावट

रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से बताया गया है कि अंटार्कटिका के ऊपर ओजोन परत में सुधार दिखा रहा है। यह मजबूत हो रही है। इससे पहले भी वैज्ञानिकों ने इसमें सुधार के संकेत देखे थे, लेकिन यह पहली स्टडी है, जो यह साबित करती है कि यह रिकवरी मुख्य रूप से हानिकारक रसायनों में आई कमी के कारण हुई है। इसमें जलवायु परिवर्तन या मौसम के बदलाव की कोई भूमिका नहीं है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) से जुड़े शोधकर्ताओं ने यह विशेष अध्ययन किया है। उनका कहना है कि यह इस बात का प्रमाण है कि वैश्विक स्तर पर उठाए गए कदम जिनका उद्देश्य ओजोन हानिकारक रसायनों को कम करना था, प्रभावी साबित हुए हैं। मतलब साफ है कि कारगर कदम उठाकर पर्यावरण संबंधी समस्याओं को नियंत्रित किया जा सकता है।

पहले रांची, फिर बोकारो के पेटरवार पहुंची टीम

संदिग्ध आतंकी अशहर के साथ स्पेशल सेल ने रीक्रिएट किया सीन

PHOTON NEWS RANCHI : रांची से गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी अशहर दानिश से जुड़े केस में जांच तेज हो गई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गुरुवार को रांची और पेटरवार में सीन रीक्रिएट किया। स्पेशल सेल अपने साथ संदिग्ध आतंकी अशहर दानिश को भी साथ लेकर आई थी। संदिग्ध आतंकी असहर दानिश ने झारखंड के बोकारो स्थित पेटरवार के एक बीज भंडार से काफी कुछ खरीदा था। केस को और मजबूत बनाने के लिए स्पेशल सेल की टीम गुरुवार को अशहर को लेकर पहले रांची और फिर पेटरवार पहुंची। पेटरवार में बीज दुकान में दानिश के द्वारा की गई खरीदारी का सीन रिक्रिएट करवाया गया। वहीं रांची के तबारक लॉज में भी सीन रीक्रिएट किया गया। बीज दुकानदार से भी दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पूछताछ कर जानकारी जुटाई है। इस दौरान टीम ने उस दुकान को भी देखा जहां से विस्फोटक तैयार के लिए समान खरीदे गए थे। वहीं विस्फोटक तैयार करने की विधि और तमाम चीजों की जानकारी टीम ने जुटाई।

गढ़वा में बाइक-कार की टक्कर में नानी-नाती की मौत, युवक गंभीर

भवनाथपुर थाना क्षेत्र के बनसानी गांव स्थित ईंट भट्ठा मोड़ के पास हुई दुर्घटना

PHOTON NEWS GARHWA : गढ़वा जिले में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। भवनाथपुर-खरौंधी मुख्य पथ पर भवनाथपुर थाना क्षेत्र के बनसानी गांव स्थित ईंट भट्ठा मोड़ के पास बाइक और बोलेरो कार की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में एक महिला और उसके नाती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे की सूचना मिलते ही भवनाथपुर पुलिस और खरौंधी प्रखंड के पंचायत प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। घायलों और मृतकों को निजी वाहन से भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लाया गया। यहां चिकित्सकों ने जांच के बाद केतार थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर निवासी पुनीत उरांव की 60 वर्षीय पत्नी पचिया देवी और खरौंधी थाना क्षेत्र के कोशलीबार निवासी भुनेश्वर सिंह के पुत्र 30 वर्षीय विनय सिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं इसी गांव के चंद्रदेव सिंह के पुत्र मनीष सिंह का इलाज सीएचसी में जारी है।

दुर्घटनाग्रस्त कार, सड़क पर गिरी महिला व बाइक ● फोटोन न्यूज

कैसे हुआ हादसा

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विनय सिंह और मनीष सिंह अपनी नानी पचिया देवी को लेकर बाइक से मुकुंदपुर से कोशलीबार लौट रहे थे। जैसे ही वे बनसानी ईंट भट्ठा मोड़ के पास पहुंचे, सामने से आ रही एक यूपी नंबर की बोलेरो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही पचिया देवी और विनय सिंह की मौत हो गई।

शोक में डूबा क्षेत्र

घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी रजनी रंजन पुलिस बल के साथ पहुंचे। उन्होंने कागजी कार्रवाई पूरी कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेज दिया और दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो एवं बाइक को थाने में सुरक्षित मंगवा लिया। इस दुखद घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। खरौंधी के जनप्रतिनिधि धर्मराज पासवान, पंकज दुबे समेत कई लोग सीएचसी पहुंचकर पीड़ित परिवार को सहयोग और सांत्वना देने में लगे रहे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

खूंटी में डायन के संदेह में वृद्धा की निर्मम हत्या आरोपी हुआ गिरफ्तार

KHUNTI : खूंटी जिले में अंधविश्वास के कारण एक महिला की जान चली गई। सायको थाना क्षेत्र के गुडबुरू गांव में 69 वर्षीय लुखी देवी की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। आरोपी ने टांगी और कुदाल से वार कर वृद्धा की जान ले ली। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सलगा गांव से आरोपी चोरोन मुंडा को गिरफ्तार कर लिया। मृतका की पुत्री बिरसी देवी ने इस घटना को लेकर सायको थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त टांगी, कुदाल, खून से सना पैंट और गमछे का टुकड़ा बरामद कर लिया। खूंटी के एसडीपीओ वरुण रजक ने प्रेस वार्ता में बताया कि आरोपी ने अपने बयान में हत्या का कारण अंधविश्वास बताया है। दरअसल, मृतका और आरोपी के बीच झगड़े के दौरान महिला ने उसे निर्वंश होने का श्राप दिया था। इसके बाद दो माह पूर्व आरोपी की दो माह की बच्ची की बीमारी से मौत हो गई। बच्ची की मौत के बाद आरोपी को विश्वास हो गया कि महिला डायन है और उसी ने कुछ किया है। इसी संदेह में आरोपी ने महिला को अकेला पाकर उसकी हत्या कर दी।

धनबाद में डायरिया का प्रकोप महिला की मौत, कई बीमार

गांव में पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ● फोटोन न्यूज

DHANBAD : धनबाद जिले के कलियासोल प्रखंड अंतर्गत भुरकुंडाबाड़ी पंचायत स्थित साहेबडंगाल आदिवासी गांव में डायरिया बीमारी फैलने से हड़कंप मच गया है। बुधवार की शाम इस बीमारी से एक महिला की मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन से अधिक ग्रामीण इसकी चपेट में आ गए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, बुधवार की शाम 55 वर्षीय सोनामुनी हेंब्रम की डायरिया से मौत हो गई। वहीं, 35 वर्षीय सुनील हेंब्रम, 50 वर्षीय पानी हेंब्रम और 60 वर्षीय हेमलाल टुडू का इलाज निरसा, बेलचढ़ी और एग्यारकुंड क्षेत्र के नर्सिंग होम में चल रहा है। इसके अलावा, 35 वर्षीय सबोनी टुडू और 50 वर्षीय आनंदो मोदी का इलाज गांव में ही किया जा रहा है।

वहीं 20 वर्षीय रबिता मुर्मू और 55 वर्षीय रूपलाल मरांडी नर्सिंग होम से इलाज कराकर पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौट आए हैं। डायरिया के प्रकोप की सूचना मिलने पर निरसा सीएचसी के चिकित्सक डॉ. बीके सिंह, डॉ. जयंतो टुडू, सहिया और आंगनबाड़ी केंद्र की टीम गांव पहुंची। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर स्थिति की जानकारी ली और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी।

BRIEF NEWS

चाउमिन खाने से 35 बच्चे हुए बीमार

LATEHAR : लातेहार प्रखंड के टेमकी गांव में चाउमिन खाने से 30 से अधिक बच्चे बीमार हो गए। सभी बच्चों को लातेहार सदर अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के बाद बच्चे खतरे से बाहर हैं। मिली जानकारी के अनुसार टेमकी की गांव में जितिया पर्व के बाद बुधवार को जतरा मेला का आयोजन किया गया था। मेले में चाउमिन खाने से देर शाम अचानक बच्चे उल्टी करने लगे थे। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव और पूर्व मुखिया राजेश उरांव को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद जनप्रतिनिधियों ने सदर अस्पताल से समन्वय स्थापित कर तत्काल एंबुलेंस मंगवाया और सभी बच्चों को रात में ही अस्पताल पहुंचा दिया। सदर अस्पताल में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ जय प्रकाश जायसवाल ने सभी का इलाज किया।

वरिष्ठ मजदूर नेता केके त्रिपाठी नहीं रहे

JAMSHEDPUR : आदित्यपुर निवासी वरिष्ठ मजदूर नेता केके त्रिपाठी (92) का गुरुवार को टीएमएच में निधन हो गया। वे टिस्को मजदूर यूनियन के संस्थापक थे। उनकी अंत्येष्टि शुक्रवार को बिष्टुपुर स्थित पार्वती घाट पर होगी। उनकी अंतिम यात्रा आदित्यपुर-1 के रोड नंबर-18 स्थित आवास से सुबह 10 बजे निकलेगी। स्व. त्रिपाठी ने अपना पूरा जीवन मजदूरों के अधिकारों की लड़ाई में समर्पित कर दिया था।

सोनारी निवासी मुकुल मिश्रा को मातृशोक

JAMSHEDPUR : सोनारी निवासी जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय के जनसुविधा प्रतिनिधि मुकुल मिश्रा की माता यशोदा देवी का गुरुवार को निधन हो गया। वह 87 वर्ष की थीं। वह अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनकी अंतिम यात्रा सोनारी स्थित उनके मकान से निकली। उनकी अंत्येष्टि बिष्टुपुर स्थित पार्वती घाट पर की गई। यशोदा देवी के निधन पर विधायक सरयू राय ने शोक व्यक्त किया है।

कोडरमा में सिहास नाला से मिला नवजात का शव

KODERMA : कोडरमा जिले के सतगावां थाना से महज आधा किलोमीटर दूर स्थित सिहास नाला से गुरुवार की सुबह नवजात शिशु का शव बरामद हुआ। शव मिलने की खबर जैसे ही फैली, पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। ग्रामीणों के अनुसार, सुबह-सुबह नाले के पास कुछ लोगों ने बच्चे का शव देखा और तत्काल इसकी जानकारी सतगावां थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सौरभ कुमार शर्मा दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सतगावां भेजा। यहां डॉक्टरों ने शिशु को मृत घोषित कर दिया।

आदिवासी समाज ने जनप्रतिनिधियों को दिया 23 तक का अल्टीमेटम

PHOTON NEWS CHAIBASA : कोल्हान आदिवासी एकता मंच के बैनर तले आदिवासी समाज ने आदिवासी मंत्री, सांसद और विधायक को 23 सितंबर तक का अल्टीमेटम दिया है। मंच के अध्यक्ष सह बिहार सरकार में डिप्टी स्पीकर रहे देवेंद्रनाथ चांपिया ने कहा कि आदिवासियों के अस्तित्व, अस्मिता एवं पहचान बचाने अथवा कुड़मी-महतो का आदिवासी बनने की मांग पर मंत्री, सांसद और विधायक को अपना पक्ष लिखित एवं सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करने का अल्टीमेटम ज्ञापन सौंपा गया है। मंच के माध्यम से झारखंड के सभी आदिवासी संगठन अनुसूचित जनजाति में शामिल करने के लिए कुड़मी-महतो समुदाय की मांग का स्पष्ट विरोध करते है। झारखंड सहित कोल्हान क्षेत्र के आदिवासियों के अस्तित्व, अस्मिता, पहचान, संस्कृति, भाषा एवं संवैधानिक अधिकारों पर प्रत्यक्ष खतरा मंडरा रहा है। आदिवासी समाज ने चेतावनी दी है कि यदि कुड़मी-महतो को एसटी सूची में शामिल किया गया तो इससे मूल आदिवासी समाज का अस्तित्व, अस्मिता, धर्म-संसंस्कृति, भाषा तथा आरक्षण पर आघात पहुंचेगा और मूल अधिकारों का हनन होगा। मंच के अध्यक्ष ने कहा कि यदि 23 सितंबर तक सभी जनप्रतिनिधि अपनी राय सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं करेंगे, तो आदिवासी समाज द्वारा जनप्रतिनिधियों के आवास का घेराव, चुप्पी तोड़ो-गद्दी छोड़ो जैसा आंदोलन करेगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान मंच के अध्यक्ष देवेंद्र नाथ चांपिया, मानकी-मुंडा संघ के अध्यक्ष गणेश पाट पिंगुवा सहित काफी संख्या में विभिन्न आदिवासी समाज के लोग शामिल थे।

चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव को ज्ञापन सौंपते देवेंद्र नाथ चांपिया

टाकू चुनाव : 15 पदों के लिए अब तक 13 ने भरा नामांकन, अंतिम तिथि आज

JAMSHEDPUR : टीचर एसोसिएशन ऑफ कोल्हान विश्वविद्यालय (टाकू) के अध्यक्ष सहित 15 पदों के लिए होने वाले चुनाव की नामांकन प्रक्रिया 19 सितंबर तक चलेगी। गुरुवार को चुनाव समिति ने नामांकन करने वाले प्रत्याशियों की सूची जारी की, जिसमें अब तक 13 प्रत्याशियों ने 15 पदों के लिए नामांकन दाखिल किया है। किसी भी पद के लिए अभी तक निर्धारित संख्या से अधिक नामांकन नहीं हुए हैं। यदि शुक्रवार को नामांकन में वृद्धि नहीं हुई, तो सभी प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हो सकते हैं।

गांव में ही दफनाया गया नक्सली शिबू माझी का शव

GIRIDIH : पुलिस मुठभेड़ में मारे गए नक्सली रघुनाथ हेंब्रम उर्फ शिबू माझी उर्फ निर्भय उर्फ चंचल का शव बुधवार रात डुमरी थाना क्षेत्र के जरीडीह गांव पहुंचा। गुरुवार को सुबह में परिजनों ने गांव के निकट मिट्टी में दफन कर अंतिम क्रियाकर्म किया। पंचायत प्रतिनिधियों ने बताया कि उन्हें मुठभेड़ और शिबू माझी के मारे जाने की सूचना देर से मिली, इसलिए शव लेने में विलंब हुआ। बता दें कि 15 सितंबर को सुबह में भाकपा-माओवादी के सदस्य शिबू माझी, कोबरा बटालियन, गिरिडीह और हजारीबाग पुलिस की संयुक्त टीम के साथ हुई मुठभेड़ में गोरहर थाना के पांतीतरी के लोहरगोड़ा टोला में मारा गया था। पुलिस के अनुसार, बिहार-झारखंड विशेष क्षेत्र समिति सदस्य रघुनाथ हेम्ब्रम उर्फ चंचल पर 25 लाख रुपये का इनाम था। रघुनाथ हेम्ब्रम गिरिडीह के डुमरी थाना क्षेत्र के जरीडीह का रहने वाला था। उस पर वर्ष 2000 में विधानसभा चुनाव के समय विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के बहने जंगल में पुलिस बल की गाड़ी उड़ाने का भी आरोप है। इसमें एक पुलिसकर्मी बलिदान हो गया था। 01 जून 2006 को पश्चिमी सिंहभूम जिले के किरीबुरु के कालौत गांव के पास पुलिस की गाड़ी को विस्फोट कर उड़ाने की घटना में भी रघुनाथ हेम्ब्रम की संलिप्तता थी।

ट्रक चालक से अवैध वसूली पर दारोगा राजेश बैठा सस्पेंड

PALAMU : ट्रक चालक से अवैध वसूली करते वीडियो में पकड़े गए नावाबाजार थाना के सहायक अवर निरीक्षक (दारोगा) राजेश बैठा पर पलामू जिले की पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने बड़ी कार्रवाई की है। एसपी ने दारोगा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर लाइन हाजिर कर दिया। 16 सितंबर को एसपी को वाट्सएप के जरिए एक संदिग्ध वीडियो मिला था। उन्होंने इसकी जांच विश्रामपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) आलोक कुमार टूटी को सौंपी। जांच में यह पुष्टि हुई कि गश्ती पदाधिकारी की मौजूदगी में ही सहायक अवर निरीक्षक राजेश बैठा ट्रक चालक से अवैध वसूली कर रहे थे। इसे संदिग्ध, मनमाना और अनुशासनहीन आचरण मानते हुए कार्रवाई की गई। एसपी ने पुलिस केंद्र पलामू के परिचारी प्रवर को निर्देश दिया है कि नावाबाजार थाना में प्रतिनियुक्त सभी सशस्त्र बलों को हटाकर नए प्रतिस्थानी बलों की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि पुलिस की छवि पर किसी तरह का सवाल न उठे। एसपी रीष्मा रमेशन ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी पुलिस पदाधिकारी या कर्मी की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम (नंबर : 7070452955) पर साझा करें। उन्होंने आश्वस्त किया कि शिकायत की जांच वरीय अधिकारी द्वारा होगी और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई तय है। इसके साथ ही, सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

वज्रपात से महिला की हो गई मौत

PALAMU : पलामू जिले में बुधवार की शाम दर्दनाक घटना हो गई। नावाबाजार थानाक्षेत्र के तुकबेरा पंचायत स्थित सरौना गांव में 17 सितंबर की शाम को वज्रपात की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान उपेंद्र ठाकुर की पत्नी 30 वर्षीय मालती देवी के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, बुधवार की शाम बारिश के दौरान मालती देवी अपने घर के सामने चापाकल के पास बंधे गाय के बछड़े को अंदर लाने के लिए घर से निकली ही थी कि अचानक आकाशीय बिजली गिर गई, जिससे वह उसकी चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर नावाबाजार थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज-अस्पताल भेजा। गुरुवार को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया गया।

गढ़वा में कुत्तों के झुंड ने हमला कर 10 बकरियों को मार डाला

पशुपालक झाउल पाल ने मौके से भाग कर बचाई अपनी जान

PHOTON NEWS GARHWA : गढ़वा जिले के मझिआंव नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर-10 के भुसूआ गांव निवासी झाऊल पाल की 10 बकरियों को कुत्तों के झुंड ने अचानक हमला कर सभी को मार डाला। बताया जा रहा है कि बुधवार की शाम झाउल पाल, पास के जंगल से अपनी बकरियों को लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान भुसूआ गांव के सतमानवा नहर के निकट नगर पंचायत द्वारा पूर्व से डंपिंग किए गए कचरे के ढेर पर भोजन की तलाश में भटक रहे कुत्तों के झुंड ने उनकी बकरियों पर अचानक से हमला कर दिया। बताया जाता है कि कचरे के ढेर में मुर्गी के पंख और सड़ा-गला मांस पड़ा था। इसी आहार की तलाश में जुटे कुत्तों ने अचानक बकरियों को घेर लिया और हमला कर दिया। वहीं झाउल पाल ने वहां से भागकर अपनी जान बचाई। झाउल पाल ने बताया कि कुत्तों के झुंड द्वारा मारी गई बकरियों की कीमत एक लाख से अधिक की है। झाऊल पाल ने बताया कि उनका परिवार इन्हीं बकरियों पर निर्भर था। यही उनके घर-परिवार की रोजी-रोटी का प्रमुख सहारा था। इस संबंध में समाजसेवी इबरार खां ने नगर पंचायत कार्यालय के कार्यपालक पदाधिकारी शैलेश कुमार को अवगत कराते हुए आवश्यक पहल की मांग की है।

प्रतीकात्मक तस्वीर

उन्होंने कहा कि अगर कचरे का सही ढंग से निस्तारण नहीं हुआ, तो पूरे गांव में दुर्गंध फैल जाएगी। बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाएगा। कुत्ते, ग्रामीणों पर भी हमला कर सकते हैं।

अपराध झारखंड के अलावा बिहार व छत्तीसगढ़ में भी लूट व डकैती की घटनाओं को अंजाम देता है यह गिरोह

जमशेदपुर व रामगढ़ के ज्वेलर्स लूटकांड का खुलासा, तीन बदमाश गिरफ्तार

PHOTON NEWS JSR : सोनारी थाना क्षेत्र में 3 सितंबर को वर्धमान ज्वेलर्स में हुई डकैती की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। वरीय पुलिस अधीक्षक, पूर्वी सिंहभूम को मिली गुप्त सूचना और तकनीकी शाखा से मिले इनपुट के आधार पर गठित एसआईटी ने छापामारी कर तीन कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाश एक अंतरराज्यीय गिरोह के सदस्य हैं। यह गिरोह झारखंड के अलावा, बिहार और छत्तीसगढ़ में डकैती की घटनाओं को अंजाम देता है। वर्धमान ज्वेलर्स में घटी इस घटना में नौ बदमाश शामिल थे। इनमें से तीन पकड़ लिए गए हैं। बाकी अन्य छह बदमाशों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों में विष्णु शंकर राय, सौरभ मेहता उर्फ सोनू और सुरज कुमार शामिल हैं। विष्णु शंकर राय बिहार के आरा जिले के नवादा थाना क्षेत्र स्थित विष्णु नगर बैंक कॉलोनी का रहने वाला है। सौरभ मेहता पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के नदियाइन गांव का रहने वाला है। सूरज कुमार पलामू के हरिहरगंज का रहने वाला है। पुलिस ने इनके ठिकानों से देसी पिस्टल, कारतूस, एक हुंडई अलकाजार कार, दो पल्सर बाइक, तीन स्मार्टफोन और दो की-पैड फोन बरामद किए हैं। यह जानकारी सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने एसएसपी ऑफिस में प्रेस कांफ्रेंस में गुरुवार को दी। उन्होंने बताया कि तीन सितंबर को सोनारी के गुदड़ी मार्केट के पास वर्धमान ज्वेलर्स में डकैती की घटना को अंजाम दिया गया था। इस घटना में डकैत सोने की पांच चेन लूट कर ले गए थे। इसकी कीमत पांच लाख रुपये के आसपास है। एसआईटी का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक मनोज ठाकुर और सन्नी वर्धन ने किया। उनके साथ सोनारी थाना प्रभारी मधुसूदन डे, साइबर थाना प्रभारी कुमार सरयू आनंद, जांच अधिकारी धनंजय कुमार सिंह समेत तकनीकी शाखा की टीम शामिल रही।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते सिटी एसपी कुमार शिवाशीष

खंगाले गए जमशेदपुर से पलामू तक के सीसीटीवी कैमरे

पुलिस ने जमशेदपुर से लेकर पलामू तक 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले। इसके जरिए पता चला कि किसी बड़े गिरोह ने डकैती की इस घटना को अंजाम दिया है। पता चला कि इस घटना में विष्णु शंकर राय शामिल है। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए एक टीम बिहार भेजी गई। आरा में कई संदिग्ध इलाकों में दबिश डालने के बाद पुलिस ने आरोपी विष्णु शंकर को भोजपुर से गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने उससे पूछताछ की तो पता चला कि घटना को अंजाम देने में उसके साथ सौरभ मेहता और सूरज कुमार भी शामिल था। ये दोनों पलामू जिले के रहने वाले हैं। इसके बाद पुलिस ने रेड कर औरंगाबाद से सौरभ मेहता को गिरफ्तार किया गया। सूरज पलामू के हरिहरगंज से दबोचा गया।

घटनास्थल पर बाइक से पहुंचे थे छह बदमाश

सिटी एसपी ने बताया कि घटना वाले दिन वर्धमान ज्वेलर्स में डकैती डालने के लिए छह बदमाश दो बाइक से पहुंचे थे। चारपहिया वाहन पर तीन बदमाश सड़क पर आगे इनका इंतजार कर रहे थे। बदमाशों का प्लान था कि डकैती की घटना को अंजाम देने के बाद जब छह बदमाश निकलेंगे तो बाइक को कहीं ठिकाने लगा देंगे। इसके बाद सभी लोग कार से निकल भागेंगे।

डोबो पुल के पास मिली देसी पिस्टल

गिरफ्तारी के बाद विष्णु शंकर की निशानदेही पर डोबो पुल के पास झाड़ियों से एक देसी पिस्टल भी बरामद किया गया। इसके अलावा, इनके पास से एक हुंडई कार, दो पल्सर बाइक, तीन स्मार्टफोन और दो की-पैड फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार यह पूरा गिरोह झारखंड और बिहार के कई जिलों में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देता रहा है।

रामगढ़ में 7 सितंबर को ज्वेलर्स से की थी लूट

इस गिरोह ने सात सितंबर को रामगढ़ में भी एक ज्वेलर्स के यहां लूट की घटना को अंजाम दिया था। इसके अलावा, छत्तीसगढ़ में दो घटनाओं में इस गिरोह का हाथ रहा है। बिहार में इस गिरोह ने कई घटनाएं अंजाम दी हैं। यह गिरोह खास तौर से ज्वेलर्स शॉप को ही निशाना बनाता है। पूछताछ में पता चला है कि गिरोह सोनारी के वर्धमान ज्वैलर्स में 30 सितंबर को ही डकैती डालने का प्लान बनाए हुए था। मगर, उस दिन इनकी एक बाइक खराब हो जाने की वजह से घटना टल गई थी। सिटी एसपी ने बताया कि अन्य बदमाशों के पकड़े जाने के बाद लूटी गई सोने की चेन और कुछ और हथियार बरामद होने की संभावना है।

ग्रामीणों ने गाय चोर को पीटने के बाद किया पुलिस के हवाले

DHANBAD : धनबाद जिले के निरसा थाना क्षेत्र में हरियाजाम कालोनी के समीप ग्रामीणों ने गुरुवार की सुबह पांड्रा बस्ती निवासी हलीम शेख को गाय चोरी कर ले जाते पकड़ लिया और जमकर पिटाई की। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। इस दौरान उसके अन्य साथी भाग गए। गाय मालिक पांड्रा निवासी राजी अहमद ने हलीम शेख के खिलाफ निरसा थाना में शिकायत दर्ज कराई है।

ग्रामीणों ने बताया कि गुरुवार की सुबह जब हलीम शेख अपना टेंपो लेकर जा रहा था, तो हम लोगों को संदेह हुआ। उससे पूछा कि टेंपो में क्या है तो कहा कि इसमें कोयला है। परंतु टेंपो में गोबर लगा देखकर हम लोगों को संदेह हुआ। जब हम लोगों ने टेंपो रोक कर देखा, तो उसमें दो गाय लदी थी। मामले की भनक लगते ही उसके अन्य साथी भागने में सफल रहे। उसके बाद ग्रामीणों ने उसकी पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि हलीम शेख आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है तथा कई मामलों में वह पूर्व में भी जेल जा चुका है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

पांड्रा निवासी रुखसाना बीवी, अमीरन बीवी ने बताया कि लगभग पांच दिनों से हम लोगों के मवेशी गायब हैं। काफी खोजबीन की, पर नहीं मिली।

विदेश में डेरा जमाए मयंक सिंह की गिरफ्तारी के बाद अपराधियों में हड़कंप

PHOTON NEWS RANCHI : काम करने को लेकर पुलिस का मिजाज सख्त हो जाए, तो अपराधियों के हाथ-पांव फुलने लगते हैं। हम अक्सर सुनते हैं कि कानून के हाथ लंबे होते हैं। यह कहावत झारखंड पुलिस ने एक बार फिर सच कर दिखाया है। हाल ही में दुर्दांत अपराधी मयंक सिंह की विदेश से गिरफ्तारी ने न केवल राज्य पुलिस की कार्यशैली को नई ताकत दी है, बल्कि विदेश में छिपे अन्य गैंगस्टरों के बीच भी खलबली मचा दी है। मयंक सिंह झारखंड का पहला ऐसा अपराधी है, जिसे विदेश से प्रत्यर्पित कर लाया गया। इस गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस की निगाह प्रिंस खान, राहुल दुबे और राहुल सिंह जैसे अपराधियों पर है, जो विभिन्न देशों में शरण लेकर झारखंड में अपने गिरोह का संचालन कर रहे हैं। अब तक झारखंड के कई कुख्यात अपराधियों को यह भरोसा था कि अगर वे देश की सीमाओं से बाहर चले जाएंगे, तो कानून उन्हें कुछ नहीं कर सकेगा। लेकिन, मयंक सिंह को अजरबैजान से गिरफ्तार कर लाए जाने के बाद यह मिथक टूट चुका है। इस सफलता ने झारखंड पुलिस का मनोबल बढ़ाया है और विदेशी धरती पर बैठे अपराधियों में भय का माहौल बना दिया है।

झारखंड पुलिस की बदली हुई कार्यशैली और कारगर रणनीति ने दिलाई बड़ी सफलता

दूसरे देशों में छिपे राज्य के अन्य अपराधियों को सताने लगा है पकड़े जाने का खौफ

- अब प्रिंस खान, राहुल दुबे और राहुल सिंह जैसे गैंगस्टरों पर है पुलिस की कड़ी नजर
- विभिन्न देशों में शरण लेकर झारखंड में अपने गिरोह का संचालन कर रहे ये अपराधी
- अजरबैजान से मयंक के प्रत्यर्पण ने यह मिथक तोड़ दिया कि विदेश में कोई डर नहीं
- प्रक्रिया के तहत पुलिस ने महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रद्द करवा दिया है इनका पासपोर्ट

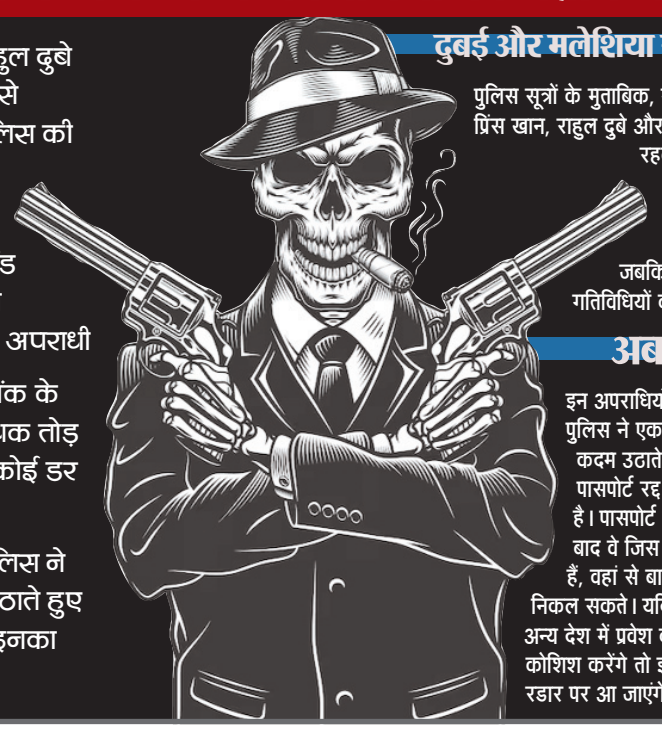

दुबई और मलेशिया से आपराधिक गतिविधियों का संचालन

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मयंक सिंह के प्रत्यर्पण के बाद झारखंड पुलिस की नजर अब प्रिंस खान, राहुल दुबे और राहुल सिंह पर टिकी हुई है। ये तीनों अपराधी विदेश में रहकर कोयला कारोबारियों, ठेकेदारों और अन्य व्यवसायियों को धमकी देकर रंगदारी वसूलने का प्रयास कर रहे हैं। प्रिंस खान दुबई में छिपा है और वहीं से धनबाद तथा बोकारो में अपने नेटवर्क को सक्रिय रखता है। राहुल दुबे मलेशिया में है, जबकि राहुल सिंह भी विदेश में ठिकाना बनाकर झारखंड में अवैध गतिविधियों को संचालित कर रहा है।

अब अपराधियों की बढ़ीं मुश्किलें

इन अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उनका पासपोर्ट रद्द करवा दिया है। पासपोर्ट रद्द होने के बाद वे जिस देश में छिपे हैं, वहां से बाहर नहीं निकल सकते। यदि वे किसी अन्य देश में प्रवेश करने की कोशिश करेंगे तो इंटरपोल के रडार पर आ जाएंगे। यही कारण है कि ये अपराधी वर्तमान में लगभग निष्क्रिय हो गए हैं और उनका मूवमेंट बेहद सीमित हो गया है। प्रत्यर्पण संधि वाले देशों से होगी वापसी झारखंड पुलिस अब उन देशों पर फोकस कर रही है, जिनके साथ भारत की प्रत्यर्पण संधि मौजूद है। पुलिस का मानना है कि पासपोर्ट रद्द होने के बाद अपराधियों के पास ज्यादा विकल्प नहीं बचेंगे। वे या तो उसी देश में फंसे रहेंगे या फिर प्रत्यर्पण की प्रक्रिया के जरिए भारत लाए जा सकते हैं।

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने दिए सख्त संदेश

झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने साफ कहा है कि चाहे अपराधी कहीं भी क्यों न छिपा हो, कानून के शिकंजे से बचना आसान नहीं होगा। उन्होंने बताया कि मयंक सिंह की गिरफ्तारी ने पुलिस को नई दिशा दी है और अब रणनीति बनाई जा रही है कि प्रिंस खान, राहुल दुबे और राहुल सिंह जैसे अपराधियों को भी जल्द से जल्द झारखंड लाया जा सके। पुलिस की सक्रियता और पासपोर्ट रद्द होने के बाद विदेशों में बैठे अपराधियों की हालत खराब है। जो अपराधी पहले खुलेआम सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर धमकियां देते थे, अब पूरी तरह से ट्रेसलेस हो गए हैं। वे न तो ज्यादा फोन कॉल कर रहे हैं और न ही किसी नए संपर्क से जुड़ने की हिम्मत कर पा रहे हैं। उनके नेटवर्क पर भी पुलिस की कड़ी नजर है, जिससे उनके गिरोह कमजोर होते जा रहे हैं।

अब नहीं बचे हैं ज्यादा विकल्प

मयंक सिंह को अजरबैजान से गिरफ्तार कर लाना झारखंड पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि रही। यह ऑपरेशन दिखाता है कि राज्य पुलिस अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपराधियों को ट्रैक करने में सक्षम हो रही है। इस मामले ने विदेशों में छिपे अपराधियों को चेतावनी दी है कि अब वे कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि अपराधियों को देश की सीमा से बाहर भागने देने की पुरानी आदत अब काम नहीं करेगी। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से उनके ठिकानों की पहचान की जा रही है। जल्द ही प्रिंस खान, राहुल दुबे और राहुल सिंह को भी प्रत्यर्पण की प्रक्रिया से लाने के लिए आवश्यक दस्तावेज तैयार किए जाएंगे। झारखंड पुलिस अब संगठित अपराध के खिलाफ अपनी रणनीति को और आक्रामक बना रही है। इंटरपोल, विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ समन्वय कर अपराधियों को पकड़ने की तैयारी जारी है। मयंक सिंह की गिरफ्तारी ने यह साबित कर दिया है कि अगर कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए तो अपराधियों को कहीं भी पनाह नहीं मिलेगी।

BRIEF NEWS

सीडीएस अनिल चौहान पहुंचे रांची, भव्य स्वागत

RANCHI : देश के पहले और वर्तमान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान पहली बार रांची पहुंचे। एयरपोर्ट पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एयरपोर्ट पर काफी संख्या में मौजूद पूर्व सैनिकों तथा सैन्य अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जनरल अनिल चौहान का यह दौरा ऑपरेशन सिंदूर के बाद हो रहा है, जिससे इसे विशेष रणनीतिक महत्व भी मिल रहा है। इस ऑपरेशन ने देश के सैन्य नेतृत्व की सुदृढ़ता को दर्शाया। सीडीएस का रांची आना एक मजबूत संदेश है।

विस सचिवालय के उप सचिव को दी गई श्रद्धांजलि

RANCHI : झारखंड विधानसभा सभा सचिवालय में उप सचिव के पद पर कार्यरत पदाधिकारी कमलेश कुमार दीक्षित का 17 सितंबर देर रात आकस्मिक निधन हुआ। उनके पार्थिव शरीर को गुरूवार को झारखंड विधानसभा लाया गया। जहां झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो सहित अन?य सदस?यों विधानसभा के पदाधिकारी और कर्मचारियों ने अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि दी। मौके पर विधानसभा के प्रभारी सचिव माणिक लाल हेंब्रम और विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों ने संबोधित किया।

बिरसा मुंडा समाधि स्थल के बगल में डिस्टिलरी के दोनों ओर बनेगी पार्किंग

डिस्टिलरी वेंडर मार्केट का जल्द होगा विस्तार, रोड पर नहीं सजेंगी दुकानें

VIVEK SHARMA @ RANCHI : राजधानी रांची का डिस्टिलरी वेंडर मार्केट अब नए रूप और आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित होने जा रहा है। रांची नगर निगम ने इसके विस्तार और व्यवस्थित ढंग से संचालन की योजना बनाई है। अब सड़क और पुल पर अवैध रूप से दुकानें नहीं सजेंगी। रोड किनारे दुकान लगाने वाले दुकानदारों को हटाकर मार्केट में शिफ्ट किया जाएगा। इसके साथ ही आसपास के क्षेत्र को सुंदर और सुविधाजनक बनाने के लिए विकास योजनाएं तैयार करने का निर्देश नगर प्रशासक ने दिया है। नगर प्रशासक ने अधिकारियों को विस्तृत डेवलपमेंट प्लान तैयार करने का निर्देश दिया है। इसके तहत मार्केट को व्यवस्थित करने के साथ-साथ पर्यावरण और सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वर्तमान में मार्केट से सटे पुल की एक लेन पर दुकानदारों ने अवैध कब्जा कर लिया है, जिससे यातायात बाधित होता है। निगम ने तय किया है कि इन दुकानदारों को व्यवस्थित तरीके से मार्केट के अंदर शिफ्ट किया जाएगा।

स्वामी विवेकानंद पार्क को नया रूप देने की तैयारी, डेवलपमेंट प्लान बनाने का निर्देश

रोड पर से सब्जी दुकानदारों को मार्केट में किया जाएगा शिफ्ट

सड़क और पुल को पूरी तरह से खाली कराया जाएगा, ताकि आम लोगों को आवागमन के लिए रोड खाली मिल सके। मार्केट के बाहर सड़क किनारे सब्जी बेचने वालों को भी अब मार्केट के अंदर जगह दी जाएगी। इस कदम से एक ओर जहां सड़क पर अव्यवस्था कम होगी, वहीं दूसरी ओर सब्जी विक्रेताओं को भी सुरक्षित और स्थाई जगह मिल जाएगी। बता दें कि नॉनवेज दुकानों के लिए विशेष व्यवस्था पहले ही की जा चुकी है। उन्हें अंडरग्राउंड मार्केट में बसाया गया है। इससे एक ओर जहां साफ-सफाई है, वहीं दूसरी ओर ग्राहकों को भी एक जगह सभी सुविधाएं मिल रही हैं।

वैज्ञानिक तरीके से होगा कचरे का डिस्पोजल

पूरे इलाके को रोशन और सुरक्षित बनाने के लिए हाईमास्ट लाइट लगाने का निर्देश दिया गया है। रात के समय वहां भीड़-भाड़ रहती है, ऐसे में रोशनी की व्यवस्था से लोगों को परेशानी नहीं होगी। इसके साथ ही मार्केट के बगल में कंपोस्ट पिट भी बनाया जाएगा, ताकि कचरे का डिस्पोजल वैज्ञानिक तरीके से किया जा सके। भीड़ और ट्रैफिक की समस्या को कम करने के लिए बिरसा मुंडा समाधि स्थल के बगल में डिस्टिलरी के दोनों ओर पार्किंग स्पेस विकसित किया जाएगा। इससे वाहन सड़क पर खड़े नहीं होंगे और लोगों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी। फिलहाल समाधि स्थल के बगल में लोगों ने कचरा डंपिंग यार्ड बना दिया है। पार्किंग के बन जाने से ये समस्या भी खत्म हो जाएगी।

नए सिरे से दोबारा विकसित करने की चल रही तैयारी

नगर निगम ने स्वामी विवेकानंद पार्क को नया स्वरूप देने की भी तैयारी शुरू कर दी है। इस पार्क को हरियाली, बच्चों के खेलने की जगह और आकर्षक बैठने की व्यवस्था के साथ विकसित किया जाएगा। यह पार्क न केवल स्थानीय लोगों के लिए राहत की जगह होगा, बल्कि आने वाले विजिटर्स के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगा। हालांकि इस पार्क पर पहले ही करोड़ों रुपये फूंके जा चुके हैं। अब नए सिरे से इसे दोबारा विकसित करने की तैयारी है। जिसके तहत तालाब के पास से बाउंड्री कराई जाएगी। इसके बाद अंदर का एरिया डेवलप किया जाएगा। बाकी पार्क के सामने का हिस्सा वेंडर मार्केट और पार्किंग के रूप में विकसित किया जाएगा।

NEWS BOX

सीएम हेमंत सोरेन से मिले इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के निदेशक

RANCHI : गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, रांची के निदेशक प्रोफेसर राजीव श्रीवास्तव ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने इंस्टीट्यूट में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों, कार्यक्रमों और गतिविधियों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

शिक्षा ग्रहण की कोई उम्र नहीं : कारी अंसारुल्लाह

RANCHI : हमें घर-घर शिक्षा का दीप जलाना है, बच्चों, बड़ों को पढ़ाना है और सबको कुरान की शिक्षा देनी है। याद रखें कि शिक्षा ग्रहण की कोई उम्र सीमा नहीं होती। उक्त विचार झारखंड सरकार के शहर काजी और मदीना मस्जिद हिंदपीढ़ी रांची के इमाम व खतीब हजरत मौलाना कारी अंसारुल्लाह कासमी ने जामिया उम्मे हबीबा लिलबानात कांके नगड़ी द्वारा नगड़ी जामा मस्जिद में आयोजित जलसा सीरतुन्नबी को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमारे घरों का माहौल धार्मिक होना चाहिए, हमारे रिश्ते-नाते शरीयत और सुन्नत के अनुसार होने चाहिए, हमें अपने बच्चों और युवाओं पर ध्यान देना चाहिए। जामिया उम्मे हबीबा लिलबानात लड़कियों की शिक्षा के प्रति चिंतित है। हमें इसे मजबूत करने की आवश्यकता है। हर क्षेत्र के लोगों की यह जिम्मेदारी है कि वे अपने क्षेत्र की मस्जिद, मदरसा और उलेमा की रक्षा और अच्छे कार्यों का सराहना करें। लड़कियों के बीच धार्मिक शिक्षा समय की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। बैठक में हजरत मौलाना कारी अंसारुल्लाह कासमी, हजरत कारी रमजान रशीदी, कारी इनामुल हक, हाफिज हारून रशीद, मौलाना शफीउल्लाह कासमी, मुफ्ती अतीकुर्रहमान कासमी, हाफिज इम्तियाज, हाफिज अजीज, समाज सेवी ऐनुल हक अंसारी, जमील अंसारी, हाजी रफीक, हसीब अंसारी, हाफिज अब्दुल हसीब, मौलाना मुकर्रम, मौलाना मुजफ्फर, मौलाना महमूद, अताउल्लाह रहबर, आबिद हुसैन, जमील अख्तर, मौलाना नूरुल्लाह कासमी, पत्रकार आदिल रशीद समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दुर्गा पूजा को लेकर हुई शांति समिति की मीटिंग

RANCHI : दुर्गा पूजा को लेकर पिठोरिया थाना परिसर में थाना प्रभारी अभय कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। इस दौरान क्षेत्र के सभी समुदाय के लोग, जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। क्षेत्र के पूजा समिति के पदाधिकारीयों ने अपने-अपने क्षेत्र के पूजा से संबंधित होने वाले कार्यक्रम की जानकारियां प्रशासन के समक्ष साझा किया। मौके पर मौजूद पूर्व जिला परिषद सदस्य हकीम अंसारी, मजीद अंसारी, ऐनुल हक अंसारी, मोजीबुल अंसारी, अनिल केसरी, दिलेश्वर साहू, दीपक चौरसिया, जितनाथ बेदिया ने कहा कि पिठोरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत हर त्योहार को हम सभी समुदाय के लोग भाईचारगी और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाते आ रहे हैं। प्रशासन से मांग की गई कि पूजा पंडाल और आरती के समय पुलिस गश्ती बढ़ाई जाए। थाना प्रभारी अभय कुमार ने सभी पूजा समितियों को सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन को बताते हुए कहा कि डीजे साउंड का प्रयोग न करें। अगर करें भी तो कम साउंड का इस्तेमाल करे। पूजा समितियां की मांग पर थाना प्रभारी ने कहा कि सभी पूजा पंडालों पर पुलिस के जवान मौजूद रहेंगे। साथ ही क्षेत्र में गश्ती दल भी बढ़ाए जाएंगे। इस दौरान थाना प्रभारी ने असामाजिक तत्वों को चेताते को हुए कहा कि यदि थाना क्षेत्र में कोई भी शांति भंग करने की कोशिश करेगा तो उसे किसी भी तरह बख्शा नहीं जाएगा। बैठक मे मुख्य रूप से एसआई सुनील दास, संतोष यादव, दजुल्फेकार खान, सुरेश राम, लाखो उरांव, मीणा देवी, अरविंद राम, रंगनाथ राम सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

प्लेटफॉर्म नंबर 03 पर आई मौर्या एक्सप्रेस में मिले थे दो संदिग्ध

आरपीएफ ने 30 किलो गांजा के साथ दो आरोपियों को हटिया रेलवे स्टेशन से दबोचा

PHOTON NEWS RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल(आरपीएफ) ने हटिया रेलवे स्टेशन से 30 किलो गांजा बरामद किया है। मामले में दो आरोपियों- अभिषेक सिंह(31) और गोविंद कुमार(33) को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी बिहार के बक्सर के रहने वाले है। आरपीएफ के एसआई साधना कुमारी ने गुरुवार को बताया कि कमांडेंट पवन कुमार के निदेर्शानुसार आरपीएफ सतर्क थी। इसी क्रम में हटिया आरपीएफ पोस्ट की अधिकारी तथा फ्लाइंग टीम स्टेशन पर जांच में तैनात थे। ट्रेन संख्या 15027 (मौर्या एक्सप्रेस) प्लेटफॉर्म

नंबर 03 पर आई। जांच के दौरान कोच संख्या बी /01 में दो व्यक्ति संदिग्ध स्थिति में सोते पाए गए। पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम अभिषेक सिंह और गोविंद कुमार बताया। दोनों ने स्वीकार किया कि उनके ट्रॉली बैग में भूरे प्लास्टिक में लिपटा गांजा रखा है। तुरंत उन्हें ट्रेन से उतार कर प्लेटफॉर्म पर लाया गया। इसकी जानकारी असिस्टेंट सिक्योरिटी कमिश्नर, आरपीएफ मूरी को दी गई। मौके पर असिस्टेंट सिक्योरिटी कमिश्नर आरपीएफ मूरी पहुंचे और उनके बैग की तलाशी ली गई। तलाशी में पाया गया कि अभिषेक सिंह के ट्रॉली बैग से आठ पैकेट और गोविंद कुमार के बैग से छह पैकेट गांजा बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि असिस्टेंट सिक्योरिटी कमिश्नर आरपीएफ मूरी के निदेर्शानुसार सभी 14 पैकेटों की डीडी किट से जांच की गई, जिसमें गांजा पॉजिटिव पाया गया।

रांची में 50 प्रतिशत व लातेहार में 40 फीसद ज्यादा हुई वर्षापात

झारखंड में सामान्य से 20 प्रतिशत अधिक बरसा मानसून, 1113 मिमी बारिश रिकॉर्ड

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में इस बार मानसून सामान्य से 20 प्रतिशत अधिक बरसा। इस वर्ष राज्य में 927.9 मिमी के मुकाबले 1113.9 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई। यह जानकारी मौसम विभाग की ओर से दी गई। झारखंड के जिन जिलों में सबसे अधिक बारिश रिकार्ड की गई उनमें पूर्वी सिंहभूम में सामान्य से 59 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। यहां 994.9 मिली मीटर के मुकाबले 1584.8 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई। सरायकेला खरसावां में सामान्य से 52 प्रतिशत अधिक,

रांची में सामान्य से 50 प्रतिशत अधिक, लातेहार में सामान्य से 40 प्रतिशत अधिक और धनबाद जिले में सामान्य से 35 प्रतिशत अधिक बारिश रिकार्ड की गई। झारखंड सहित पूरे देश भर से दक्षिणी पश्चिमी मानसून की विदाई हो रही है। बावजूद इसके मानसून की भारी बारिश देखने को मिल रही है। मौसम विभाग के अनुसार झारखंड के विभिन्न जिलों में 18 सितंबर को राज्य के विभिन्न स्थानों पर तेज हवा का झोंका (30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से) चलने की आशंका है। साथ ही आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और धूप खिली रही। इसके बाद दोपहर में अचानक मौसम बदला और हल्की बारिश हुई।

आत्मनिर्भरता | सूक्ष्म ड्रिप सिंचाई परियोजना के प्रभाव से मिल रहा आर्थिक लाभ

आधुनिक खेती में कमाल कर महिलाएं बन रहीं लखपति दीदी

PHOTON NEWS RANCHI : जापान अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी के वित्तीय सहयोग से संचालित झारखंड की झिमड़ी (सूक्ष्म ड्रिप सिंचाई) परियोजना से महिलाओं की किस्मत बदल रही है। इसका संचालन झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी यानी जेएसएलपीएस के माध्यम से होता है। यह परियोजना राज्य के 9 जिलों को 30 हजार किसान परिवारों को टारगेट कर चलाई जा रही है। इस परियोजना से जुड़कर महिला किसान अब लखपति दीदी बन रही हैं। इस प्रोजेक्ट की सफलता को देखते हुए सीएम हेमंत सोरेन ने झिमड़ी परियोजना को दो सालों का विस्तार दे दिया है। दुमका की पूजा सोरेन के लिए सिंचाई और पूंजी के अभाव में खेती करना भी मुश्किल था। लेकिन, पूजा ने सखी मंडल और झिमड़ी परियोजना से जुड़कर खेती और अपनी जिंदगी को नई दिशा दी है। उन्होंने ड्रिप सिंचाई तकनीक अपनाई और करेले की व्यावसायिक खेती शुरू की। अब सालभर करेला, मिर्च और स्ट्रॉबेरी जैसी फसलों की खेती कर रही हैं। ड्रिप से पौधों को समय पर नमी और पोषण मिला, जिससे उत्पादन और गुणवत्ता दोनों बढ़ीं। हाल ही में उन्होंने करेले को 35-40 रुपये प्रति किलो बेचकर एक लाख रुपये से अधिक की आमदनी अर्जित की। लगातार उत्पादन और उचित मूल्य मिलने से उनकी सालाना आय 4 लाख रुपये से अधिक हो चुकी है।

आजीविका संवर्धन सोसाइटी के माध्यम से इस योजना का किया जा रहा संचालन

झारखंड के 9 जिलों में 30 हजार किसान परिवारों से जुड़ चुकी है यह योजना

खराब मौसम और कीटों से सुरक्षा

खूंटी के कर्रा प्रखंड की विनीता देवी ने भी 2022 में झिमड़ी परियोजना से जुड़कर पहली बार फ्रेंच बीन्स की खेती की। उन्होंने केवल 12300 रुपये की लागत से 51540 रुपये का लाभ कमाया। परियोजना से उन्हें ड्रिप सिंचाई प्रणाली के साथ पॉली नर्सरी हाउस भी मिला, जिससे पौधे खराब मौसम और कीटों से सुरक्षित रहते हैं। आज विनीता करेले की खेती कर रही हैं और उनकी सालाना आमदनी लगभग 1.20 लाख रुपये है। इसमें पारंपरिक खेती की तरह ज्यादा श्रम की भी जरूरत नहीं पड़ती है।

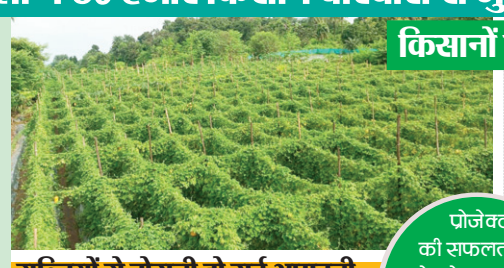

सब्जियों से दोगुनी हो गई आमदनी

रांची के नगड़ी प्रखंड की मधुबाला देवी पहले सीमित संसाधनों और सिंचाई की कमी के कारण खेती से बहुत कम आय कमा पाती थीं। लेकिन, झिमड़ी परियोजना के तहत ड्रिप सिंचाई तकनीक अपनाने के बाद उनका जीवन बदल गया। उन्होंने 25 डिसमिल भूमि पर सब्जियों की खेती शुरू की थी। आधुनिक तकनीकों से उगाई गई उच्च गुणवत्ता वाली सब्जियों ने उनकी आय दोगुनी कर दी।

प्रोजेक्ट की सफलता को देखते हुए सीएम हेमंत सोरेन ने दिया दो वर्षों का विस्तार

किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव

झारखंड माइक्रो ड्रिप एरिगेशन परियोजना को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश परदो वर्ष का विस्तार मिल चुका है। इस परियोजना ने अप्रैल 2025 तक किसानों की आय और कृषि उत्पादकता में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की है। परियोजना की सफलता और ग्रामीण किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने झिमड़ी परियोजना को 2027 तक का अवधि विस्तार दिया है। इस विस्तार से राज्य के 30 हजार से अधिक किसान सीधे लाभान्वित होंगे। 13 हजार से अधिक किसानों को प्रशिक्षण दिया गया है।

खबर का असर : 'द फोटोन न्यूज' ने प्रमुखता से उठाया था मुद्दा

तुपुदाना रिंग रोड पर शुरू हुआ मरम्मत कार्य, रंग लाई नागरिकों की आवाज

PHOTON NEWS RANCHI : तुपुदाना रिंग रोड पर जल-जमाव और सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर प्रकाशित समाचार के बाद प्रशासन ने त्वरित संज्ञान लेते हुए मरम्मत कार्य शुरू करवा दिया है। बुधवार सुबह से ही जेसीबी मशीनों की गड़गड़ाहट और श्रमिकों की सक्रियता ने यह संकेत दिया कि अब इस क्षेत्र की उपेक्षा नहीं की जाएगी। नगर निगम और पथ निर्माण विभाग की संयुक्त पहल पर सड़क की खोदाई, गड्ढों की भराई और जल निकासी की व्यवस्था को दुरुस्त करने का कार्य प्रारंभ हो चुका है। 'द फोटोन न्यूज' द्वारा 09 सितंबर को प्रकाशित रिपोर्ट में स्थानीय नागरिकों और श्रमिकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया

था, जिसके बाद प्रशासनिक हलचल तेज हुई। स्थानीय निवासियों ने बताया, हमने कई बार शिकायत की थी, लेकिन जब यह खबर अखबार में आई, तभी अधिकारियों की नींद खुली। अब उम्मीद है कि यह काम अधूरा नहीं छोड़ा जाएगा। सड़क किनारे मौजूद श्रमिकों ने भी राहत की सांस ली है। सतरंजी बाजार के पास कीचड़ और गंदे पानी से जूझ रहे दुकानदारों ने कहा कि अब ग्राहक आने लगे हैं और व्यापार में सुधार की संभावना बनी है। स्वास्थ्य विभाग ने भी क्षेत्र में फॉगिंग और सफाई अभियान चलाने की योजना बनाई है, ताकि डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव हो सके। एक अधिकारी ने बताया,हमने प्राथमिकता के आधार पर इस क्षेत्र को चुना है। अगले कुछ दिनों में जल निकासी और सड़क मरम्मत पूरी कर ली जाएगी। यह घटनाक्रम दर्शाती है कि जब मीडिया जनहित में सशक्त रूप से आवाज उठाता है, तो प्रशासन को जवाब देना पड़ता है। तुपुदाना रिंग रोड की यह पहल न केवल एक सड़क की मरम्मत है, बल्कि यह उस भरोसे के लिए भी जरूरी है, जो जनता और व्यवस्था के बीच होना चाहिए।

समाचार सार

पंडालों में अंदर-बाहर सीसीटीवी लगाने का निर्देश

GHATSILA : दुर्गा पूजा को लेकर घाटशिला थाना परिसर में गुरुवार को दुर्गा पूजा कमेटी के सदस्यों एवं प्रशासनिक पदाधिकारी की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक हुई।

इसमें अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार कुजूर ने पूजा कमेटी के सदस्यों से कहा कि इस वर्ष भी सभी पंडालों में अंदर-बाहर सीसीटीवी कैमरा लगाएं। अग्निशमन की व्यवस्था अवश्य की जाए। हर पंडाल में प्रवेश व विकास द्वार अलग-अलग रखा जाए। उन्होंने कहा कि जो भी गैर-लाइसेंस कमेटी है, वह अपने कमेटी के पदाधिकारी के नाम व मोबाइल नंबर अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में जमा करें। कमेटी सदस्यों को बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार, प्रतिमा विसर्जन के दौरान कोई भी पूजा कमेटी डीजे का उपयोग नहीं करेगी। बैठक में एसडीओ सुनील चंद्र, बीडीओ युनिका शर्मा, सीओ निशांत अंबर, प्रमुख सुशीला टुडू, उपप्रमुख गोपाल कृष्ण अग्रवाल, गालूडीह, मऊभंडार व घाटशिला के थाना प्रभारी, मुखिया पार्वती मुर्मू, तापस चटर्जी, सत्यनारायण जैन, सुरेश चौहान आदि भी उपस्थित थे।

पीएम के जन्मदिन पर 157 कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान

JAMSHEDPUR : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर 'सेवा पखवाड़ा' के तहत भाजयुमो ने राष्ट्रव्यापी रक्तदान शिविर का आयोजन किया। भाजयुमो, जमशेदपुर महानगर के तत्वावधान में बुधवार को रक्तदान शिविर में 157 भाजपा कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। भाजयुमो, जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष नीतीश कुशवाहा के नेतृत्व में धतकीडीह स्थित जमशेदपुर ब्लड सेंटर में चले शिविर में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी, सांसद बिद्युत बरण महतो, भाजपा, जमशेदपुर महानगर के अध्यक्ष सुधांशु ओझा समेत अन्य नेताओं ने शिविर का उद्घाटन किया। शिविर में रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाने वालों में भाजपा के प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद, पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर मिश्रा, अभय सिंह, रामबाबू तिवारी, बिनोद सिंह, दिनेश कुमार, मीरा मुंडा, डॉ. राजीव, मनोज सिंह, कुसुम पूर्ति, रमेश हांसदा, संजीव सिन्हा, राजीव सिंह, अनिल मोदी, जितेंद्र राय, संजीव कुमार, मंजीत सिंह, सागर राय, नीलू मछुआ, रमेश बास्के, अमरजीत सिंह राजा, तन्मय झा, श्वेता कुशवाहा समेत अन्य शामिल रहे।

याद किए गए क्रांतिकारी मदनलाल ढींगरा

JAMSHEDPUR : भारतीय जन महासभा ने गुरुवार को क्रांतिकारी मदन लाल ढींगरा की जयंती मनाई। अध्यक्ष धर्म चंद्र पोद्दार ने मानगो स्थित आवास पर स्व. ढींगरा के चित्र पर पुष्प अर्पित किया। इस अवसर पर पोद्दार ने कहा कि कर्जन वायली का लंदन की धरती पर वध कर मदनलाल ढींगरा ने देशहित में सबसे बड़ा बलिदान दिया था। जयंती मनाने वालों में जमशेदपुर से विजय कुमार गोयल, मुरारीलाल अग्रवाल, रविशंकर झा, अजीत सिंह, निशा वाणी व मधु सिन्हा शामिल थे।

चाईबासा के व्यापारियों में बांटे गए सिक्के

CHAIBASA : दुगार्पूजा, दीपावली, छठ आदि पर्व को देखते हुए पश्चिमी सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने स्थानीय व्यापारियों में 5, 10 व 20 रुपये के सिक्के वितरित किए। इसका उद्देश्य त्योहारों के समय बाजार में बढ़ने वाली खुदरा मुद्रा की आवश्यकता को पूरा करना और उपभोक्ताओं को लेन-देन में असुविधा को कम करना है। चैंबर अध्यक्ष निरंजन अग्रवाल के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुल 6.25 लाख रुपये के खुदरा पैसे वितरित किए गए।

सांसद पहुंचीं सोनापोस के मनसा मंदिर

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुवा स्थित सोनापोस पंचायत अंर्तगत कैवर्त टोली में मां मनसा की पूजा धूमधाम से हो रही है। इस वर्ष पूजा के 100 वर्ष पूरे होने पर विशेष आयोजन किया गया है। 108 प्रतिमाओं की स्थापना कर मां मनसा देवी की जीवनी और महिमा को भव्य रूप से प्रदर्शित किया गया है। एक सप्ताह तक चलने वाले इस आयोजन में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। गुरुवार को सांसद जोबा मांझी भी यहां पहुंचीं और 108 प्रतिमाओं का दर्शन किया। इस मौके पर ज्योतिष कैवर्त, जितेंद्र कैवर्त, विपिन कैवर्त, उपेन कैवर्त, बसंत कैवर्त, मनोज कैवर्त, शीतल कैवर्त, मंदिर कैवर्त, मोची कैवर्त आदि भी मौजूद थे।

केयू के कुलानुशासक डॉ. राजेंद्र भारती से हुई 1.75 लाख रुपये की साइबर ठगी

प्रो. संजीव शर्मा की मिलती-जुलती आवाज से धोखा खा गए डॉ. भारती, महिलाओं के खाते में भेज दिया पैसा

PHOTON NEWS CHAIBASA : कोल्हान विश्वविद्यालय के कुलानुशासक डॉ. राजेंद्र भारती ने मुफस्सिल थाना में दो महिलाओं के खिलाफ साइबर ठगी का मामला दर्ज कराया है। आरोप है कि उषा परिहार और हसीना ओरांग ने डॉ. भारती के साथ 1 लाख 75 हजार रुपये की ठगी की है।

डॉ. भारती ने पुलिस को बताया कि 10 सितंबर को उनके पास एक फोन आया, जिसमें फोन करने वाले ने अपने आप को उनका मित्र प्रो. संजीव कुमार शर्मा बताया। फोन करने वाले ने डॉ. भारती से कहा कि वह एक नंबर भेज रहा है, जिसमें कुछ पैसे डालने हैं। डॉ. भारती ने फोन करने वाले के कहने पर दो नंबरों में कुल 1 लाख 75 हजार रुपये डाल दिए। बाद में पता चला कि यह नंबर उषा परिहार और हसीना ओरांग के नाम से था।

डॉ. भारती ने बताया कि फोन करने वाले की आवाज उनके मित्र प्रो. संजीव कुमार शर्मा से मिलती-जुलती थी, जिसके कारण उन्होंने फोन करने वाले पर भरोसा कर लिया और पैसे डाल दिए। बाद में पता चला कि यह एक साइबर ठगी का मामला था। डॉ. भारती की शिकायत पर मुफस्सिल थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने डॉ. भारती के साथ साइबर ठगी की है और उनके पैसे निकाल लिए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों को पकड़ने की कोशिश कर रही है।

प्रतीकात्मक तस्वीर

सावधानी बरतने की अपील

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे साइबर ठगी से सावधान रहें और किसी भी अनजान नंबर पर पैसे न डालें। अगर किसी को कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई देती है, तो वह तुरंत पुलिस को सूचित कर सकता है। पुलिस ने बताया कि साइबर ठगी के मामलों में तेजी से कार्रवाई की जा रही है और आरोपियों को पकड़कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

- चाईबासा के मुफस्सिल थाना में उषा परिहार और हसीना ओरांग के खिलाफ दर्ज कराई गई नामजद प्राथमिकी, जांच में जुटी पुलिस

विश्वविद्यालय प्रशासन की प्रतिक्रिया

कोल्हान विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है और डॉ. भारती को सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों और कर्मचारियों को भी साइबर ठगी से सावधान रहने की अपील की है।

चाईबासा में साइबर ठगी के लगातार आ रहे मामले

यह मामला चाईबासा में साइबर ठगी की बढ़ती घटनाओं को दशार्ता है। लोगों को साइबर ठगी से सावधान रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की आवश्यकता है। पुलिस और प्रशासन को भी साइबर ठगी के मामलों में कड़ी कार्रवाई करने और लोगों को सुरक्षा प्रदान करने की आवश्यकता है।

साकची में महिला से चेन छिनतई करने वाले तीनों बदमाश पकड़ाए

महिला से 15 जुलाई को की थी स्नैचिंग, सामान बरामद

PHOTON NEWS JSR : साकची थाना क्षेत्र में 15 जुलाई को हुई चेन स्नैचिंग की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों शाहबाज शेख उर्फ शाबु, साजिद भोख उर्फ अमान बिल्ला और वसीम अकबर उर्फ चंदु को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से छीनी गई सोने की चेन भी बरामद कर ली गई है। साकची की महिला स्वणार्ली कुमारी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि बाराद्वारी स्थित दत्ता डेकोरेटर के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली थी। जांच में सामने आया कि चैन स्नैचिंग की वारदात शाहबाज और साजिद ने अंजाम दिया और बाद में चेन को वसीम अकबर उर्फ चंदु को बेच दिया। चंदु ने 11 हजार रुपये में यह चेन खरीदी थी। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर चेपा पुल के पास से शाहबाज और साजिद को गिरफ्तार किया।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते सिटी एसपी कुमार शिवाशीष

पूछताछ में दोनों ने अपराध कबूल किया। उनकी निशानदेही पर चेन और बाइक बरामद हुई। वहीं चेन खरीदने वाले वसीम अकबर को भी दबोच लिया गया।

चाईबासा में बाइक दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत, दो घायल

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी थाना अंतर्गत कुटिंता गांव के पास एक बाइक दुर्घटना में 20 वर्षीय रोहित तिरिया की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक रोहित तिरिया जेटेया थाना अंतर्गत आइकुटी गांव का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार, बुधवार की रात तीनों युवक एक बाइक पर सवार होकर जगन्नाथपुर से जेटेया जा रहे थे। रास्ते में नोवामुंडी के कुटिंता गांव के पास अचानक बाइक समेत तीनों गिर पड़े, जिससे रोहित तिरिया की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दो अन्य युवक, पवन टूटी और सोनाराम चातोमबा, गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चाईबासा भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घायल को नहीं मिली एंबुलेंस पैसेंजर गाड़ी से लाया गया

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी प्रखंड के पिलका पंचायत में एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें आशीष तांती नामक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाने के लिए परिजनों ने 108 एंबुलेंस से मदद की गुहार लगाई, लेकिन लाख कोशिशों के बाद भी एंबुलेंस नहीं मिली। आखिरकार, परिजनों ने एक पैसेंजर गाड़ी को भाड़े पर लेकर उसे एंबुलेंस बनाया और घायल को सदर अस्पताल, चाईबासा ले गए। इसके लिए उन्हें 3000 रुपये का डीजल भराना पड़ा। अस्पताल में इलाज के बाद घायल की हालत को देखते हुए मरीज को जमशेदपुर स्थित एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया। एमजीएम ले जाने के लिए भी एंबुलेंस नहीं मिली। मजबूरन, फिर से भाड़े की गाड़ी का सहारा लेना पड़ा। इस घटना से स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। सरकार द्वारा एंबुलेंस सेवा के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है और उन्हें मजबूरन भाड़े की गाड़ियों का सहारा लेना पड़ रहा है।

यात्री वाहन में लेटा घायल

सोनारी में सीढ़ियों से गिरकर जैप-6 के जवान की हुई मौत

JAMSHEDPUR : सोनारी थाना क्षेत्र में सीपी क्लब के पास रहने वाले झारखंड आर्म्ड पुलिस (जैप-6) के जवान आलोक कुमार (37) की बुधवार रात हादसे में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, रात करीब 8.45 बजे आलोक अपने घर की सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे, तभी उनका संतुलन बिगड़ गया और वे जोर से गिर पड़े। सिर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोट लगने से उनकी हालत नाजुक हो गई। परिजनों ने बताया कि हादसे के समय आलोक छत से कपड़ा उतारने गए थे। इसी दौरान रस्सी गले में फंस गई और वे सीढ़ियों से नीचे गिर पड़े। गिरने के बाद वे कुछ देर तक अचेत पड़े रहे। आनन-फानन में उन्हें टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

मृतक की फाइल फोटो

घटना की सूचना मिलते ही जैप एसोसिएशन के पदाधिकारी टीएमएच पहुंचे और परिजनों से मिलकर सांत्वना दी। साथी जवानों ने आलोक को एक ईमानदार और मिलनसार जवान के रूप में याद किया। एसोसिएशन ने कहा कि आलोक कुमार का असमय जाना पुलिस बल के लिए अपूरणीय क्षति है। परिवार को हरसंभव सहयोग करने का प्रयास किया जाएगा। गुरुवार को ही परिवार की मौजूदगी में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

हड़ताल पर चले गए सेल के सफाईकर्मी

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला के सेल (स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) की गुवा स्थित माइंस के सफाईकर्मी गुरुवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। झारखंड मजदूर संघर्ष संघ यूनियन के बैनर तले हड़ताल पर गएसफाई कर्मियों की की मांगों में रोईदास करूवा और किशन गोछछाईत को पुनः बहाल करना, सफाई कर्मियों की संख्या बढ़ाना, वेतन में वृद्धि करना और आवास भत्ता देना शामिल है। सफाई कर्मियों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक वे कार्य पर नहीं लौटेंगे। हड़ताल से गुवा के सेल अस्पताल, परिसर और आसपास के इलाकों में सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है। संघ के महामंत्री अंतयार्मी महाकुड़ ने कहा कि जब तक लिखित समझौता नहीं होगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों की मांगें नई नहीं हैं और वर्षों से इन मांगों को रखा जा रहा है, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिलता है।

पश्चिम बंगाल के दीघा से नशे की हालत में गालूडीह पहुंची युवती

PHOTON NEWS GHATSILA : पश्चिम बंगाल के दीघा स्टेशन के समीप तेतुलगचिया गांव निवासी प्रदीप दास की पुत्री नेहा दास (20) मंगलवार की देर रात गालूडीह बस स्टैंड के पास भटकती हुई मिली। गालूडीह थाना की गश्ती पुलिस तत्काल थाना ले गई। इसके बाद उसे बुधवार को सुबह में घाटशिला अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया। इस दौरान युवती बार-बार नशे की मांग करती रही और गिड़गिड़ाकर गुटखा व ड्रग्स देने की गुहार लगाती रही। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, युवती पूरी तरह नशे की गिरफ्त में है। सूचना पाकर जिप सदस्य कर्ण सिंह भी अस्पताल पहुंचे। उपचार के बाद उसे एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां वह इलाजरत है। युवती ने बताया कि उसे घर से गालूडीह ओवरब्रिज के पास अज्ञात लोगों ने छोड़ दिया था। युवती ने बताया कि उसके परिजनों के दुर्व्यवहार की वजह से वह चार साल से अधिकतर घर से बाहर ही रह रही थी। परिजनों के साथ संबंध अच्छे नहीं थे। सौतेली मां लगातार मारपीट करती है। उसका आरोप है कि पिता और सौतेली मां जबरन उसे नशे की सुई और पाउडर देकर गलत कार्य कराते थे। बताया कि वह घर में थी, उसके परिजनों ने उसे बहाने से गेट पर बुलाया गया और कुछ लोगों के साथ गाड़ी में बैठा दिया। उन्हीं लोगों ने उसे गालूडीह में छोड़ दिया। गालूडीह के थाना प्रभारी अंकु कुमार ने बताया कि युवती नशे की हालत में बस स्टैंड के पास मिली थी। वह नशे के लिए तड़प रही थी। उसका कहना है कि पिता कई बार उसकी इज्जत से खिलवाड़ कर चुका है।

अस्पताल में अपनी कहानी बताती युवती ● फोटोन न्यूज

उपलब्धि जिला पुलिस ने अभियान चलाकर तकनीकी शाखा की मदद से करीब 22 लाख रुपये के फोन किए बरामद

सरायकेला-खरसावां पुलिस ने लौटाए गुम हुए 109 मोबाइल फोन

सरायकेला के टाउन हॉल में अपने मोबाइल फोन की पहचान करते लोग व महिला को फोन लौटाते एसपी मुकेश लुणायत ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत के निदेर्शानुसार विभिन्न थाना क्षेत्र में चोरी व गुम हुए 109 मोबाइल फोन वास्तविक मालिकों को लौटाए। इसके लिए पुलिस ने कुछ दिनों तक एक विशेष अभियान चलाया था। ये मोबाइल फोन पुलिस अधीक्षक कार्यालय की तकनीकी शाखा के माध्यम से बरामद किए गए थे, जिनका अनुमानित बाजार मूल्य 22 लाख रुपये है।

सरायकेला के टाउन हॉल में गुरुवार को हुए कार्यक्रम में जो फोन लौटाए गए, उसमें आदित्यपुर थाना-04, आरआईटी थाना-07, गम्हरिया थाना-10, कांड्रा थाना-05, सरायकेला थाना-22, सीनी ओपी-02, खरसावां थाना-18, आमदा ओपी-03, कुचाई थाना-06, राजनगर थाना-03, चांडिल थाना-02, कपाली ओपी-02, चौका थाना-06, ईचागढ़ थाना-03, नीमडीह थाना-06 व तिरूलडीह थाना-10 शामिल थे।

जिला पुलिस ने सभी जिलावासियों से अपील की है कि यदि उनका मोबाइल फोन चोरी या गुम हो जाता है तो बिना देरी किए नजदीकी थाना व सीईआईआर पोर्टल पर वांछित जानकारी अपलोड करें।

जानें इसकी प्रक्रिया

सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया इस प्रकार है-

- गुम हुए मोबाईल नं0 को बंद कराते हुए उसी नंबर को संबंधित ISP से चालू करायें ।
- नजदीकी थाना में गुम हुए मोबाईल की सूचना लिखित रूप में दे अथवा JOFS Portal पर शिकायत दर्ज कर शिकायत नंबर प्राप्त करें ।
- तत्पश्चात https://CEIR.gov.in पर जाएं।
- 'ब्लॉक स्टोलेन/ लॉस्ट मोबाइल' विकल्प पर क्लिक करें।
- मोबाइल का आईएमईआई नंबर, मालिक का नाम, मोबाइल नंबर एवं वांछित विवरणी को अपलोड करें।
- आवेदन सबमिट करने के बाद एक रिक्वेस्ट आईडी मिलेगी, जिससे स्टेटस देखा जा सकता है।

पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी से भड़का मुस्लिम समुदाय

मझगांव थाने पर जुटे मुस्लिम समुदाय के लोग ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ फेसबुक आईडी पर आपत्तिजनक टिप्पणी से मझगांव व खरसावां के मुस्लिम समुदाय में खासा आक्रोश है। मझगांव और खरसावां में आक्रोश रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। यही नहीं, खरसावां थाना में 16 सितंबर और मझगांव में 17 सितंबर को मझगांव में शिकायत दर्ज कराई गई। यह प्राथमिकी सरायकेला-खरसावां जिले के खरसावां निवासी संजय सोराक के खिलाफ दर्ज की गई है। मझगांव मुस्लिम अंजुमन इस्लामिया के सदर तबरेज अंसारी और खड़पोस मुस्लिम अंजुमन इस्लामिया के सदर मो. नसीम सहित अन्य ने सामूहिक रूप से थाना में लिखित शिकायत दी। शिकायत में कहा गया कि संजय सोराक ने अपने फेसबुक आईडी से पैगंबर मोहम्मद साहब के बारे में बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की है, जिससे मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली मामले की जांच शुरू कर दी है। समुदाय के लोगों ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पालमपुर के पास में स्थित इन शानदार हिल स्टेशन को बनाएं डेस्टिनेशन पॉइंट, बिताएं सुकून के पल

बहुत कम लोग पालमपुर को हिल स्टेशन मानते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पालमपुर के आसपास में स्थित कुछ शानदार हिल स्टेशन्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप सुकून के कुछ पल बिताने के लिए पहुंच सकते हैं।

पालमपुर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले का एक फेमस और खूबसूरत पहाड़ी शहर है। यह जगह अपनी खूबसूरती के अलावा हरे-भरे चाय के बागानों और धौलाधार पर्वत श्रृंखलाओं के लिए भी जाना जाता है। पालमपुर अपने सुंदर प्राकृतिक दृश्यों के लिए भी जाना जाता है। लेकिन इस शहर को बहुत कम लोग हिल स्टेशन मानते हैं। इसलिए लोग पालमपुर के आसपास हिल स्टेशनों की तलाश करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पालमपुर के आसपास में स्थित कुछ शानदार हिल स्टेशन्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप सुकून के कुछ पल बिताने के लिए पहुंच सकते हैं।

धर्मशाला

अगर आप भी पालमपुर के पास किसी शानदार हिल स्टेशन घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले धर्मशाला का रुख करते हैं। वहीं अगर आप धर्मशाला घूमने जा रहे हैं, तो यहां से करीब 5 किमी दूर स्थित मैक्लोडगंज को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। गर्मियों में यहां पर देश के कोने-कोने से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

मुख्य आकर्षण – भागसू वाटरफॉल, धर्मकोट, धर्मशाला टी गार्डन, बीर बिलिंग

समुद्र तल से करीब 2 हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित बीर बिलिंग हिमाचल प्रदेश का एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह जगह सबसे ज्यादा पैराग्लाइडिंग के लिए जाना जाता है। दुनिया भर से पर्यटक यहां पर पैराग्लाइडिंग के लिए पहुंचते हैं। यहां पर आप पहाड़ों में ट्रेकिंग, हाइकिंग और कैंपिंग का शानदार लुत्फ उठा सकते हैं।

मुख्य आकर्षण – चोकलिंग मठ, गुनेहर वॉटरफॉल, बीर सनसेट पॉइंट, बरोट हिल स्टेशन

बरोट हिल स्टेशन हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में स्थित छिपा खजाना माना जाता है। यहां पर ऊंचे-ऊंचे बादलों से ढके पहाड़, देवदार के बड़े-बड़े पेड़, झील-झरने और घने जंगलों के लिए जाना जाता है। यहां की ठंडी हवाओं में लोग पार्टनर, परिवार और दोस्तों के साथ घूमने के लिए आते हैं। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है।

मुख्य आकर्षण– बरोट मंदिर, लापस वॉटरफॉल, बाडा ग्रान ट्रेक, कुल्लू

कुल्लू हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत जिला और हिल स्टेशन है। बता दें कि यह मंडी-मनाली राजमार्ग पर पड़ता है। कुल्लू अपनी खूबसूरती और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर आपको घास के मैदान, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और झील-झरनों के लिए जाना जाता है। कई पर्यटक वीकेंड पर लोग घूमने के लिए पहुंचते हैं।

मुख्य आकर्षण – फ्रेंडशिप पीक, नग्गर कैसल, भृगु झील

इतिहास, विरासत और हथकरघे की नगरी है चंदेरी

चंदेरी का इतिहास लगभग 11वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है। यह नगर विभिन्न राजवंशों— जैसे प्रतिहार, गुर्जर, सुल्तान, मुग़ल, बुंदेला और मराठा — के अधीन रहा है। यहां की वास्तुकला में हिन्दू, इस्लामी और जैन प्रभावों का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

मध्य प्रदेश की मालवा और बुंदेलखंड की सीमाओं पर बसा चंदेरी (ष्द्धड्ढद्गस्र्द्दह्लद्ध) एक ऐतिहासिक नगर है जो अपने भव्य किलों, प्राचीन स्मारकों, जैन मंदिरों और विश्वप्रसिद्ध चंदेरी साड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यह नगर न केवल इतिहास प्रेमियों, बल्कि कला, संस्कृति और पारंपरिक वस्त्रों के शौकीनों के लिए भी एक आकर्षक पर्यटन स्थल है।

चंदेरी का ऐतिहासिक महत्व

चंदेरी का इतिहास लगभग 11वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है। यह नगर विभिन्न राजवंशों— जैसे प्रतिहार, गुर्जर, सुल्तान, मुग़ल, बुंदेला और मराठा — के अधीन रहा है। यहां की वास्तुकला में हिन्दू, इस्लामी और जैन प्रभावों का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

पारंपरिक व्यापार मार्गों पर स्थित होने के कारण यह नगर व्यापार, विशेष रूप से वस्त्र उद्योग, का एक बड़ा केंद्र रहा है।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. चंदेरी किला

बंदरगढ़ पहाड़ी पर स्थित यह भव्य किला 13वीं शताब्दी में बना था और चंदेरी के इतिहास की रक्षा करता प्रतीत होता है। यहां से पूरे शहर का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। किले में कौशक महल नामक भव्य महल भी है, जिसे मुगल सम्राट जहांगीर के समय में बनवाया गया था।

2. जौरी की मस्जिद और बड़ी मस्जिद

चंदेरी की मस्जिदें अपनी मुगलकालीन वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध हैं। इनका निर्माण 15वीं शताब्दी में किया गया था और ये आज भी अपनी भव्यता और शांति के लिए जानी जाती हैं।

3. कटी घोड़ी

यह दो स्तंभों पर खड़ी एक अनूठी संरचना है, जो देखने में एक घोड़े के कटे हिस्से जैसी प्रतीत होती है। यह चंदेरी की पहचान बन चुकी है।

4. जैन मंदिर और नालगिरी पर्वत

यहां प्राचीन जैन मंदिरों की श्रृंखला है और नालगिरी पर्वत पर स्थित विशाल जैन तीर्थ क्षेत्र एक आध्यात्मिक केंद्र है, जहां भगवान आदिनाथ की विशाल प्रतिमा स्थापित है।

चंदेरी की साड़ियाँ

चंदेरी की पहचान सबसे अधिक उसकी चंदेरी साड़ियों से है। ये साड़ियाँ अपनी हल्के वजन, चमकदार कपड़े और पारंपरिक बूटियों के लिए प्रसिद्ध हैं। रेशम और सूती धागों से बनी ये साड़ियाँ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में लोकप्रिय हैं। चंदेरी शहर के विभिन्न बुनकर मोहल्लों में आज भी पारंपरिक हथकरघा तकनीक से इन साड़ियों का निर्माण होता है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम रेलवे स्टेशन: ललितपुर (36 किमी) और अशोकनगर (38 किमी)

निकटतम हवाई अड्डा: ग्वालियर (200 किमी) और भोपाल (215 किमी)

सड़क मार्ग: चंदेरी झांसी, ललितपुर, शिवपुरी और सागर जैसे शहरों से सड़क द्वारा अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

ठहरने की व्यवस्था

चंदेरी में अब पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई होटल और गेस्ट हाउस उपलब्ध हैं। मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटल भी हैं जो आरामदायक और सुविधाजनक ठहराव प्रदान करते हैं।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

चंदेरी घूमने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच होता है। सर्दियों में मौसम सुहावना रहता है और विरासत स्थलों की यात्रा अधिक सुखद होती है।

चंदेरी एक ऐसा नगर है जहां इतिहास की गलियों में कदम रखते ही समय ठहर जाता है। किले, महल, मस्जिदें, जैन मंदिर और हथकरघे की कला— यह सब मिलकर चंदेरी को एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं। यदि आप भारतीय संस्कृति, शिल्प और इतिहास से रूबरू होना चाहते हैं, तो चंदेरी की यात्रा अवश्य करें।

भीमबेटका: जहां 30,000 साल पुराना इतिहास आज भी जीवंत है

भीमबेटका की गुफाएं करीब 30,000 साल पुरानी मानी जाती हैं और यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में शामिल हैं। यहां की चट्टानों पर बने शैलचित्र प्रागैतिहासिक युग, मिजोलिथिक, नवपाषाण और ऐतिहासिक काल तक फैले हुए हैं।

भारत की धरती प्राचीन सभ्यताओं और सांस्कृतिक धरोहरों से भरपूर है, और मध्य प्रदेश का भीमबेटका (Bhimbetka) इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह स्थल न केवल पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इतिहास, कला और प्रकृति प्रेमियों के लिए भी एक अद्भुत आकर्षण का केंद्र है। भीमबेटका की गुफाएँ मानव सभ्यता की सबसे पुरानी झलकियों में से एक प्रस्तुत करती हैं।

भीमबेटका का इतिहास

भीमबेटका शैलाश्रय समूह भोपाल से लगभग 45 किलोमीटर दक्षिण में रायसेन ज़िले में स्थित है। इसका नाम महाभारत के भीम पात्र से जुड़ा हुआ माना जाता है। कहा जाता है कि यह स्थान पांडवों के वनवास काल के दौरान उनका विश्राम स्थल रहा था।

भीमबेटका की गुफाएं करीब 30,000 साल पुरानी मानी जाती हैं और यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों (UNESCO World Heritage Sites) में शामिल हैं। यहां की चट्टानों पर बने शैलचित्र प्रागैतिहासिक युग, मिजोलिथिक, नवपाषाण और ऐतिहासिक काल तक फैले हुए हैं।

शैलचित्रों की विशेषताएं

भीमबेटका की गुफाओं में पाए जाने वाले चित्र मुख्यत: लाल, सफेद और कभी-कभी पीले और हरे रंग में बने हुए हैं। इन चित्रों में शिकारी, नर्तक, जानवर, युद्ध दृश्य, सामाजिक गतिविधियाँ और धार्मिक प्रतीक शामिल हैं। यह चित्र मानव जीवन के प्रारंभिक स्वरूप, उनकी जीवनशैली और संस्कृति को उजागर करते हैं।

यहां करीब 750 गुफाएँ हैं, जिनमें से लगभग 15-20 को ही आम पर्यटकों के लिए खोला गया है। सबसे प्रसिद्ध गुफा है फ्रज्योति स्थलफ्र, जहाँ मानव आकृतियाँ नृत्य करती हुई दिखाई देती हैं।

पर्यटक अनुभव

भीमबेटका आने वाले पर्यटक एक अनोखे अनुभव का आनंद लेते हैं। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और गुफाओं की जटिल कलाकृति एक अलग ही दुनिया में ले जाती है। जंगलों से घिरे हुए यह शैलाश्रय सतपुड़ा की पहाड़ियों में बसे हुए हैं, जो खुद में एक रोमांचक यात्रा बन जाती है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम हवाई अड्डा: भोपाल (45 किमी)

रेल मार्ग: भोपाल रेलवे स्टेशन सबसे नजदीकी है।

सड़क मार्ग: भोपाल से टैक्सी या बस के माध्यम से आसानी से पहुँचा जा सकता है।

ठहरने की व्यवस्था

भोपाल शहर में पर्यटकों के लिए विभिन्न प्रकार के होटल उपलब्ध हैं — बजट से लेकर लक्ज़री तक। भीमबेटका में ठहरने की सुविधा नहीं है, अत: भोपाल में रुकना अधिक सुविधाजनक होता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

भीमबेटका की यात्रा का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच होता है, जब मौसम सुहावना और यात्रा के अनुकूल होता है।

भीमबेटका केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि यह मानव सभ्यता के उद्भव और विकास की कहानी को जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है। यह उन यात्रियों के लिए एक जरूरी स्थल है, जो इतिहास, संस्कृति और कला में रुचि रखते हैं। एक बार भीमबेटका की यात्रा करना, जैसे समय की सुरंग में प्रवेश कर मानव विकास की प्राचीन यात्रा को प्रत्यक्ष रूप से देखना है।

मिनी पहलगाम के नाम से फेमस है नॉर्थ बंगाल का माझीधुरा, प्रकृति प्रेमियों के लिए है स्वर्ग

दार्जिलिंग और दीघा बीच के अलावा हिमालय की तलहटी में स्थित माझीधुरा एक ऐसी हसीन जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते होंगे। यह जगह अपनी खूबसूरती और शानदार नजारों के कारण मिनी पहलगाम के नाम से भी जाना जाता है।

हिमालय की तलहटी से लेकर बंगाल की खाड़ी तक फैला हुआ पश्चिम बंगाल एक बेहद खूबसूरत और प्रमुख राज्य है। यह राज्य बंगाल की खाड़ी के किनारे में स्थित दीघा, ताजपुर बीच या उदयपुर की खूबसूरती के लिए जाना जाता है। ठीक उसी तरह हिमालय में स्थित सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग और कालिम्पोंग के लिए भी जाना जाता है। दार्जिलिंग और दीघा बीच के अलावा हिमालय की तलहटी में स्थित माझीधुरा एक ऐसी हसीन जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते होंगे। यह जगह अपनी खूबसूरती और शानदार नजारों के कारण मिनी पहलगाम के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको माझीधुरा की खासियत और यहां पर घूमने वाली कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

माझीधुरा

माझीधुरा दार्जिलिंग से करीब 11 किमी दूर पहाड़ी पर स्थित एक शांत और सुरम्य पहाड़ी गांव है। यह जगह दार्जिलिंग से 11 किमी दूर और सिलीगुड़ी से 74 किमी और पश्चिम बंगाल के मिरिक से करीब 7-8 किमी दूरी पर स्थित है।

क्यों फेमस है ये जगह

समुद्र तल से करीब 4 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर स्थित माझीधुरा बंगाल का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। यहां पर आपको चारों ओर हरियाली, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, चाय के बागान देखने को मिलेंगे।

माझीधुरा में अल्पाइन के बड़े-बड़े पेड़, घास के मैदान और झील-झरनों के कारण इस जगह को मिनी पहलगाम के नाम से भी जाना जाता है। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। यह पहाड़ी गांव अपनी स्थानीय परंपरा के लिए भी फेमस है। माझीधुरा को पशु-पक्षियों का घर भी कहा जाता है।

पर्यटकों के लिए है खास

दार्जिलिंग, सिलीगुड़ी और मिरिक जैसे हिल स्टेशनों पर पर्यटकों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। जबकि माझीधुरा शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर न तो गाड़ी हॉर्न और न होटलों में भीड़ दिखाई देगी। यहां पर आपको सिर्फ प्रकृति और ठंडी-ठंडी हवाओं की आवाजें सुनाई देंगी।

माझीधुरा अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए भी जाना जाता है। यहां पर सुकून के पल बिताने के लिए पर्यटक कैंपिंग, ट्रैकिंग और हाईकिंग का लुत्फ उठाते हैं। माझीधुरा में गर्मी से लेकर सर्दी तक में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

एक प्राकृतिक समाधान और पर्यावरण के रक्षक

भारत में जब भी रामायण के सीता, राम और रावण की बात होती है, तभी रामायण में वर्णित एक अहम पात्र जटायु (गिद्ध) का नाम आना निश्चित है। रामायण में जटायु को एक शक्तिशाली चरित्र के रूप मे दशार्या गया है, जिसका आकार अन्य पक्षियों के परिपेक्ष्य में बड़ा और सामाजिक चेतना का है। ठीक ऐसे ही फारसी समुदाय के दगमा या टावर ऑफ साइलेंस के रीति-रिवाज में गिद्धों की अहम भूमिका रहती है। मिस्त्र (ईजिप्ट) के पौर मान्यताओं में नेख्बेत को उत्तरी मिश्र की देवी के रूप में अग्रिम दर्जा दिया गया है, जो गिद्ध का ही एक प्रतिरूप है। न सिर्फ पौराणिक कथाओं और धार्मिक मान्यताओं में, बल्कि आधुनिक वैश्वीकरण में भी गिद्धों के नाम, चिह्न और उनकी पैनी एवं दूरदर्शी नजरों का प्रयोग वस्तुओं और शिल्प-व किया जाता रहा है। विभिन्न भाषाओं, धार्मिक मान्यताओं और स्थानीय दंत कथाओं में जटायु या गिद्धों की चर्चा अनेक रूपों में होती आई है। प्रकृति में इन्हें मानविक चेतन आधार पर उत्तरीण सफाई कर्मी का दर्जा दिया जाता रहा है। मृत पशुओं के सड़े-गले मांस का कुशलता से निपटान करना और उसके फलस्वरूप फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम में गिद्ध अग्रणीय हैं। पूरे विश्व भर मे गिद्धों की कुल 23 प्रजातियां पाई जाती है, जिनमे से भारत में गिद्धों की सभी प्रजातिया देखने को मिलती हैं। गिद्धों की इन 9 प्रजातियों में से तीन प्रजातियां विदेशों से भारत में उत्तम भोजन, ठहराव और प्रजनन के लिए आते हैं। शेष 6 प्रजातियों ने भारत को अपने स्थायी ठिकाने के रूप मे स्वीकार किया है। बुजुर्गों के अनुसार, गिद्ध सालों भर गांव के बाहर कूड़े एवं फेंके गए मृत पशुओं के शवों के ऊपर मंडराते हुए दिख जाया करते थे, मगर आज बेहद कम संख्या में दिखते हैं। बीते काल से ही गिद्धों को अन्य पक्षियों के मुकाबले कम ही आदर मिलता आया है। गिद्धों के मुदाखोंर होने की इनके लिए एक अलग दृष्टिकोण बना रहा। हमारे समाज में कुछ जातियां एवं समुदाय जो मृत पशुओं का खाल निकालने के काम किया करती हैं, सबसे पास उन्होंने ही देखा। इन समुदायों के बुजुर्गों से बातचीत में पता चलता है की अभी के समय में गिद्धों की संख्या के भरी गिरावट आई है। 1990 के दशक के मध्य में अकास्मिक ही गिद्धों की संख्या में 99 फीसद की गिरावट आ गई और कई वैज्ञानिक शोध से ये भी सामने आया है की गिद्धों की संख्या में गिरावट का मूल कारण उस वक्त इस्तेमाल होने वाले केमिकल डाइक्लोफेनाक का पशु उपचार में भागीदार होना था। डाइक्लोफेनाक मूलभूत रूप से एक दर्दनाशक दवाई है, जो पशुओं को पीड़ा से मुक्ति देने के लिए इस्तेमाल की जाती रही है। हालांकि गिद्ध सड़े-गले मांस को पचाने में सामर्थ थे, परंतु यह रसायन उनके अंदरूनी संरचना और पाचन अंगों के लिए विषाक्त साबित हुए और इसके फलस्वरूप गिद्धों की संख्या मे भारी गिरावट आई। डाइक्लोफेनाक का उपचार मवेशियों को दर्दनाशक के रूप में दिया जाता है, लेकिन जिन मवेशियों के उपचार के उपरांत भी मृत्यु हो जाती है, उनके मृत शरीर में या रसायन लगभग 2 से 3 दिनों तक रहता है। इन मृत मवेशियों के शवों को गिद्धों द्वारा खाये जाने पर यह रसायन गिद्धों के पाचन क्रिया तक पहुंचती है एवं उन्हे हानी पहुंचती है। लगभग 3 से 4 दिनों तक खाना न पचा पाने और भूखे होने की स्थिति में इनकी मृत्यु हो जाती है। मौजूदा समय मे बढ़ती नई बीमारियां, हर व्यक्ति के जीवन के एक गहरा प्रभाव छोड़ रहा है। बढ़ती जनसंख्या और उससे पड़ने वाले दबाव से परिस्थितिकी तंत्र का हाल बेहाल होने अब स्पष्ट होने लगा है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी पशुपालन चलन में है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगभग 52 करोड़ मवेशी, बकरी, भेड़ का दोहन होता है। जंगलों में मिलने वाले भोजनों के अलावा गिद्ध आमतौर पर गांव अथवा शहरों के बाहर फेंके जाने वाले मृत पशुओं पर निर्भर होते हैं। मुदाखोंरों के आभाव में मृत पशुओं के शव, विभिन्न प्रकार के रोगों एवं विकारों का घर बन जाता है। इन सड़ते शवों से जुनोटिक बीमारियों का खतरा बना रहता है। जुनोटिक बीमारियां संक्रामक रोगों का प्रकार है जो खुले मे सड़े-गले मांस से फाइल सकती है, जिसका सीधा असर मानव स्वस्थ पर पड़ सकता है। गिद्धों की गैर मौजूदगी में कुत्ते और जंगली सूअर इन मृत शवों को खाते हैं, ऐसे में रेबीज जैसी बीमारियों मे भी बढ़ौतरी देखी जा सकती है, जो एक सामाजिक चर्चा का विषय है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा की गिद्ध से हम और हम गिद्धों से प्रभावित होते हैं। गिद्ध न सिर्फ अपने काम में कुशल अभियंता के रूप में काम करते हैं, बल्कि इस काम में गिद्धों के अलावा विकल्प ढूंढ पाना भी मुश्किल है। कुत्ते, कौए, बगुले, एवं सूअर जैसे अन्य जीवों की तुलना में गिद्ध मानवीय गतिविधियों से दूरी बनाए रखते हैं एवं अपने घोंसलों को भी एकांत जगहों पर बनाना पसंद करते हैं। गिद्धों की संख्या में आई गिरावट ने भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों पर गहरा असर डाला है। लेकिन, पिछले दो दशकों में किए गए कई प्रयासों ने उम्मीदें फिर से जगाई हैं। वैज्ञानिक शोधों और लोगों से प्राप्त ज्ञान के आधार पर भारत सरकार द्वारा 2006 में डाइक्लोफेनाक पर प्रतिबंध लगाया गया और अब मेलोक्सिकैम जैसी गिद्धों के लिए सुरक्षित दवाओं के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह कदम गिद्धों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। हालांकि आज भी देश के कई जगहों में गिद्धों के लिए हानिकारक दवाओं का गुप्त रूप से प्रयोग जारी है। इसी तरह भारत सरकार ने 2020-2025 के लिए राष्ट्रीय गिद्ध संरक्षण और प्रजनन योजना (गिद्ध कार्य योजना-वल्चर एक्शन प्लान 2020-2025) लागू की है, जिसके अंतर्गत सुरक्षित केंद्र, विचर सेफ जोन और प्रजनन केंद्र स्थापित किए गए हैं। कई गैर सरकारी संगठन भी स्थानीय स्तर पर ग्रामीण समुदायों के साथ मिलकर गिद्धों के घोंसले और भोजन स्थलों की रक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं।

2035 तक अपना अंतरिक्ष स्टेशन और गगनयान मिशन

ANALYSIS

✍ डॉ. जितेंद्र सिंह

हाल के समय में मायोजेनेसिस जैसे प्रयोगों ने भी यह सिद्ध किया है कि अंतरिक्ष अनुसंधान केवल आकाश तक सीमित नहीं, बल्कि धरती पर मानव स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता सुधारने के लिए भी अहम है। मांसपेशियों के क्षय और पुनर्जन्म पर किए गए अध्ययन मधुमेह, कैंसर और फ्रैक्चर जैसी समस्याओं से जूझ रहे रोगियों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं। भारत ने 2035 तक अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। हमारा यह लक्ष?य सिर्फ तकनीकी प्रगति तक ही सीमित नहीं है, आज यह राष्ट्रीय संकल्प का भी परिचायक है। जब यह स्टेशन स्थापित होगा तो भारत वैश्विक अंतरिक्ष अनुसंधान में न केवल साझेदार होगा, बल्कि एक नेतृत्वकारी भूमिका निभाएगा। इस स्टेशन का महत्व केवल वैज्ञानिक प्रयोगों तक सीमित नहीं रहेगा। यह हमारे सामरिक हितों की सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र की मजबूती और वैश्विक शक्ति संतुलन में भारत की स्थिति को भी परिभाषित करेगा। प्रधानमंत्री ने सुदर्शन सुरक्षा चक्र की जिस परिकल्पना का उल्लेख किया है, उसमें अंतरिक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अंतरिक्ष स्टेशन और मानव मिशनों के सफल संचालन के लिए हमें सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर जैसी तकनीकों में आत्मनिर्भर होना पड़ेगा।

एक समय था, जब हम अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में केवल अनुयायी माने जाते थे, लेकिन आज स्थिति बिल्कुल बदल चुकी है। भारत न केवल आत्मनिर्भर है, बल्कि वैश्विक साझेदारियों में समान भागीदार बन चुका है। आने वाले वर्षों में गगनयान मिशन और 2035 तक प्रस्तावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, हमारी अंतरिक्ष यात्रा को नई दिशा और नया आयाम देने वाले हैं। देखा जाए तो यह गगनयान मिशन केवल एक तकनीकी उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि यह भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। जब हमारे अंतरिक्ष यात्री सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रेविटी) की परिस्थितियों में प्रयोग करेंगे, तो उसका लाभ पृथ्वी पर भी पहुंचेगा। चाहे वह कृषि हो, जीवन विज्ञान हो या चिकित्सा क्षेत्र, इन प्रयोगों से हमें ऐसे नए निष्कर्ष मिलेंगे जो करोड़ों लोगों के जीवन को आसान बना सकते हैं। हाल के समय में मायोजेनेसिस जैसे प्रयोगों ने भी यह सिद्ध किया है कि अंतरिक्ष अनुसंधान केवल आकाश तक सीमित नहीं, बल्कि धरती पर मानव स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता सुधारने के लिए भी अहम है। मांसपेशियों के क्षय और पुनर्जन्म पर किए गए अध्ययन मधुमेह, कैंसर और फ्रैक्चर जैसी समस्याओं से जूझ रहे रोगियों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं। भारत ने 2035 तक अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। हमारा यह लक्ष?य सिर्फ तकनीकी प्रगति तक ही सीमित नहीं है, आज यह राष्ट्रीय संकल्प का भी परिचायक है। जब यह स्टेशन स्थापित होगा तो भारत वैश्विक अंतरिक्ष अनुसंधान में न केवल साझेदार होगा, बल्कि एक नेतृत्वकारी भूमिका निभाएगा। इस

स्टेशन का महत्व केवल वैज्ञानिक प्रयोगों तक सीमित नहीं रहेगा। यह हमारे सामरिक हितों की सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र की मजबूती और वैश्विक शक्ति संतुलन में भारत की स्थिति को भी परिभाषित करेगा। प्रधानमंत्री ने सुदर्शन सुरक्षा चक्र की जिस परिकल्पना का उल्लेख किया है, उसमें अंतरिक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अंतरिक्ष स्टेशन और मानव मिशनों के सफल संचालन के लिए हमें सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर जैसी तकनीकों में आत्मनिर्भर होना पड़ेगा। आज दुनिया जान चुकी है कि सेमीकंडक्टर केवल इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग तक सीमित नहीं हैं। अंतरिक्ष मिशनों में उनकी भूमिका उतनी ही महत्वपूर्ण है। इसी तरह, एआई आधारित प्रणाली और ऊर्जा संसाधनों का बेहतर उपयोग लंबे समय तक चलने वाले अभियानों के लिए अनिवार्य होगा। यहां यह कहना सही होगा कि भारत का सेमीकंडक्टर मिशन केवल धरती पर डिजिटल क्रांति को गति नहीं देगा, बल्कि यह अंतरिक्ष अभियानों को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा। इसी प्रकार छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर न केवल पृथ्वी पर ऊर्जा संकट का समाधान देंगे, बल्कि भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशन के लिए भी ऊर्जा स्त्रोत बनेंगे। यह एक भ्रम है कि अंतरिक्ष अनुसंधान केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा की तुष्टि के लिए होता है। वास्तविकता यह है कि अंतरिक्ष प्रयोगों के निष्कर्ष सीधे धरती पर मानव जीवन के लिए उपयोगी होते हैं। लंबे समय तक स्क्रीन के संपर्क के प्रभाव का अध्ययन, माइक्रोग्रेविटी में पौधों की खेती, पुनयोर्जी जीव विज्ञान के प्रयोग, ये सभी आज की दुनिया में बेहद प्रासंगिक हैं। उदाहरण के लिए माइक्रोग्रेविटी में मेथी उगाने के प्रयोग न केवल अंतरिक्ष यात्रियों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे, बल्कि यह कृषि अनुसंधान के लिए भी नई दिशा देंगे। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और खाद्य संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब ऐसे प्रयोगों का महत्व और भी बढ़ जाता है। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र अब केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहा है। पिछले कुछ वर्षों में लगभग 400 स्टार्टअप्स इस क्षेत्र में सक्रिय हो चुके हैं। ये स्टार्टअप्स न केवल रॉकेट लॉन्च कर रहे हैं, बल्कि मैपिंग, स्मार्ट सिटी विकास, कृषि, टेलीमेडिसिन और उपग्रह संचार जैसे क्षेत्रों में भी नवाचार ला रहे हैं। सरकार ने हाल ही में 1000 करोड़ रुपये का वेंचर कैपिटल फंड मंजूर किया है, जो इन स्टार्टअप्स को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद करेगा। अंतरिक्ष अब युवाओं के लिए आकर्षक करियर विकल्प बन चुका है। एक समय था जब एयरोस्पेस इंजीनियरिंग को केवल एक विशिष्ट शाखा माना जाता था, लेकिन आज यह आईआईटी जैसे संस्थानों में सबसे अधिक मांग वाला विषय बन चुका है। भारत ने आने वाले पांच वर्षों में 52 जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बनाई है। यह योजना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज युद्ध केवल जमीन और आसमान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अंतरिक्ष भी उसका अभिन्न हिस्सा बन चुका है। उपग्रहों से मिली जानकारी हमारी सामरिक तैयारी को मजबूत करती है और सीमा पर तैनात सैनिकों को वास्तविक समय में मदद पहुँचाती है। ऐसे में इन-स्पेस जैसी संस्थाएं यह सुनिश्चित करती हैं कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी के बावजूद सुरक्षा से कोई समझौता न हो। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देकर इस क्षेत्र को उदार बनाया गया है, लेकिन साथ ही कड़े विनियमन भी बनाए रखे गए हैं। यह संतुलन ही भारत को नवाचार और सुरक्षा दोनों मोर्चों पर सफल बनाता है। यहां हम सभी के लिए यह भी ध्?यान देने योग?य है कि आज जब चीन अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित कर चुका है और अमेरिका-रूस दशकों से इस क्षेत्र में सक्रिय हैं, ऐसे समय में भारत का प्रवेश केवल वैज्ञानिक महत्व का नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक दृष्टि से भी निर्णायक है। गगनयान मिशन और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन हमें अंतरराष्ट्रीय मानवयुक्त मिशनों में सहभागी बनाएंगे। आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष पर्यटन का भी दौर शुरू होने वाला है। जैसे-जैसे यह क्षेत्र व्यवहार्य होगा, भारत के पास डॉकिंग, सर्विसिंग और पर्यटन से जुड़े बुनियादी ढांचे का निर्यात करने का अवसर होगा। इससे न केवल हमारी तकनीकी विशेषज्ञता बढ़ेगी, बल्कि विदेशी मुद्रा अर्जन के नए रास्ते भी खुलेंगे। भारत ने 2033 तक वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में आठ प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा है। फिलहाल हमारी अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था लगभग आठ अरब डॉलर की है, लेकिन अगले दशक में इसके 40-45 अरब डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है। यह वृद्धि न केवल हमारी अर्थव्यवस्था को नई गति देगी, बल्कि हमें विश्व मंच पर एक सशक्त खिलाड़ी भी बनाएगी। गगनयान मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, चंद्रमा पर मानव मिशन और निजी-सरकारी साझेदारी से उभरती अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था, ये सभी भारत को उस मुकाम तक ले जाएंगे जहां से वह विश्वगुरु बनने की दिशा में एक और निर्णायक कदम बढ़ा सकेगा। भारत का अंतरिक्ष भविष्य केवल विज्ञान या तकनीक तक सीमित नहीं है। यह हमारे आत्मविश्वास, हमारी युवा शक्ति, हमारी महिला वैज्ञानिकों और हमारी सामूहिक आकांक्षा का प्रतिबिंब है। आज हम कह सकते हैं कि 21वीं सदी के तीसरे दशक में भारत की सबसे बड़ी पहचान उसका अंतरिक्ष कार्यक्रम ही होगा।

मोदी सरकार और जीएसटी सुधार

कर सुधार किसी भी राष्ट्र की आर्थिक दिशा और विकास की गति तय करते हैं। भारत जैसे विशाल और विविधता भरे देश में कर ढांचा हमेशा से बहस और सुधार का विषय रहा है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद भी यह शिकायत लगातार बनी रही कि कर संरचना जटिल है और आम आदमी से लेकर छोटे कारोबारियों तक सबके लिए यह बोझिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रबंधन में अब यह तस्वीर बदल रही है। हाल ही में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों से जीएसटी को सरल, पारदर्शी और आमजनहितकारी स्वरूप दिया गया है, जिसने करोड़ों भारतीयों को राहत की नई उम्मीद दी है। मोदी सरकार ने चार स्लैब की जटिलता खत्म कर केवल दो दरों- 5% और 18% को लागू किया है। रोजमर्रा की वस्तुएं, स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा टैक्स से मुक्त कर दी गई हैं। वहीं तंबाकू और लग्जरी वस्तुओं पर 40% कर लगाया गया है। यह कदम बताता है कि सरकार की प्राथमिकता गरीब और मध्यम वर्ग की जेब पर बोझ घटाना है, जबकि अपव्ययकारी उपभोग और अस्वस्थ आदतों को हतोत्साहित करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में यह वादा किया था कि देशवासियों को दिवाली से पहले नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स का तोहफा मिलेगा। आज यह वादा हकीकत बन चुका है। उन्होंने इसे ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे किसान, मध्यम वर्ग, महिला, युवा और छोटे व्यवसाय सभी को लाभ होगा। नए बदलाव का सबसे बड़ा असर आम परिवारों की जेब में महसूस होगा। अब दूध, रोटी, पिज?जा ब्रेड, पराठा, छेना जैसी आवश्यक खाद्य वस्तुओं पर कोई कर नहीं लगेगा। जीवन रक्षक दवाओं और दुर्लभ बीमारियों की दवाओं को भी टैक्स से मुक्त किया गया है। इससे लाखों परिवारों को स्वास्थ्य खर्च के बोझ से बड़ी राहत मिलेगी। बीमा सेवाओं को जीएसटी से मुक्त करने का असर व्यापक होगा। पहले स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर 18% जीएसटी लागू होता था, जिससे प्रीमियम महंगा हो जाता था। अब यह हट जाने से बीमा हर वर्ग की पहुंच में आएगा और स्वास्थ्य सुरक्षा का दायरा व्यापक होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट कहा कि व्यक्तिगत जीवन बीमा पॉलिसी, चाहे वह टर्म लाइफ हो, यूलिप हो या एंडोमेंट पॉलिसी, और सभी व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों पर अब कोई जीएसटी नहीं लगेगा। कहना होगा कि यह कदम प्रधानमंत्री मोदी की उस दृष्टि को पुष्ट करता है, जिसमें हर भारतीय परिवार को आर्थिक और स्वास्थ्य सुरक्षा देने का संकल्प शामिल है। जहां आम आदमी को राहत दी गई है, वहीं सरकार ने तंबाकू, पान मसाला, बड़ी कारें, यॉट और हेवी मोटरसाइकिलों पर 40% कर लगाकर स्पष्ट संदेश दिया है। यह केवल राजस्व संग्रह बढ़ाने का प्रयास नहीं है, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी भी है कि विलासिता और अस्वास्थ्यकर उत्पादों पर कर बोझ बढ़ेगा। यह दृष्टिकोण मोदी सरकार की उस नीति को रेखांकित करता है, जिसमें गरीब और मध्यम वर्ग की जरूरतें सर्वोपरि हैं। अमीर वर्ग को राहत देने की बजाय सामाजिक संतुलन और आर्थिक न्याय पर ध्यान केंद्रित करना ही सरकार का मूल संदेश है। भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ छोटे और मझोले व्यवसाय (एमएसएमई) हैं। पहले जटिल जीएसटी ढांचे के कारण इन्हें अनुपालन में कठिनाई होती थी। अब केवल दो स्लैब होने से टैक्स प्रणाली सरल होगी, व्यापारियों का विश्वास बढ़ेगा और कारोबार करना आसान होगा। इससे व्यापार करने में आसानी को बल मिलेगा, छोटे व्यापारियों की लागत घटेगी और नए रोजगार सृजित होंगे। प्रधानमंत्री मोदी का वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत का आह्वान इन्हीं सुधारों से वास्तविक ताकत प्राप्त करता है। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था संरक्षणवाद और टैरिफ युद्धों से प्रभावित है। ऐसे समय में भारत ने घरेलू खपत को बढ़ावा देने की रणनीति अपनाई है। फिच सॉल्यूशंस की बीएमआई रिपोर्ट के अनुसार, इन सुधारों से खपत में लगभग 5.31 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि होगी, जो जीडीपी का 1.6% है। यह केवल कर सुधार नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में निर्णायक कदम है। आंतरिक मांग पर आधारित विकास रणनीति से बाहरी झटकों का असर सीमित होगा और भारत विश्व अर्थव्यवस्था में स्थिर और मजबूत भागीदार बनेगा। भारत ने 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य तय किया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद कर प्रणाली अत्यंत आवश्यक है। नए जीएसटी सुधार विदेशी निवेशकों के लिए भारत को और आकर्षक बनाएंगे। दूसरी ओर घरेलू खपत बढ़ने से जीडीपी में तेजी आएगी। उम?मीद करें कि केंद्र-राज्यों के बीच सहमति से लागू यह सुधार संघीय ढांचे की मजबूती का प्रमाण बनेंगे। 56वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने 12% और 18% वाले स्लैब खत्म कर दिए। कई दवाओं और मेडिकल उपकरणों पर जीएसटी घटाकर 5% कर दिया गया। 33 जीवन रक्षक दवाओं को पूरी तरह जीएसटी मुक्त कर दिया गया, जिनमें कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में उपयोगी दवाएं शामिल हैं। मेडिकल ऑक्सीजन, थमार्मीटर, डायग्नोस्टिक किट, ग्लूकोमीटर और चश्मों पर भी टैक्स घटाकर 5% कर दिया गया। यह निर्णय स्वास्थ्य क्षेत्र को किफायती और सुलभ बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। सीतारमण ने यह भी कहा कि इंश्योरेंस और हेल्थकेयर से जुड़े सुधार आम आदमी की जेब में सीधी राहत देंगे और बीमा कवरेज का दायरा व्यापक बनाएंगे।

Social Media Corner

सच के हक में...

नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री श्रीमती सुशीला कार्की के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। हाल ही में हुई दुखद जनहानि पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। साथ ही, मैंने उन्हें और नेपाल की जनता को कल उनके राष्ट्रीय दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

दिल्ली वालों को शर्मिंदा करने वाले बड़े-बड़े कूड़े के पहाड़ से मोदी सरकार बिजली बना रही है। घुसपैठिया बचाओ यात्रा निकालने वाले राहुल बाबा घुसपैठियों के दम पर चुनाव जीतना चाहते हैं। देश को सुरक्षित, आर्थिक रूप से सुदृढ़ और गरीबों को सुविधा सम्पन्न बनाने के लिए देश मोदी जी को हमेशा याद रखेगा।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

राहुल गांधी का कथित 'हाइड्रोजन बम' पूरी तरह से फुस्स साबित हुआ है। जनता का विश्वास खो चुकी कांग्रेस अब देश की संवैधानिक संस्थाओं और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर आरोप लगाकर अराजकता फैलाने की कोशिश कर रही है। विदेशी शक्तियों के हाथ की कठपुतली बने राहुल गांधी अपने नापाक मंसूबों में कभी सफल नहीं हो पाएंगे। उनकी हालत अब खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे जैसी हो गई है।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

कौशल वाली शिक्षा ही बनाएगी देश को अग्रणी

भारत विश्व की सबसे युवा जनसंख्या वाला देश है, जहां 65 प्रतिशत से अधिक नागरिक 35 वर्ष से कम आयु के हैं। यह जनसांख्यिकीय लाभांश भारत की आर्थिक प्रगति को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखता है। हमारे युवा तेज तर्रार हैं, लेकिन उनका आत्मविश्वास अक्सर नौकरी के मैदान में ठहर जाता है, क्योंकि उन्हें व्यावहारिक कौशल की कमी महसूस होती है। असल सवाल यही है कि क्या केवल डिग्री लेकर हम इस अवसर को भुना पाएंगे या फिर हमें दक्षता और व्यावसायिक योग्यता की ओर गंभीरता से बढ़ना होगा। दुर्भाग्य से 2025 तक की तस्वीर बताती है कि देश के केवल सात प्रतिशत युवा ही औपचारिक कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर पाते हैं। जर्मनी, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में यह अनुपात 70 से 90 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। यही वजह है कि वहां के युवाओं की रोजगार क्षमता और उत्पादकता भारत की तुलना में कहीं अधिक है। यह अंतर भारत के लिए गंभीर संकट का संकेत है। डिग्रियों से लैस युवाओं की बेरोजगारी इस खाई को साफ दिखाती है। हमारे विश्वविद्यालयों से हर साल लाखों छात्र निकलते हैं, लेकिन उनमें से बड़ी संख्या ऐसी होती है, जिनके पास न तो उद्योगों की अपेक्षाओं के अनुरूप तकनीकी दक्षता होती है और न ही आधुनिक कार्यस्थल के अनुकूल साफ स्किल्स। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और श्रम मंत्रालय के अनुसार, लगभग 40 प्रतिशत स्नातक युवाओं के पास रोजगार पाने के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल ही नहीं है। इसका अर्थ यह हुआ कि डिग्री और नौकरी के बीच जो सेतु होना चाहिए था, उसे हमारी शिक्षा और प्रशिक्षण व्यवस्था ने खड़ा ही नहीं किया। 2024 में एक औद्योगिक शहर में किए गए सर्वेक्षण ने इस तस्वीर को और स्पष्ट कर दिया। 10 हजार युवाओं में से केवल 12 प्रतिशत ने औपचारिक प्रशिक्षण लिया था और उनमें से भी अधिकतर को उम्मीद के अनुसार रोजगार नहीं मिला। यह केवल बेरोजगारी की कहानी नहीं है, बल्कि प्रशिक्षण तंत्र की कमजोरी का आईना है। हमारे औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रशिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। मशीनें पुरानी हैं, पाठ्यक्रम दशकों पुराने हैं और प्रशिक्षण पद्धति में न तो आधुनिक तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल है और न ही उद्योगों की मांग का ध्यान रखा जाता है। ऊपर से समाज में व्यावसायिक शिक्षा को अब भी दूसरे दर्जे की पढ़ाई माना जाता है। परिणाम यह होता है कि डिग्रीधारी छात्र भी नौकरी की कसौटी पर खरे नहीं उतर पाते। सरकार ने इस संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना और राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन जैसी पहल की हैं। कागज पर ये योजनाएं बहुत आकर्षक दिखती हैं। इनका मकसद युवाओं को उद्योग-अनुकूल प्रशिक्षण देना और स्वरोजगार के लिए तैयार करना है। हालांकि जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी कहती है। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 30 प्रतिशत प्रशिक्षित युवाओं को प्रशिक्षण के बाद भी रोजगार नहीं मिला और जिन्हें मिला वे अधिकतर अस्थायी और कम वेतन वाली नौकरियों में सिमट गए। यह इस बात का सुबूत है कि केवल प्रमाणपत्र थमा देना समाधान नहीं है। प्रशिक्षण की गुणवत्ता और उसका उद्योगों से जुड़ाव ही असली सफलता तय करेगा। ग्रामीण भारत में यह समस्या और गहरी है। अधिकतर योजनाएं शहरी और अर्ध शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित हैं। गांवों में प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या बहुत कम है। डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी और तकनीकी साक्षरता की खाई के कारण पूरी तरह कारगर नहीं हो पाते। गांव का युवा चाहकर भी शहर जाकर प्रशिक्षण नहीं ले पाता, क्योंकि वहां पहुंचने के लिए न साधन होते हैं, न संसाधन। इस असमानता को मिटाए बिना भारत का कौशल संकट दूर नहीं होगा। दुनिया के सफल अनुभव बताते हैं कि यह स्थिति बदली जा सकती है। जर्मनी का डुअल एजुकेशन सिस्टम इसका उत्कृष्ट उदाहरण है।

नई पौध

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पर्यावरण ऑडिट नियम 2025 नाम के नियमों का एक सेट लागू किया है। नियमों का यह गुच्छा पर्यावरण संबंधी निगरानी और ऑडिट की महत्वपूर्ण गतिविधि को राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के अधिकार क्षेत्र से परे जाने की इजाजत देता है। इन नियमों के तहत मुख्य रूप से इस बात की जांच की जाएगी कि औद्योगिक इकाइयां पर्यावरण संबंधी विनियमन का अनुपालन कर रही हैं या नहीं। पर्यावरण से संबंधित मौजूदा ढांचे के भीतर निगरानी और अनुपालन से जुड़े समग्र ढांचे को वर्तमान में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालयों और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों व प्रदूषण नियंत्रण समितियों द्वारा समर्थित किया जाता है। हालांकि इन निकायों को जनशक्ति, संसाधन, क्षमता और बुनियादी ढांचे के मामले में महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। पर्यावरण मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस वक्तव्य में कहा गया है, इन सीमाओं की वजह से देश भर में संचालित बड़ी संख्या में परियोजनाओं और उद्योगों में पर्यावरण संबंधी अनुपालन की व्यापक निगरानी एवं क्रियान्वयन करने की उनकी क्षमता बाधित हुई है। इस उपाय का मकसद नियामक प्राधिकरणों के समक्ष आने वाली जनशक्ति और बुनियादी ढांचे की कमी को पूरा करना है, जिससे पर्यावरण संबंधी अनुपालन तंत्र के प्रभावी कार्यान्वयन को मजबूती मिलेगी। नए नियमों के तहत खुद निजी एजेंसियों को बतौर ऑडिटर का दर्जा मिल सकता है। चार्टर्ड एकाउंटेंट की तरह ही, पर्यावरण ऑडिटर भी लाइसेंस हासिल कर सकते हैं और विभिन्न परियोजनाओं के पर्यावरण से जुड़े कानूनों के अनुपालन और प्रदूषण की रोकथाम, नियंत्रण तथा शमन से जुड़ी सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के अनुपालन का मूल्यांकन करने के लिए अधिकृत हो सकते हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Nepal's lesson: Use youth fury for renewal

The recent convulsion in Nepal began as a backlash against a social media ban and rapidly became something far larger—a Gen Z eruption that struck at the symbols of state and elite power, left scores dead, and ended with the prime minister's resignation and the army moving into the capital to restore order. Reports showed protesters breaching and setting fire to government installations and homes of senior leaders—an intensity and a degree of targeted action that reads less like improvisation and more like careful preparation, while the intelligence community's inability to foresee the build-up remains puzzling.

In Kathmandu's compact political geography, the police's apparent retreat from key posts and the delayed arrival of specialised units created a vacuum the uprising filled; by then, the spectacle of elite residences and state buildings under attack had already rewritten the political map. A resigned police and army attitude is a blessing at times, as it was here because it helped dilute the anger.

What we are watching is not simply the recycling of old grievances, but the emergence of a new template of dissent. Gen Z operates differently—decentralised digital natives organised through viral content, encrypted chats, and ad hoc collectives rather than through political parties or charismatic hierarchies. The movement's leaderless mechanics—nobody to arrest to decapitate the revolt, no single body to negotiate with—recall political scientist Gene Sharp's ideas on decentralised resistance, now updated with social media as the organising architecture. That very structure is liberating for protesters and destabilising for states, because it makes pre-emptive intelligence harder and reactive governance clumsier.Alongside domestic dynamics, the suspicion of an 'external hand' inevitably surfaces; earlier South Asian episodes also prompted similar accusations without conclusive proof. The more productive question is which external powers materially benefit from an unstable Kathmandu—gaining diplomatic leverage, economic foothold, or a security advantage. For now, the winners are domestic: the youth succeeded in toppling a premier, forced policy reversals, and demonstrated quasi-political capability. Allegations at this stage would be conjecture.Turning to Pakistan, a likely candidate for such an upheaval, the parallels are sobering and instructive. Pakistani media is increasingly haunted by the prospect of political failure compounded by economic collapse and social erosion. Repetitive natural disasters are adding to the misery. The macroeconomic stress is well documented. The social picture accelerates the anxiety. Pakistan's precipitous ranking at the bottom of the World Economic Forum's Global Gender Gap report has provoked widespread commentary about the debilitating costs of gender inequality on development, social justice, and human security.Pakistani op-eds often frame the country's dilemma as a triple bind. First, economic stress that deepens grievance. Second, a public sphere awash in identity politics and ideological religiosity. And third, the lack of pragmatic problem-solving and institutions that fail to deliver basic services or protect minorities and women. The result is a rising social frustration that bears an uncomfortable similarity to the grievances that fuelled Nepal's uprising. Add to that a media environment where certain channels and commentators amplify sectarian or ideologically rigid frames that increase the lethality.The comparison with post-Arab Spring cycle of events is an uncomfortable, but useful, mirror. In Egypt, the popular upheaval led to the election of an Islamist government, which itself collapsed a year later under mass protest and military intervention—a process that devolved into a harsh, polarised settlement.

Plug the leaks to reduce flood risk

Punjab should take a cue from Odisha's model, which lays stress on empowering local bodies

FLOODWATER has started receding in Punjab, but the calamity is not yet over. It was one of the worst flood disasters in recent decades, affecting all 23 districts and impacting nearly two million people in over 2,000 villages. Lakhs of people have been displaced, and more than 50 have died in flood-related incidents.Clearly, the agricultural sector has suffered the most, with over 1.7 lakh hectares of farmland submerged. Crops have been damaged, and lakhs of livestock and poultry birds have been left without fodder and shelter. The damage to houses and other infrastructure in villages is massive.

The post-flood situation is more challenging. Health and agricultural rehabilitation are the most immediate tasks. The stagnant water increases mosquito-breeding, leading to malaria, dengue and chikungunya. Water-borne diseases like typhoid, diarrhoea and hepatitis can spike if drinking water remains contaminated. The risk of snakebites has also increased. Since large tracts of farmland are under silt and sand, land would need proper reclamation measures before the next sowing season. The crop cycle, too, has been disrupted due to the loss of standing paddy and delayed sowing of wheat.

While crop damage is visible and immediate steps are needed to help farmers, the authorities should not neglect long-term damage caused to the health and education infrastructure in the state. Floodwater has left 1,280 dispensaries and health and wellness centres, over 100 community health centres and 31 sub-divisional hospitals under water, disrupting essential services and damaging equipment worth several hundred crores of rupees. This is a double whammy. The healthcare delivery has been hampered when it is needed the most to prevent the outbreak of diseases.The damage to the education sector is widespread. About 3,300 government and private schools have either been impacted in various districts. Floods forced their closure, and some of them are so damaged that they will not be able to function for some more time, particularly in the worst-affected areas in Gurdaspur, Ferozepur and Fazilka. School buildings have suffered structural damage in many cases. All this is bound to disrupt the studies of thousands of children.The State Disaster Management Plan (SDMP) of Punjab recognises flood as a major hazard due to the state's high vulnerability. The causative factors are also well recognised. Almost 80 per cent of the rainfall in the state occurs within three months that coincide with the main cropping season. There is increased encroachment in the floodplains, but the socio-economic conditions of people living there are poor, as the local economy is primarily dependent on the monsoon paddy. There is very little or no forest cover in the flood-prone areas.Beas, Sutlej, Ravi and to some extent Ghaggar have been identified in the state's flood hazard map. Over the years, the flood problem in the Beas, Sutlej and Ravi has been mitigated through the construction of reservoirs and embankments, but flood risk due to high releases from reservoirs and breaches in embankments persists. There is a severe problem of soil erosion by water in normal times. About 60 per cent of the soil which is washed away ends up in rivers, streams and lakes, making waterways more prone to flooding as well as contaminating water bodies with fertiliser and pesticide residues.Besides suggesting a range of flood protection measures such as strengthening embankments, improving drainage efficiency, desilting of stream beds, curbing encroachments, revival of village ponds, construction of water harvesting structures and preventing waste disposal in canals and rivers, the SDMP suggested district-specific measures for most flood-prone areas.Given the damage caused to vital infrastructure like health centres and schools during floods, it is imperative to make them safe by adopting new techniques in construction and siting. This way, damage can be minimised and these facilities can be kept operational during a disaster.

Kerala, which faces a flood-like situation every year, has taken steps to make its rural health infrastructure disaster-ready. In the 2018 floods, over 330 health facilities were fully or partially damaged in the southern state. While rebuilding health facilities that were completely damaged, the state authorities conducted a detailed vulnerability assessment of each location, incorporated critical design changes and used resilient building technologies and materials. Those partially damaged were retrofitted on similar lines.

All that is needed are small tweaks in design. For example, all primary health centres in Kerala were earlier single-storeyed, which made them prone to flooding. New ones being developed are multi-storeyed, with upper floors for housing diagnostic equipment, pharmacy, medical records and power supply backup. Thus, even if floodwater enters the facility, vital equipment and records would be safe on the first floor. The hospital safety guidelines of the National Disaster Management Authority stipulate that every hospital in the country spell out the minimum required standards for healthcare facilities.In addition, we need to take several non-structural steps for mitigation of flood impacts, such as building the capacity of local bodies and communities through awareness, sensitisation and training. In this context, the disaster risk reduction initiative of cyclone-prone Odisha is worth studying and emulating.

The Odisha model, praised globally, includes establishing early warning systems, constructing multipurpose cyclone shelters, training community volunteers, creating rapid action forces, empowering local governance bodies and integrating disaster management into development planning at the local level to enable rapid response to disasters like cyclones and floods.A cadre of over one lakh volunteers drawn from gram panchayats, women's self-help groups, etc, have been trained to reduce disaster risk and manage rescue and relief operations. The involvement of the community and civil society holds the key.The flood problem needs a holistic approach both for prevention and risk reduction. Disaster management plans exist, best practices and guidelines have been developed, and successful models like those of Kerala and Odisha are available to study and emulate. All Punjab needs is to implement them and not wait for the next disaster.

Political parties can't wash their hands of POSH

If the penalty system is designed to act as a deterrent against traffic offences that lead to the loss of numerous lives and property, it is not clearly working. Most owners know challans just pile up

The Supreme Court on Monday dismissed a plea challenging the Kerala High Court's ruling that political parties are not bound to set up internal complaint committees (ICC) under the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013. The court reasoned that parties are not "workplaces" since their members are not employees. This interpretation may not fully appreciate the broader purpose of the law. The law is rooted in the Vishaka (1997) judgement, in which the top court held that Article 21 obliges institutions to protect women from harassment, regardless of their formal employment status. The Act itself reflects this, broadly defining an aggrieved woman "in relation to a workplace, a woman of any age, whether employed or not, who alleges to have been subjected to any act of sexual harassment by the respondent".

Political parties are hardly voluntary bodies of sympathisers. They issue membership cards, enforce discipline, collect funds, maintain offices, and operate with strict hierarchies. Women workers share the same work burden as men everywhere. They are also vulnerable to exploitation. A UN Women study noted the prevalence of sexual favours demanded within political parties a decade ago. An Inter-Parliamentary Union survey found

that 82 percent of women parliamentarians had faced psychological violence, including sexual threats and remarks. If political workers exclusively work for a party, the least they expect is minimum protection from that party. To deny them the benefit of ICCs because they are not employees is as good as dismissing their labour as inconsequential and exposing them to sexual discrimination. Where should an internally harassed party worker turn for help? Criminal law addresses assault. Yet, it cannot replace an internal legal mechanism offering safety, confidentiality, and redress. Without it, women are left vulnerable in political spaces that men mostly dominate.Parties also cannot hide behind the "voluntary association" defence. When NGOs, hospitals, and small workplaces with only 10 employees fall under POSH, political organisations, which wield enormous power, cannot be exempt. If the current law does not bind political parties, parliament must amend it. Till then, explicit guidelines from the Election Commission or the Supreme Court could mandate independent grievance redress mechanisms within parties. Anything less sends the message that women in politics are dispensable—an affront to the spirit of POSH.

The Waterman of India: PM Modi on a mission

From interlinking rivers to preparing them as waterways, from rejuvenating them to providing clean drinking water to each citizen of India and from cruises to building dams, PM Modi is truly the Waterman of India, who has transformed the water ecosystem of our country.

India, a blessed country with huge geographical diversity, has always been centred around water. From one of the names being a derivative of the river Indus, to countless rivers and tributaries criss-crossing our entire geography, it is water that makes our country a sacred geography. It is only fitting how only one ocean is named after a country and that is the Indian Ocean! Thus in India, water is not just a necessity but a symbol of our national imagination.It is this national imagination that has been strengthened by our Hon'ble Prime Minister Narendra Modi. While his ideas and vision have given success in all policy domains in our country, it is his exceptional work in the area of water that deserves special mention. From interlinking rivers to preparing them as waterways, from rejuvenating them to providing clean drinking water to each citizen of India and from cruises to building dams, PM Modi is truly the Waterman of India, who has transformed the water ecosystem of our country.

Let us begin in Gujarat, where Modi ji first demonstrated his belief that rivers are not mere water channels but lifelines of culture and community. The Sabarmati Riverfront, once a neglected and polluted stretch, was transformed under his leadership as Chief Minister into a vibrant public space. This project not only rejuvenated a dying river but also set a global benchmark for urban riverfront development.

Today, cities across India -- from Varanasi to Indore -- are inspired by the Sabarmati model, bringing their own rivers back to life. The completion and operationalisation of the Sardar Sarovar Dam is another testament to Modi ji's resolve. For decades, this project faced delays, protests, and policy paralysis. It was only under his determined guidance that the dam reached its full height and began delivering irrigation, drinking water, and power to millions.Farmers in drought-prone areas of Gujarat, Maharashtra, and Madhya Pradesh now speak of a new lease on life. On one hand, the dam has quenched the thirst of 4 crore Indians, roughly the entire population of Poland and on the other, more than 11,000 villages have been provided with water for domestic use. With 67 trees planted for every tree submerged, this project has demonstrated how under PM Modi, development and sustainability are not mutually exclusive.

In our ethos, rivers aren't merely water carriers but cultural and spiritual icons too. From our deities to sages, kings to the citizenry -- everyone has had rivers as an integral part of their day to day lives. Even our Vedas and epics were composed along the banks of our rivers. But over time, our carelessness and weakened civic sense led to most of our rivers being polluted. Their polluted state reminded everyone of the political apathy displayed by successive governments.This changed in 2014 when PM Modi, elected as the Prime Minister, launched the 'Namami Gange Programme', within weeks of being sworn in. The flagship program not only made visible improvements to the state of River Ganga, it also brought back rare biodiversity to the river ecosystem after several decades. The most recent example is of the red crowned roofed turtle, that returned to river Ganga after three decades.

From cleaner ghats to a much more alive river Ganga, the mission has become a role-model for other river rejuvenation programs across the country, primarily in the context of cleaning river Yamuna in

the national capital. The BJP's triple-engine government in Delhi, under the PM's leadership, is working day and night to clean the river in the city, committed to making the river alive and restoring it to itsformer glory.What also sets PM Modi apart is how he has made water management a household movement rather than just government schemes. The "Jal Shakti Abhiyan" and "Catch the Rain" campaigns mobilised most citizens, institutions and panchayats, crystallising into the Jal Jeevan Mission.The PM announced his vision of providing clean drinking water to each household in the country from the ramparts of Red Fort on 15 August 2019. Its stupendous success is visible in how the mission led to more than 81% of our rural households having a water connection, up from a mere 16% in 2019.

From Himachal Pradesh in the north to Tamil Nadu in the south, from Gujarat in the west to Mizoram in the east, more than eleven states and UTs in our country have been certified as "Har Ghar Jal", meaning hundred percent coverage of drinking water, thanks to our Waterman!

From tourist cruises on our rivers to their utilisation as national and international waterways, PM Modi's vision has made water a symbol of economic, cultural and developmental success. Today, on the occasion of his birthday, I join the entire country, especially my fellow Delhiites, in conveying to him our best wishes as he leads our country towards being a developed country by 2047.

Infrastructure alone not enough, quality and skill development keys to global competitiveness: FM

The government is leveraging institutions of excellence like the Indian Institutes of Technology (IITs) and the Indian Institute of Science (IISc) to lead AI-related research and development, said Finance Minister Nirmala Sitharaman.

NEW DELHI. (Agency)

S Finance Minister Nirmala Sitharaman emphasised the critical role of quality management and skill development in making India a globally competitive powerhouse. Speaking at the IFQM Symposium on Quality and Innovation, Sitharaman stated that the country's path to global leadership depends not just on infrastructure but on a "seasoned understanding of quality management."

"I am reassured that our path towards global leadership is not going to rest only on infrastructure creation or incremental improvements," she said, stressing the importance of interventions in manufacturing and services.

Government Initiatives and the AI Push

Sitharaman detailed several government initiatives aimed at fostering a culture of quality and innovation. She noted that in recent years, every government project has included provisions for skilling and upskilling the workforce. A major focus is the upgrade of the nation's 750 Industrial Training Institutes (ITIs).

"The Centre has offered full financial support to upgrade these ITIs into AI-driven training hubs," she announced. These upgraded ITIs will provide foundational AI skills to a wide range of individuals, from school dropouts to diploma holders, ensuring they can participate in the new economy.In

parallel, the government is leveraging institutions of excellence like the Indian Institutes of Technology (IITs) and the Indian Institute of Science (IISc) to lead AI-related research and development. These premier institutions will focus on four key sectors:

agriculture, health, education, and urban development, with space and nuclear technology recently added.Sitharaman highlighted the enthusiasm of state governments, noting that Andhra Pradesh, Maharashtra, and Gujarat have expressed readiness to establish local AI hubs tailored to their specific needs.

Empowering MSMEs

The Finance Minister also underscored the significance of the MSME (Micro, Small, and Medium Enterprises) sector, which is a vital contributor to India's GDP. To support these enterprises, the government has ensured that the Small Industries Development Bank of India (SIDBI) maintains a physical presence in identified clusters, guaranteeing easy access to credit.Training programs, designed around local industry needs, have already been launched in approximately 150 clusters. This unique model not only trains workers for internal needs but also creates a surplus of skilled labor for the broader market, addressing a key challenge faced by industry leaders.Sitharaman also pointed to strong international collaboration, particularly with Singapore, on certified vocational training.

Want to get a loan this festive season Here's what you can do

MUMBAI .(Agency)

Navratri is a major festival in India, marked by nine days of devotion, cultural gatherings, and celebrations. As the festival draws near, many families begin to prepare for increased spending on shopping, home decoration, travel, and hosting events. Meeting these heightened financial demands can stretch regular monthly budgets.

To help customers manage these costs with ease, Bajaj Finance has introduced personal loans of up to Rs 55 lakh with instant approval and quick disbursal, reported PTI.ADDRESSING FESTIVE FINANCIAL NEEDS

During this festive period, people often spend money on new clothes, jewellery, gifts, family outings, and home renovations. These expenses can put pressure on household finances. The Bajaj Finserv Personal Loan is intended to help customers cover these costs without affecting their financial stability.

STORIES YOU MAY LIKE

According to the company, the loan amount can be used for any personal requirement, including shopping, travel, or family gatherings. This support ensures that individuals do not have to compromise on their celebrations or financial health.

FAST APPROVAL AND DISBURSAL

One of the main advantages of this loan is the speed with which it is processed. Customers can check their pre-approved loan offer by entering their mobile number and verifying it through an OTP.

Once the application is completed and approved, the loan amount is credited to the borrower's bank account within 24 hours, subject to terms and conditions. This makes the loan particularly useful for the festive season, when expenses often arise at short notice.

HCL Tech, HDFC Bank, Sun Pharma, Tata Motors stocks rise on US Fed rate cut

CHENNAI .(Agency)

Shares of several leading Indian companies in information technology, banking, auto and pharma sectors traded higher on Thursday after the US Federal Reserve cut interest rates by 25 basis points and signaled the possibility of more easing later this year. The move boosted investor sentiment across global markets and supported sectoral gains in India, with IT stocks leading the rally.Information technology majors including Infosys, HCL Technologies, and Tech Mahindra saw gains of around 1 to 1.3 percent. A softer dollar and expectations of increased US spending following the Fed's policy shift improved sentiment for export-driven IT companies that earn a large share of revenues in the American market.HDFC Bank, Sun Pharma, and Tata Motors were also among the notable gainers today. HDFC Bank benefited from improved foreign inflows as global liquidity conditions turned more favorable. Sun Pharma advanced on steady buying in defensives, while Tata Motors extended gains on optimism around domestic demand and its global business outlook.

The other stocs made significant gain in the Indian markets on the day include MOIL, Cochin Shipyard, Avenue Supermarts.

Shares of MOIL climbed over 2 percent after the state-owned miner announced exports of manganese ore to Indonesia, a step that underscores its efforts to diversify markets and strengthen international presence.Cochin Shipyard advanced nearly 2 percent on the back of a ?2,000 crore contract from ONGC. The order win reinforced confidence in the shipbuilder's strong order book and earnings outlook.Avenue Supermarts, parent of the D-Mart retail chain, gained around 2 percent after brokerage firm UBS upgraded its price target. Analysts highlighted the company's continued focus on value retailing and network expansion, which is expected to drive long-term growth.

GST rate cut triggers early sale season for apparel retailers

New Delhi.(Agency)

The festive season sale for premium garment retailers and e-commerce platforms has started early this year, spurred by the recent GST rate cuts announced by the government. Several retailers have rolled out discounts of up to 50% online—two weeks ahead of Navratra, traditionally seen as the start of the festive shopping season.The tax rationalisation has prompted textile and apparel retailers to recalibrate their pricing strategies.

Neeraj Nagpal, chief business officer–apparel & retail, Raymond Lifestyle Ltd, said: "The GST rate cut will boost consumption in the apparel and textile sector. It is a positive flip for value and mid-retailers from an amplification of consumption perspective."According to him, Raymond Apparel Brands has recorded double-digit growth in combined retail and online sales compared to last year's festive season.E-commerce giant Amazon is also capitalising on the momentum. The company is offering discounts of up to 80% on leading brands such as Libas, BIBA, Levi's, US Polo Assn, GAP, Lavie, Adidas, Titan, Mokobara, GIVA, Safari, Lakme, Michael Kors, and Swarovski.Siddharth Bhagat, director, Amazon Fashion & Beauty, said: "During the last Amazon Great Indian Festival, we saw a record 140 crore customer visits, with over 85% coming from non-metro cities. Prime Day 2025 reinforced this trend, with 70% of new Prime sign-ups from Tier 2 and Tier 3 cities, and orders peaking at more than 18,000 per minute."Under the revised GST slabs, apparel priced up to ?2,500 will now attract 5% GST, while items above that threshold will be taxed at 18%, up from the earlier 12%.

ITR refund 2025: How long will it take to reach you

Millions of taxpayers who filed their returns by the September 16 deadline are now waiting for the next big step, i.e., getting their refunds. But how long does it actually take for the money to land in your bank account?

New Delhi.(Agency)

After filing their income tax returns (ITR) by the extended deadline of 16 September 2025, many taxpayers are now eagerly waiting for their refunds. For most people, this is the most anticipated part of the entire process. But the question is: when can you actually expect the money to arrive in your bank account?

TIMELINE FOR RECEIVING INCOME TAX REFUND

The refund process begins once your ITR is successfully e-verified. In many straightforward cases, taxpayers receive the amount in just a few days. Some have even reported refunds being credited on the same day, especially when the refund is a small sum.On average, though, the refund is usually credited within four to five

weeks of filing. Tax experts point out that the time taken depends on the internal checks carried out by the Income Tax Department under Section 143(1). Smaller refunds are often processed faster, while larger or more complex cases can take longer.This year, new checks on deductions and exemptions may also cause slight delays for those who have claimed them.

WHY DELAYS MAY HAPPEN

Refunds can get delayed when there are complications in the return, such as capital gains or business income. In such cases, the department may cross-check information before issuing the refund. If discrepancies are found, taxpayers might receive a communication from the department and need to respond promptly.Experts say that while some refunds are credited in under a week, others can take close to a month, especially when a large number of returns are pending. The good news is that if your refund is delayed, the Income Tax Department pays you interest at 6% per year, starting from 1 April of the assessment year.

iValue Infosolutions IPO opens: Should you consider subscribing

New Delhi.(Agency)

iValue Infosolutions (IISL), a company that helps Indian businesses access global technology solutions, has opened its IPO for subscription.

The company plans to Rs 560 crore through an offer-for-sale of 1.87 crore shares. The price band is set at Rs 284–299 per share, with a minimum investment of 50 shares.The IPO closes on September 22, and shares are expected to list on the NSE and BSE on September 26.Promoters Sunil Kumar Pillai, Krishna Raj Sharma, Srinivasan Sriram, and Hilda Sunil Pillai, along with investors like Sundara (Mauritius) Ltd, are selling their shares.Half of the issue is reserved for institutional investors, 35% for retail investors, and 15% for non-institutional buyers.

The IPO's grey market premium (GMP) is modest at around 7.69% or Rs 23, suggesting that the listing price may be around Rs 322.

But analysts see strength in iValue's business.

The company works with 109 global technology partners and over 800 system integrators to provide solutions in cybersecurity, cloud, data

management, and AI. Big names like Google Cloud, Splunk, Nutanix, and Check Point are part of its ecosystem.iValue reported Rs 923 crore in revenue in FY25, up 18% from the previous year, with profit after tax of Rs 85.3 crore and a profit margin of 9.2%. Customer numbers have grown steadily to 2,877 in FY25, though staff attrition remains high at 34%.

Risks include high dependence on its top 10 partners, who contribute over 60% of revenue, and competition from other distributors. OEMs could also sell directly, bypassing iValue.

At the upper price band, the IPO values the company at 18.8 times FY25 earnings.

SHOULD YOU SUBSCRIBE?

Analysts at SBI Securities recommend subscribing, citing strong partner networks and a business model aligned with growing IT spending in India, while Arihant Capital has given the IPO a 'Neutral' rating.

Indian exporters brace for US tariff hike, government seeks swift resolution

TIRUPPUR. (Agency)

The central government is working to address issues posed by the 'unsustainable' US tariff hike on Indian exports as soon as possible, said Sudhir Sekhri, Chairman of the Apparel Export Promotion Council, in Tiruppur on Wednesday.

Speaking to reporters, Sekhri said, "We have had some small hiccups due to the US tariff hike. It is not sustainable because American consumers will also be affected by this. The central government is working round the clock and discussing with the US to ensure that this issue gets resolved as soon as possible. I hope that it happens in the next two to four weeks."

Meantime, the government will come up with some new policies and some assistance to the US exporters and hopefully it should be announced in the next week or so, Sekhri added.

Apparel exports worth about $2 or $ 2.5 billion will be hit if there is no quick resolution."In FY 2024-25, we were doing $16 billion worth of apparel exports and of this $5.2 billion went to

the US. By the time the tariff was imposed we had already shifted about goods valued at $2.2 billion and about $1.2 billion was in the pipeline. This means, if this situation continues, exports worth more than $2 or $ 2.5 billion will be really affected."Sekhri, however, sounded optimistic about India retaining its market share despite the odds. "Those who have been buying for a long time are not going to abandon India. Because they also know that these (high tariffs) are not sustainable. We are not saying there is no impact, but I think all are resilient enough to absorb this impact, but it will persist for the next two months or three months," he surmised.Sekhri expects Indian garment exports to non-US markets to pick up."The FTA with the UK is likely to be operationalised by the end of March. After three years, we expect garment exports to (the UK to) grow from $1.2 billion to reach about $2.5 billion. We already have an FTA with Australia. The AEPC is also looking for new markets. We conduct many fairs for this purpose. We are looking at non-refusal markets."The 52nd India International Knit Fair began in Tiruppur on Wednesday and will end on Friday.

Why gold loans are no longer just a last resort for borrowers

Gold loans are shedding their emergency-only image, becoming a mainstream credit choice for urban, semi-urban, and rural India, driven by gold prices, regulation, digital access, and flexible borrowing solutions.

New Delhi.(Agency)

Gold loans are no longer just a fallback for emergencies, they have emerged as a mainstream credit option for millions of Indians. The total outstanding gold-backed loans in India have skyrocketed to Rs 2.94 lakh crore by August 2025, a 122% year-on-year jump from Rs 1.32 lakh crore in July 2024.In FY25 alone, gold loans surged over 103%, from just over Rs 1 lakh crore the previous year to nearly Rs 2.1 lakh crore, dwarfing growth in personal loans (8% YoY) and credit card loans (6% YoY).

WHY ARE GOLD LOANS IN DEMAND?

One of the primary drivers behind this boom is rising gold prices. Gold has climbed 44.1% in 2025, crossing Rs 1,13,800 per 10 grams in September from Rs 78,950 at the end of 2024.Higher valuations mean borrowers can pledge less gold for higher loan amounts, making gold loans increasingly attractive amid economic uncertainty.

Regulatory changes have also played a key role. RBI's reclassification of agricultural loans as gold loans, tighter NBFC lending norms, and new tiered loan-to-value (LTV) guidelines in 2025 have formalised access and expanded protections for borrowers.These measures have encouraged banks and fintech firms to expand gold loan offerings, using digital platforms and AI-powered valuations to streamline lending.Borrowers value gold loans for speed and flexibility. Approvals are often instant, documentation minimal, and even those with weak credit histories or limited banking experience can access funds quickly. This ease of access has led many to choose gold loans over unsecured options, which have become costlier and harder to obtain due to rising interest rates and stricter risk-weighting.The profile of gold loan borrowers has diversified. Demand spans

urban, semi-urban, and rural regions, with strong uptake in Gujarat, Maharashtra, and Odisha. Traditionally associated with urgent cash needs, gold loans are now used for weddings, education, health emergencies, small businesses, and working capital for micro-enterprises. Interest rates, ranging from 8–12% per annum, remain lower than most unsecured credit, further boosting their appeal.

NO LONGER JUST FOR EMERGENCIES

The shift is also behavioural. Gold loans are shedding their "last resort" stigma and are increasingly seen as practical, mainstream credit products. Digital adoption is a key enabler, with mobile apps allowing contactless application and approval, meeting the needs of tech-savvy urban borrowers as well as rural customers who may lack conventional banking access.Policy trends continue to favour secured credit over unsecured lending. Stricter risk-weighting for personal loans and credit cards has pushed borrowers toward collateralised options like gold loans.Public sector banks, NBFCs, and fintech platforms are aggressively innovating to capture this growing demand, offering transparent, regulated, and technology-driven services.Analysts say the growth in gold loans reflects broader economic dynamics: households and small businesses are seeking secure, fast, and flexible credit amid rising costs and uneven income growth.The combination of high gold prices.

EVM ink row sparks clash between ABVP, NSUI during Delhi University student polls

▸The chief election officer termed the incident "mischievous," noting that it was unusual for the same issue to surface at two separate colleges.

Agency New Delhi.

A fresh controversy erupted during the Delhi University Students' Union (DUSU) elections on Thursday morning after an electronic voting machine (EVM) with an ink mark was reportedly found at Hansraj College and Kirori Mal College on polling day. The ink appeared on the button against the ABVP's presidential candidate, Aryan Mann triggering sharp exchanges between rival student groups. The incident prompted the immediate intervention of the election committee, election observers, and even the Chief Election Officer Professor Raj Kishore Sharma who visited the sites to assess the situation. The election officer took feedback from as many as 100 students in the college.

NSUI senior leaders, including Varun Choudhary quickly released a video of its presidential candidate, Joslyn, in tears, alleging "vote chori" and accusing rivals of attempting to manipulate the poll process.

"RSS-BJP has brought its undemocratic and fraudulent tactics into Delhi University. Just as they manipulate elections outside, they are now trying the same inside DU. But the students of Delhi University will not tolerate this. They will answer ABVP's dishonesty with their votes," said Varun Choudhary.

ABVP, on the other hand, dismissed the allegations, claiming NSUI was resorting to theatrics as "ABVP is winning on all four seats."

The chief election officer termed the incident "mischievous," noting that it was unusual for the same issue to surface at two separate colleges. Meanwhile, Hansraj College issued an official statement calling the allegations "baseless" and insisted that the college denies all false allegations and also said that voting was being conducted under strict scrutiny, with CCTV cameras ensuring transparency. With both student groups trading charges, the EVM ink row added a new flashpoint to an already high-stakes election. Professor Raj Kishore said that half of the voting in the day colleges was almost over by 12:30. The voting turn out will be released by 5 pm.

Delhi Police PCR van crushes tea seller on pavement

Agency New Delhi.

A 55-year-old tea vendor was killed after a Delhi Police patrolling van rammed into his stall while he was sleeping in Central Delhi's Mandir Marg area early Thursday.

The man killed in the accident has been identified as Gangaram Tiwari, who used to run the tea stall on the pavement near the RK Ashram Metro Station, and sleep inside it.

According to the police, the accident happened at 5 am when the New Delhi District PCR van — a white Ertiga — was patrolling the area. Prima facie, the police suspect the driver of the patrolling vehicle, a constable, dozed off while driving the vehicle when the accident took place. An assistant sub-inspector (ASI) was also present in the vehicle when the accident took place.

The constable and the assistant sub-inspector have been suspended after the accident, and the vehicle has been seized, a senior police officer said. Tiwari's 24-year-old son, who lives with him, said he was out when the accident happened.

"Main walk karne gaya tha subah (I went for a morning walk). When I came back, I saw the vehicle had rammed into our shop. Hum dus saal se yahan dukaan laga rahein hai (We have been setting our shop here for the past 10 years). They (accused) come here to patrol daily," told reporters. Gangaram's wife lives in a village in Gonda, Uttar Pradesh. A senior police officer said the constable driving the vehicle was deployed in the PCR New Delhi Circle.

"The cause of the incident is yet to be ascertained. But prima facie it appears that the constable lost control of the vehicle while taking a turn, and it climbed onto the pavement, crashing into the tea stall," the officer said.

'Andhera tha... Bus itna yaad hai ki main andar gaya': Man recalls harrowing death of colleague

Agency New Delhi.

Inside the mortuary of Babu Jagjivan Ram Memorial Hospital on Wednesday, a group of men stood silently. Relatives and neighbours had gathered, trying to console the brother of Arvind who had died a day earlier while cleaning a sewer in Northwest Delhi's Ashok Vihar.

"Bus 40 ki umar thi batao. Do bacche hai. Kaun dekhega? (Arvind was just 40. He left behind two children… Who will take care of them?)" asked his brother, 50-year-old Satyendra Yadav. Satyendra watched as Ashok's body was hurriedly loaded into a hospital van as the mortuary hours drew to a close. The van took the body to their home in UP's Kasganj home.

On Tuesday night, Arvind suffocated to death while cleaning a sewer pipe near a society in Delhi's Ashok Vihar.

The incident also left three other men — Sonu, Narayan and Naresh — injured, police said. All four were working for Brijgopal Construction Company on a contractual basis, police said. They were rushed to Deen Dayal Upadhyay Hospital, where Arvind was declared dead. "He had a contractor, who would usually get him work. He lived in Kasganj… The contractor would call him if there was work," said Satyendra. "This time it was different," he said.

Before he left home, Ashok had said it was not the contractor who had called. "He got the call directly from the company. It happens sometimes… to save expenses, companies often get in touch with workers directly. I think it was paying him more this time," Satyendra added.

Three men held for stabbing youth inside government school in East Delhi's Trilokpuri; one at large

Agency New Delhi.

Three men have been arrested for scaling the boundary wall of a government school and stabbing a 23-year-old youth over personal enmity, police said. The accused, identified as Rajeev (19), Vijay (27), and Akash, were apprehended within hours of the incident, which occurred on September 13 at the 22 Block Government School in Trilokpuri, police said. The fourth accused remains at large, officers said.

The case came to light when police received information from LBS Hospital regarding the admission of Rohit (23), a resident of Trilokpuri, with multiple stab wounds. He was later referred to AIIMS Trauma Centre for advanced treatment. The weapon used in the attack has been recovered, and the victim remains hospitalized, officers said.

According to police, four men entered the school premises around 7:30 pm and attempted to attack Rohit (23), along with his friends Shivam and a 16-year-old boy, who were sitting inside the school.

Abhishek Dhania, DCP (East), stated, "Four unidentified assailants scaled the boundary wall, abused the group, and suddenly attacked them. While Shivam and the juvenile managed to escape, the assailants surrounded Rohit and inflicted multiple stab injuries with a knife. Blood stains were found at the spot, and exhibits were lifted by the Crime Team for forensic examination. A case was registered for attempted murder." During the investigation, eyewitnesses Shivam and the 16-year-old boy identified the attackers as the three accused, police said. On the motive behind the attack, DCP Dhania said, "The motive was traced to a quarrel between the victim and accused Rajeev's brother Nihal a day earlier, which led the four accused to conspire and carry out the attack. The fourth accused, Aniket, has been identified and efforts are underway to apprehend him. Further investigation is underway".

Sidhu Moosewala killing to firing at Disha Patani's home: Why Turkish Zigana pistols are go-to weapon for gangsters

Agency New Delhi.

What's common between the killings of Punjabi singer Sidhu Moosewala, UP gangster-turned-politician Atiq Ahmed, and Maharashtra NCP leader Baba Siddique? In all three cases, the murder weapon was similar — a Zigana pistol made in Turkey.

This was the pistol that was also used by the two shooters who opened fire outside Bollywood actress Disha Patani's residence in Bareilly, which police later recovered.

According to a senior police officer, the Zigana pistol is highly popular among gangsters in Delhi, Haryana, Punjab, and Rajasthan for its ability to fire over 15 rounds in one go, its low chance of jamming, and high accuracy. Police said CCTV footage of the firing at Patani's residence attests to this, showing that a single pull of the trigger released multiple rounds. The shooting was carried out by Ravindra (24) and Arun (27), belonging to the Rohit Godara-Goldy Brar gang. Around 3.30 am on September 12, the duo, who were on an Apache motorcycle, fired around 8-10 rounds at Patani's residence and fled. On Wednesday evening, the men were

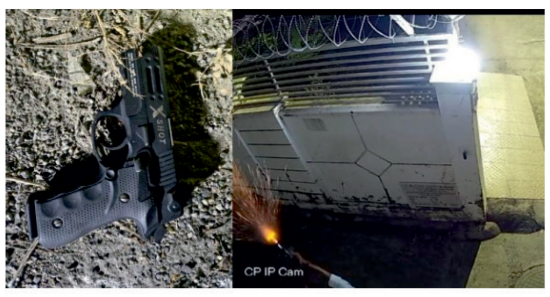

shot dead in a joint encounter by the Uttar Pradesh, Haryana, and Delhi Police in Ghaziabad.

Police recovered a Zigana pistol from the encounter site. They also recovered an Austrian Glock pistol, widely used by the Indian police forces, from the shooters. While Zigana pistols are manufactured in Turkey, the police officer said counterfeit versions are easily available in Pakistan. Its price goes up to Rs 2-4 lakh by the time it reaches the end user in India, the officer added.

Police discovered that in 2022, a significant number of such pistols were allegedly smuggled into India from Pakistan via drones and supplied to shooters associated with jailed gangster Lawrence Bishnoi for the assassination of Sidhu Moosewala.

Later, similar firearms were found to have been used in the killings of Atiq Ahmed and his brother Ashraf in Prayagraj in 2023, as well as in the murder of NCP leader Baba Siddique in Mumbai in 2024.

Sources claimed that a Zigana pistol was even gifted to the Jitender Maan alias Gogi gang by the Lawrence Bishnoi gang, when the two collaborated to operate in Delhi-NCR in early 2021.

67-year-old US woman travelled to Punjab to marry UK-based NRI, 75; found dead

Agency New Delhi.

A 71-year-old Indian woman, who travelled to Punjab from the US to marry a UK-based NRI man, was found dead. The case came to light recently after Ludhiana Police registered an FIR over Rupinder Kaur Pandher's disappearance and named suspects, including her would-be husband, Charanjit Singh Grewal.

Pandher's remains were recovered from a drain in Ghungrana village near Ludhiana, as well as her badly-damaged iPhone.

The incident dates back to July when Pandher, an

American citizen based in Seattle, arrived in the state at the invitation of Grewal, the 75-year-old would-be groom originally from Ludhiana, the news agency quoted police as saying.

According to the police, the victim's sister, Kamal Kaur Khairah, grew suspicious when she found Pandher's phone switched off on July 24.

Four days later, she informed the US Embassy in Delhi, following which the local police in Ludhiana began its probe. Ludhiana resident, Sukhjeet Singh Sonu, has been arrested after he allegedly confessed to killing Pandher on Grewal's instructions for Rs 50 lakh.

Sonu said he killed her in his house and later burnt the body in a storeroom. The police said the motive was financial.

Hit by Delhi HC verdict, airport service aggregator Dreamfolks exits domestic lounge business

Agency New Delhi.

The Delhi High Court Tuesday refused to restrain lounge operator Encalm Hospitality Private Limited from dealing with banks directly, instead of solely through Dreamfolks Services Limited, an airport service aggregator, to provide airport lounge access.

After the court ruling, Dreamfolks Services, which also provides airport lounge services, said Tuesday it is discontinuing its service at domestic airport lounges, although its other domestic services and global lounge business will continue.

While refusing to restrain Encalm Hospitality from dealing with banks, Justice Amit Bansal noted that Dreamfolks Services failed to establish that there is an "exclusivity" between Dreamfolks Services and its clients, the banks. "It appears that the

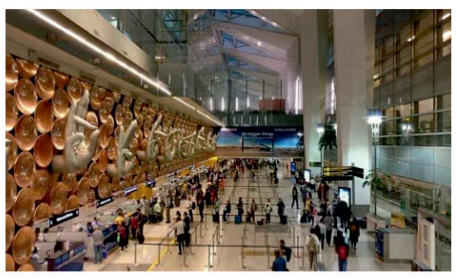

petitioner's clients (banks) are free to have similar agreements with other third-party service providers… On a prima facie view, there is no bar upon the respondent (Encalm Hospitality) to provide services" to the banks through third-party service providers," Justice Bansal ruled.

Dreamfolks Services was embroiled in a legal dispute under the Arbitration and Reconciliation Act against Encalm Hospitality, with which it had entered into an agreement in 2022, valid for five years. Encalm Hospitality had agreed to provide services to Dreamfolks Services, and its customers by granting them access to the services at the lounges it operated. Through the agreement, Dreamfolks Services, which has agreements with various banks that issued credit cards and other cards to their customers, essentially provided access to such cardholders to the airport lounges, allowing Dreamfolks to earn from the margin it pays Encalm Hospitality and recovers from the banks.

'No victory procession in Capital':Delhi HC directs candidates ahead of DUSU polls

A division bench comprising Chief Justice DK Upadhyaya and Justice Tushar Rao Gedela was hearing a petition concerning large-scale violations of the poll code.

Agency New Delhi.

The Delhi High Court on Wednesday barred victory processions by winning candidates of the Delhi University Students' Union (DUSU) election, while orally warning that if the election is not conducted in a "peaceful and orderly manner," it may stop the functioning of the elected office bearers. The elections are scheduled for September 18, with counting set to take place the following day. A division bench comprising Chief Justice DK Upadhyaya and Justice Tushar Rao Gedela was hearing a petition concerning large-scale violations of the poll code.

In its order, the court stated, "A common concern has been expressed that after counting is over winning candidate take out victory procession, which as per past experience, becomes very difficult to handle by police and university authorities…We thus direct no victory processions in campus, hostels or in any other area of Delhi shall be taken out." Taking note of the "large-scale violations," evidenced by the huge number of challans issued by the police for traffic breaches, damage to public property, and defacement—along with "scores of notices and warnings" issued to erring students and candidates by DU—the bench remarked that the violations "still haven't abated."

The court went on to orally ask DU's counsel, "Should we stay the elections? …We have no problem or hesitation in doing it." The bench further remarked, "Counting may take place, but we will stop the functioning of the office bearers if the election is not held in a peaceful and orderly manner."

DU's counsel, while requesting that the elections not be stayed, urged the court to direct that no victory processions be allowed.

Last year, during the DUSU polls, the Delhi HC had stayed the counting of votes for over a month due to widespread defacement and poll code violations.

The stay was lifted only after the court was satisfied that the defacement had been remedied by the erring students and candidates. The court has scheduled the matter for further hearing on September 19.

NEWS BOX

Donald Trump says designating Antifa 'a major terrorist organization'

WASHINGTON. (Agency)

US President Donald Trump on Wednesday said he would designate "Antifa" -- a shorthand term for "anti-fascist" used to describe diffuse far-left groups -- as "a major terrorist organization," a move he has threatened since his first term.

"I will also be strongly recommending that those funding ANTIFA be thoroughly investigated in accordance with the highest legal standards and practices," Trump wrote on Truth Social, calling Antifa "A SICK, DANGEROUS, RADICAL LEFT DISASTER."Trump on Monday threatened to go through with such a designation after senior White House official Stephen Miller vowed the administration would dismantle an alleged "vast domestic terror movement" that he linked to the killing of right-wing activist Charlie Kirk.

Trump since his first term has ascribed blame to Antifa for various actions he dislikes, from violence against police to conducting the US Capitol riot on January 6, 2021.While federal law enforcement includes combating domestic terrorism under its purview, the United States does not have a list of designated "domestic terrorist organizations."

Bizarre Heist At US Disney Springs: Robber In Scuba Gear Swims Away With Loot

WORLD.(Agency)

He was not your average "masked man". Authorities in Florida are looking for the man who gave a new twist to the image of a robber - trading the usual balaclava or ski mask for a scuba gear. He pulled off a late-night robbery at a Disney Springs restaurant in Orlando in diving gear. The incident unfolded just after midnight on Monday at Paddlefish, a popular seafood restaurant built aboard a moored steamboat in the Disney-owned shopping and dining complex.According to the Orange County Sheriff's Office, the man entered after closing, took cash and left. The heist took all of 2 minutes. "This incident occurred after the restaurant was closed, and there were no patrons present," the sheriff's office said. No injuries were reported.

How Did The Robbery Happen?

According to a report in Rare, reported that the suspect is believed to have swum to the boat in full scuba gear before shedding part of it and heading for the manager's office. Employees counting cash at the time said the man ordered them to close their eyes and tied their hands, but he did not threaten them with weapons.

What Did He Look Like?

A photo released by police shows the suspect in goggles, a wetsuit, gloves and a scuba hood. Employees also described him wearing a blue beanie hat and tight blue clothes.

Did He Cover His Tracks?

Authorities believe the man may have fired a spray paint can at a security camera before fleeing. They suspect he swam away from the venue with the stolen money.

3 Police Officers Killed, 2 Injured In US' Pennsylvania Shooting, Suspect Dead

world. (Agency)

Three police officers were fatally shot and two wounded Wednesday in southern Pennsylvania, and the shooter was killed by police, authorities said.

The group of officers were at the scene to follow up on a domestic-related investigation that began the prior day."We grieve for the loss of life of three precious souls who served this county, served this commonwealth, served this country," Gov. Josh Shapiro said."This kind of violence is not OK, we need to do better as a society," he continued.

The shooting erupted in the area of North Codorus Township, about 115 miles (185 km) west of Philadelphia, not far from the Maryland line, authorities said."The grief will be unbearable but we will bear it," Pennsylvania State Police Commissioner Christopher Paris at a news conference. "We will not rest until we conduct a full, fair and competent investigation into this matter."

York Hospital said it was treating two people in serious condition and had enhanced security protocols are in place.Authorities did not identify the shooter, the officers or which police department they belonged to, or describe the circumstances of how they were shot. Police could not share many of the details because the investigation is ongoing, Paris said.

Attorney General Pamela Bondi called the violence against police "a scourge on our society." She said federal agents were on the scne to support local officers."Please send prayers to the officers and those involved in the shooting in York County," Pennsylvania Lt. Gov. Austin Davis said in a social media post.A local school district issued a shelter-in-place order, though it said schools and students were not involved in the shooting. The order was lifted later in the afternoon. The district said in a statement that authorities "advised us to hold students and staff in our buildings as a precaution while several area roads are closed."The medical response unfolded on a rural road in south-central Pennsylvania that winds through an agricultural area with a barn and farm fields.Officers were keeping people well back from the scene in the area's rolling farmland, with some 30 police vehicles blocking off roads bordered by a barn, a goat farm and soybean and corn fields.

"Pennsylvania State Police, Northern Regional Police and numerous emergency responders are at the scene. The York County Commissioners are monitoring the situation closely and praying for all those involved," the county said in a statement.An officer in the area was killed in February, when a man armed with a pistol and zip ties entered a hospital's intensive care unit and took staff members hostage before a shootout that left both the suspect and an officer dead.

Jimmy Kimmel's late-night show taken off air 'indefinitely' after Charlie Kirk comments

Kimmel did not immediately comment, and representatives for the entertainer did not respond to AFP queries.

LOS ANGELES. (Agency)

Jimmy Kimmel's late-night television show has been taken off the air "indefinitely" after the host was criticized for comments about the motives behind the killing of conservative influencer Charlie Kirk, US network ABC said.The stunning decision to suspend one of the United States' most popular and influential late-night shows comes as President Donald Trump has widened his legal attacks on media organizations that he accuses of bias against him."Jimmy Kimmel Live will be preempted indefinitely," an ABC spokesperson told AFP, using a television industry term for when a show is replaced or removed from the schedule.Kirk, a close ally of President Donald Trump, was shot dead last week during a speaking event on a Utah university campus.Authorities said 22-year-old Tyler Robinson used a rifle to shoot Kirk with a single bullet to the neck from a rooftop. He was arrested and has been formally charged with his murder.

On Monday, Kimmel spoke about the shooting in his popular late-night show's monologue."We had some new lows over the weekend with the MAGA gang desperately trying to characterize this kid who murdered Charlie Kirk as anything other than one of them and with everything they can to score political points from it," said Kimmel."MAGA" refers to the president's "Make America Great Again" movement.The White House this week said it would be pursuing an alleged left-wing "domestic terror movement" in the wake of Kirk's killing, prompting alarm that such a campaign could be used to silence political dissent.ABC's decision came shortly after Nexstar -- one of the country's biggest owners of ABC affiliate stations -- said it would not broadcast "Jimmy Kimmel Live" for "the foreseeable future."In a statement, Nexstar broadcasting president Andrew Alford said the company "strongly

objects" to Kimmel's comments.

"Mr. Kimmel's comments about the death of Mr. Kirk are offensive and insensitive at a critical time in our national political discourse, and we do not believe they reflect the spectrum of opinions, views, or values of the local communities in which we are located," he said."Continuing to give Mr Kimmel a broadcast platform in the communities we serve is simply not in the public interest at the current time, and we have made the difficult decision to preempt his show in an effort to let cooler heads prevail as we move toward the resumption of respectful, constructive dialogue."Kimmel did not immediately comment, and representatives for the entertainer did not respond to AFP queries.Actual malice'The decision to suspend Kimmel's show comes as Trump has intensified his long-established hostility toward the media.

Since his return to the White House, the president has repeatedly badmouthed journalists critical of his administration, restricting access and bringing lawsuits demanding huge amounts of compensation.

The US president filed a $15 billion defamation lawsuit against The New York Times on Monday, alleging a "decades-long pattern" of smears driven by feelings of "actual malice."

"What Have You Accomplished In Past 4 Weeks": Elon Musk Asks xAI Staff To Revalidate Their Work

BEIJING. (Agency)

Elon Musk, the CEO of xAI, has once again notified his staff members to provide summaries of their recent work and demonstrate "what you've accomplished." Musk asked all xAI employees to "send a one-page summary of what you've accomplished in the past four weeks and what you intend to accomplish in the next four weeks" in an email issued to colleagues on Tuesday afternoon.

According to a copy of the email, obtained by CNN, Musk wrote, "This is due by noon on Thursday."The demand comes at a time xAI is undergoing a major reorganisation. With a strategy shift towards specialised AI instructors in industries like STEM, finance, medicine, and safety, Musk's xAI reportedly fired over 500 data annotators last week, many of whom were from its generalist AI tutor team, according to Reuters.The company sent out an email to its staff informing them of its intention to reduce the number of generalist AI tutors. In response to a request for comment, xAI cited a post on X that stated the firm was hiring for positions across domains and intended

to grow its workforce of specialised AI tutors by "10X."This is the second such instance when Musk has asked his staff to explain what they have been doing and what they plan to do in the next few weeks.

According to a staff email obtained by The Verge in August 2024, the firm intended to provide stock options in accordance with the expected impact on employees. Therefore, employees must submit a one-page brief to the leadership outlining their contributions to the business in order to receive their stock.At the time, the CEO reportedly asked all employees of X to provide a "one page summary of your contributions to the company over the last month and over the last twelve months" to make "stock and option awards proportionate to the likely future contributions of people at X."All federal employees received bulk emails asking them to highlight their accomplishments over the last week while Musk worked with the White House and the Department of Government Efficiencies. At the time, Musk declared on X that "failure to respond will be considered as a resignation."Mr Musk once requested that staff members print down lines of code they had just developed when he first purchased Twitter in 2022. Then, turning around, he instructed them to destroy the printed material.

What Is Antifa Group Tagged "Terror Organisation" After Charlie Kirk Murder

Washington. (Agency)

US President Donald Trump on Thursday announced that he is designating the left-wing group 'Antifa' as "a major terrorist organisation" and also warned that those funding it will be investigated "with the highest legal standards and practices".This has happened days after Trump's close aide and right-wing political activist Charlie Kirk was assassinated.

It is a secretive grouping of radical activists that has emerged in recent years. It is not known to have official leaders. Its members, often dressed entirely in black, protest against racism, far-right values and what they consider fascism, and say violent tactics are sometimes justified as self-defense.

Antifa members view themselves as part of a protest tradition that arcs back to opposition groups in Nazi Germany and fascist Italy prior to World War II. US antifa activism traces its roots back to antiracists who mobilized in the 1980s while opposing the activities of racist skinheads, members of the Ku Klux Klan (KKK), and neo-Nazis.

Antifa groups in US

Antifa groups in the United States gained prominence

following violent clashes between white supremacists and their opponents, including antifa supporters, in Charlottesville, VA, on August 12, 2017.The groups have been increasingly active in protests and rallies over the past few years, especially ones that include far-right participants.In June 2016, for example, Antifa and other protestors confronted a neo-Nazi rally in Sacramento, California, with at least five people stabbed.In February, March, and April 2017, Antifa members attacked alt-right demonstrators at the University of California, Berkeley using bricks, pipes, hammers, and homemade incendiary devices.

In July 2019, William Van Spronsen, a self-proclaimed Antifa, attempted to bomb the US Immigration and Customs Enforcement detention facility in Tacoma, Washington, using a propane tank but was killed by police.Trump since his first term has ascribed blame to Antifa for various actions he dislikes, from violence against police to conducting the US Capitol riot on January 6, 2021.Trump's previous FBI director, Christopher Wray, said in testimony in 2020 that antifa is an ideology, not an organisation, lacking the hierarchical structure that would usually allow it to be designated as a terror group by the federal government.

FBI Chief Kash Patel Agrees To Probe Trump-Epstein Birthday Note

WASHINGTON. (Agency)

FBI Director Kash Patel has agreed to open an investigation into the birthday note that former President Donald Trump allegedly wrote to Jeffrey Epstein on his 50th birthday, The Hill reported.Mr Patel's statement came during questioning from Representative Jared Moskowitz during a House Oversight Committee hearing.

The White House has insistd the note, released by Epstein's estate, bears a forged Trump signature. The document shows the outline of a female figure with a message suggesting that Trump and Epstein "have certain things in common," The Hill reported.

"You've seen the picture of the woman's body with the president's signature -- he says it's not his. Will you open up an investigation into the Epstein estate for putting out a fake document?" Moskowitz asked. Patel initially questioned the grounds for such an inquiry, but after Moskowitz described it as forgery of a U.S. president's signature, Mr Patel responded, "Sure, I'll do it."Committee Chair James Comer last week rejected Democratic calls to invite a handwriting expert to verify the signature, arguing the focus

should remain on Epstein's victims and potential government involvement, as reported by The Hill.

"Honestly, when you look at what's the purpose of this investigation, it's to try to provide justice to the victims and try to get the truth about what went on on Epstein Island, and to answer the question, 'Was the government involved?' I don't think a birthday card 20 years ago has any relevance whatsoever," Comer said at the time.

Trump has sued The Wall Street Journal for defamation over a July report detailing the alleged letter, while the White House continues to deny its authenticity. "It's very clear President Trump did not draw this picture, and he did not sign it," press secretary Karoline Leavitt said earlier this month, adding that Trump's legal team will "continue to aggressively pursue litigation."

Earlier, Donald Trump dismissed demands for transparency in the Jeffrey Epstein case, calling the push for more disclosures a "Democrat hoax," CNN reported.

"It's really a Democrat hoax, because they're trying to get people to talk about something that's totally irrelevant to the success that we have had as a nation since I have been president, said Trump, responding to reporters.

Russia Says It Advances On All Ukrainian Fronts

WORLD. (Agency)

A senior Russian officer toured positions held by his troops in Ukraine on Wednesday and said Moscow's forces were advancing on all fronts, the Russian Defence Ministry said, with the heaviest fighting taking place around the logistics centre of Pokrovsk.General Valery Gerasimov, Russia's chief of staff of the armed forces in what Moscow calls its "special military operation", said Moscow's troops were making progress in the eastern Donetsk region, the conflict's focal point, and further west in the Zaporizhzhia and Dnipropetrovsk regions.

"Our troops in the zone of the special military operation are advancing in practically all directions," the Defence Ministry quoted Gerasimov as saying."And the heaviest fighting is occurring in the Krasnoarmeisk direction," he added, using the Soviet-era name for the city of Pokrovsk, "where the enemy, by any means and taking no account of losses, is trying unsuccessfully to stop our advances and seize back the initiative."The Ukrainian military, he was quoted as saying, "has deployed the best-trained and most capable fighting units, taking them from other areas. And that facilitates the advance of our troops in other sectors."

In their slow advance through eastern Ukraine, Russian forces have maintained heavy attacks on the area around Pokrovsk in the Donetsk region for months.

Gerasimov said Russian forces were also making progress in taking Kupiansk, a largely destroyed city in Ukraine's northeastern Kharkiv region, and Yampil, further east.Gerasimov's statements appeared to be at odds with accounts by Ukrainian President Volodymyr Zelenskiy and

Ukrainian military officials, however.

Zelenskiy, interviewed by Sky News this week, said he expected new Russian offensives but added that Moscow's forces had enjoyed little frontline success in their recent activity."On the whole, I am truly pleased that the last three Russian offensive drives have failed, though they are planning two more serious offensives," he said. "In my view, this is an important signal."A Ukrainian commander this week said his forces had fended off a Russian advance near Pokrovsk, while the popular Ukrainian military blog DeepState, which uses open-source maps to track troop movements, reported Ukrainian successes in a nearby town.A spokesperson for a Ukrainian unit near Kupiansk said on Wednesday that an attempted Russian advance on the town had resulted in many of its men being taken prisoner.

NEWS BOX

Lionel Messi and Inter Miami enter discussions for contract extension: Reports

New Delhi. (Agency)

Lionel Messi looks set to extend his stay in Major League Soccer, with reports in the United States suggesting that Inter Miami and the Argentine icon are in the final stages of negotiating a new contract. ESPN reported on Wednesday that only minor details remain to be ironed out before the deal is confirmed, raising hopes amongst Miami supporters that their star man will continue to light up MLS for years to comeThe 38-year-old's current contract is due to expire at the end of the 2025 season, but the extension is expected to run at least two more years, potentially keeping Messi in Florida until 2027. USA Today noted that talks are about 85 percent complete, with sources indicating that the agreement would ensure Messi remains with Inter Miami well into the twilight of his playing career.Messi's impact since arriving in 2023 has been nothing short of transformative. In 46 MLS appearances, he has already scored 41 goals and provided 27 assists. Across all competitions, those

numbers rise to 54 goals in 62 games, a return that has elevated Inter Miami from mid-table anonymity to genuine contenders. He helped the Herons lift the 2023 Leagues Cup, their first major trophy, before guiding them to the 2024 Supporters' Shield as the league's best regular-season side.This season, the Argentine continues to set the pace with 20 goals in 21 league games, sitting second in the MLS scoring charts, alongside 11 assists. His consistency and flair have turned Inter Miami into one of the league's biggest attractions, drawing global attention to American soccer much in the way David Beckham once did. Beckham is now part of the club's ownership group.

Messi's new deal is also expected to carry long-term implications beyond his playing days. His initial contract reportedly included a clause to join Inter Miami's ownership structure upon retirement, a move that would anchor his presence in the United States even after he hangs up his boots.

World Championships: Why India vs Pakistan in the javelin final is only a subplot

☛World Athletics Championships 2025: Neeraj Chopra and Arshad Nadeem's rivalry will grab subcontinental headlines, but the men's javelin final in Tokyo is stacked with world-class talent. From Germany's Julian Weber to former champions Anderson Peters and Julius Yego, the contest promises far more than just an India-Pakistan subplot.

New Delhi. (Agency)

"Ever since the Paris Olympics, when Pakistan's Arshad Nadeem stunned India's Neeraj Chopra to take gold and their run-ins blossomed into a rivalry, their next clash has been one of the most anticipated events in javelin. It was meant to happen at the Neeraj Chopra Classic - a monumental international event hosted earlier this year by the two-time Olympic medallist from India - but it didn't. Then they were expected to meet in a Diamond League, but that too failed to materialise. So the face-off at the Tokyo World Athletics Championships was set to ignite fireworks.Neeraj single-handedly put India on the javelin map, and when Arshad joined the party, South Asia suddenly found itself challenging the European and American dominance in the sport. The two Olympic medallists finished one-two at the World Championships in Budapest in 2023, and swapped those positions at the Paris Olympics.In no time, the India-Pakistan rivalry in javelin became evenly matched – fuelled further by the passion of success-starved fans in both nations. As the cricket rivalry drifted into one-sidedness, Neeraj vs Arshad became the contest everyone in the subcontinent looked forward to.The Paris Olympic final was a watershed. Few expected Arshad to strike gold, but he did – with a monstrous Olympic record of 92.97m, while Neeraj was still chasing the elusive 90m mark. Once Arshad landed that throw, pressure gripped Neeraj, who managed only one legal throw out of six – 89.45m, enough for silver but short of his golden target.Neeraj, though, has been the very model of consistency – the benchmark for young throwers worldwide. Since his senior debut, he has launched 40 throws beyond 85m and has finished in the top two at nearly every competition for four years. Yet even he

admitted that Arshad's effort meant the push for 90m had to gather pace.Determined to evolve, Neeraj joined forces with Jan Zelezny, the world record holder and arguably the greatest javelin thrower of all time, reworking his playbook to iron out technical flaws. The results were swift: earlier this year, at the Doha Diamond League, Neeraj finally breached the 90m barrier.Neeraj was preparing not just to be the best, but to beat the best.Which is why Thursday's showdown carries so much weight. For Neeraj, it is about payback, redemption for Paris, and the defence of his world title. He knows Arshad is capable of summoning another mammoth throw. Can he match him this time?

CONTRASTING ROUTES TO FINAL

The qualifiers on Wednesday hinted at the storylines. Neeraj, calm and composed in the hot, humid Tokyo conditions, sealed his spot with one and done – 84.50m, the automatic qualifying mark. He packed his bags immediately, even asking an official how to slip out without disturbing other events, and headed for recovery. He was one of only two among the 37 competitors to qualify on his first attempt.Distance-wise it is not that good, but distance does not matter here. The best thing is that we crossed the automatic qualifying mark in the first throw. And this is also the first time that the final is the next day. I wanted to do my best in the first throw itself, reach the room early, recover, and give my best in the final," Neeraj said with the calmness of a man seasoned by big stages.By contrast, Arshad flirted with disaster.

Iga Swiatek to become No.1 Aryna Sabalenka's China Open pullout spices up race

Aryna Sabalenka's withdrawal from the China Open opens the door for Iga Swiatek to close the gap in the race for the WTA No.1 ranking. A strong run in Seoul and Beijing could bring Swiatek within striking distance of the top spot.

New Delhi. (Agency)

The battle for the women's World No.1 ranking has taken a sudden twist after Aryna Sabalenka announced she would skip the 2025 China Open in Beijing. The Belarusian, currently holding the top spot with 11,225 points, said she is dealing with a minor injury she picked up at the US

Open.Missing this WTA 1000 event not only keeps her out of competition but also costs her 215 points, since she had reached the quarterfinals in Beijing last year.

"I am sad to announce my withdrawal from the China Open this year after sustaining a small injury after the US Open. I am going to focus on being 100 per cent healthy for the rest of the year," Sabalenka said in a statement provided by organisers.This opens the door for Iga Swiatek, the current No.2 with 7,933 points, roughly 3,300 points behind in the official rankings. In the Race to Riyadh, which tracks results from 2025 alone, Swiatek is closer, trailing Sabalenka by about 2,077 points.What's the equation for Iga Swiatek?

Swiatek did not play in Beijing last year, meaning she has no points to defend. Every win in China will directly add to her total, giving her a real chance to narrow the gap. Sabalenka could face more pressure soon, as she is the defending champion at the Wuhan Open, where 1,000 points are at stake. Any slip there—through injury or loss—would boost Swiatek's chances even further.Currently, Swiatek is competing at the WTA 500 in Seoul. A title there would give her both momentum and 500 ranking points ahead of Beijing. A deep run in China afterward could bring her within striking distance of Sabalenka. Should Swiatek win both Seoul and Beijing, she could earn 1,500 points in total, leaving her only about 600 points behind Sabalenka for the season.

For now, Sabalenka still leads, but her absence from Beijing has reignited Swiatek's hopes.

Akeal Hosein captain, 5 uncapped players in as West Indies reveal Nepal series squad

New Delhi. (Agency)

IThe West Indies have named five uncapped players in their squad for the upcoming T20I series against Nepal in Sharjah. In the absence of regular captain Shai Hope, who has been rested for the series, Akeal Hosein will lead the West Indies during the three-match series, which will start on September 27.

The five uncapped players for West Indies during the series are Ackeem Auguste, batting all-rounder Navin Bidaisee, legpsinner Zishan Motara, left-arm quick Ramon Simmonds, and wicketkeeper-batter Amir Jangoo. Apart from them, batter Karima Gore has been picked for the series. Gore has already represented the USA in eight T20Is so far and this is his first call-up to play for the West Indies.Gore has been in top form during the CPL for his franchise, Antigua and Barbuda Falcons, as he scored 219 runs in 11 matches. Apart from Hosein, the other senior members in the squad includes Fabian Allen, Jason Holder, Kyle

Mayers and Obed McCoy.

Rayon Griffith will serve as the head coach for the series, with Ottis Gibson serving as fast-bowling consultant. This will be the first time West Indies and Nepal will square off in a bilateral series."This series against Nepal is another important step in broadening the horizons of West Indies cricket. It allows our senior men's team to engage with a passionate emerging nation while providing invaluable match experience in different conditions," said Cricket West Indies Director of Cricket, Miles Bascombe.The first T20I of the series will be played on September 27, with the last two taking place on 29 and 30.

Won Myong-gyong hugs referee in joy after World Wrestling Championships gold

New Delhi. (Agency)

NWon Myong-gyong became emotional after winning the women's freestyle 50 kg gold medal at the 2025 World Wrestling Championships in Zagreb, Croatia. The North Korean wrestler, competing in her first senior world championship, ended a perfect campaign with a strong 8-2 victory over China's Yu Zhang in the final.The win carried historic value for her country. It was only the third women's world title ever for North Korea, making Won's triumph a landmark for the nation. According to her UWW athlete profile, she had three wins and one loss in 2025 before the tournament, but in Zagreb she stayed unbeaten through every round.Her celebrations reached a heartwarming moment when she gave the referee a long hug, overwhelmed with joy and relief, before turning to thank the side judges as well.Won recorded victories in different ways, including VPO1 (winning by points despite her opponent scoring) and VSU (winning by superiority), underlining both her range and technical command.

After her win, Won told United World

Wrestling (UWW): "This medal and the championship belt I've won are just the first step in repaying my parents for all their sacrifices. From now on, I'll work even harder to become an Olympic champion."

More than the numbers, it was her hug with the referee that stood out most. Such a gesture is rare in wrestling, but it reflected her deep gratitude to those who maintain fairness and discipline in the sport, turning her gold medal moment into something even more memorable.

Yashasvi Jaiswal's white-ball format absence seems like a travesty: Aakash Chopra

Former cricketer Aakash Chopra feels that Yashasvi Jaiswal not being part of India's white-ball setup seems like a travesty. Jaiswal has played just 23 T20Is and one ODI for India during his career so far.

New Delhi. (Agency)

Former cricketer Aakash Chopra feels that it seems like a travesty that Yashasvi Jaiswal isn't a fixture in India's white-ball setup. Jaiswal, who has cemented his place in the Test team, made a name for himself with his IPL exploits. The southpaw, however, hasn't got a consistent run in both the ODI and T20I sides.Jaiswal has played 23 T20Is and just a solitary one-day game against England earlier in the year. The Mumbai

batter was added to the stand-by list for the Asia Cup as India went with Shubman Gill at the top of the order with Abhishek Sharma. Speaking on his YouTube channel, Chopra said that he sees Jaiswal as an all-format player and he should be playing all three formats consistently for India."It's a very interesting question because Yashasvi is a good player. When you see Yashasvi, it seems like he is a three-format player. However, currently, he is playing only one format, and it seems like a travesty. It seems almost an injustice, that he should play all three formats," said Chopra.Chopra backed Jaiswal to get runs in the Tests against West Indies and expects him to be on the flight to Australia for the white-ball series down under in October."The truth for now is that he will play the two Tests against the West Indies, and I am pretty sure he will score runs as well because he is that kind of a player. I think he will now get a chance to travel with the ODI team. When the three-match series against Australia starts, he will be there," said Chopra.'Jaiswal will be in the 15 for 2026 T20 World Cup'Chopra said that he expects Jaiswal to make his way into the squad for the 2026 T20 World Cup in India as there are 15 T20Is before the start of the tournament."I feel he will have to wait in T20s now also. His name will not come in the 15 that soon because when we win the Asia Cup, there won't be much scope for change. However, before the World Cup happens, because there are 15 T20Is before that, I am very sure he will find a way into the 15," said Chopra.Along with Jaiswal, Chopra tipped Shreyas Iyer to also be in the mix for the ICC event next year.He (Jaiswal) is too good a player to miss out. I love him to bits.

Diego Simeone opens up on altercation with Liverpool fan: Insulted for 90 minutes

TOKYO . (Agency)

Atletico Madrid manager Diego Simeone opened up on the heated incident following his side's 3-2 defeat to Liverpool in their Champions League opener at Anfield. The Argentinian coach was sent off after confronting a fan behind his dugout in the aftermath of Virgil van Dijk's 92nd-minute winner, an altercation that overshadowed an otherwise thrilling European clash.The incident has reignited discussions around manager protection and fan conduct in football, with Simeone highlighting the emotional toll of constant abuse from the stands. Simeone, speaking after the match, stressed that while his reaction was human, managers should not have to endure repeated insults during games."My reaction isn't justifiable, but do you know what it is like to be insulted for 90 minutes?" Simeone said. "In the same way we fight against racism, we should look at this too because we don't have a right to respond and it is not easy to be insulted during the entire match.""When they scored the third goal, he [the fan] turned

around and insulted me. I am a person, I am human. Obviously, my reaction was not ideal, but it was 90 minutes of being insulted. The referee understood the situation, and I hope that when the person is identified, there will be consequences. Managers should be able to focus on the game without having to face constant abuse," he added.

On the pitch, Liverpool raced to a 2-0 lead inside six minutes, with Andy Robertson opening the scoring from a ricocheted Mohamed Salah free-kick, followed by a clinical solo strike from Salah himself. Atletico responded before halftime, with Marcos Llorente scoring to keep his team in contention and then equalising in the 81st minute with a stunning volley reminiscent of his 2020 heroics at Anfield.Despite Atletico's resurgence, Van Dijk's late header secured the victory for Liverpool, leaving Simeone frustrated and visibly agitated. Stewards intervened to hold him back, and the red card was issued following the confrontation. The manager briefly gestured to the fourth official, clarifying it was a reaction to the fan abuse rather than an offensive action of his own.

Liverpool manager Arne Slot, meanwhile, praised his side's fitness, mentality, and perseverance and strayed away from putting any focus on the altercation.

Even Mumbai Rain Can't Stop

Rubina Dilaik

From Wearing A Lehenga

Amid the heavy Mumbai rains, television star Rubina Dilaik made a head-turning entry at the sets of the celebrity couple reality show Pati Patni Aur Panga. The actress was seen struggling with her heavy lehenga as she carefully took each step to avoid ruining her gorgeous ensemble.On Wednesday, September 17, the actress appeared at the set along with her husband, Abhinav Shukla, looking stunning as usual, but it was her efforts towards saving her lehenga that grabbed the attention of fans.

Rubina Dilaik and Abhinav Shukla Appear At The Set of Pati Patni Aur Panga

In the videos captured by paparazzi, Rubina Dilaik was seen wearing a gorgeous blue lehenga adorned with white floral prints all over it. The lehenga skirt further featured thin golden linings at the bottom, giving the outfit a festive vibe.

Her blouse, featuring the same design as her skirt, grabbed attention with its deep plunge neckline and intricate design.

Rubina also carried a matching dupatta on her shoulder, featuring the same golden borders at the bottom. Rubina's choice of accessories stole the entire spotlight, as she opted for a multi-layered heavy Kundan and beaded necklace and matching jhumkas, taking her look to another level.

As Rubina carefully took each step to avoid getting water on her lehenga, fans praised her efforts and work ethic, calling her "Workaholic Ruby". In the video, Rubina's husband, Abhinav Shukla, was seen following her to the sets. The actor opted for a light peach kurta set with intricate white thread work all over the chest, calf, and bottom area, giving the kurta a regal feel. He completed the showstopping ensemble with white pyjamas and brown shoes. The couple posed together for the shutterbugs before heading inside for shooting.

Rubina Dilaik on the Work Front

The Chotti Bahu star is currently seen on the widely popular celebrity couple reality show Pati Patni Aur Panga alongside husband Abhinav Shukla. Besides appearing on the show, Rubina Dilaik is currently working on Palaash Muchhal's upcoming film Hum Tum Maktoob. Alongside Rubina, the film will also star Rajpal Yadav, Mustaq Khan, and Lilliput, among others, in prominent roles.The film is also said to feature a special cameo by Tiger Shroff. After Ardh, this film marks Rubina and Palaash's second collaboration. The release date and additional information about the film are still under wraps.

Rasha Thadani's

Vacation Diaries Is All About Fun, Friends And Fair

Rasha Thadani, daughter of actress Raveena Tandon, is currently in vacation mode with her close friends and has constantly been sharing glimpses from her travel diaries with her fans and followers. A while ago, the actress took to Instagram and dropped a string of pictures from her fun, relaxing day spent at the carnival.Rasha made her Bollywood debut this year with director Abhishek Kapoor's drama film Azaad. It also featured Ajay Devgn's nephew, Aaman Devgan, in the lead roles.

Rasha Thadani Day Out At A Carnival

The carousel post begins with a few pictures of Rasha enjoying a bright sunny day near the beach, standing on a boardwalk, and her hair is blowing in the wind. She wore a light-coloured buttoned shirt over a black top, along with ripped denim shorts. Rasha accessorised her look with black shades and a matching purse.

Up next, she also shared some glimpses from the Carnival that she attended along with her friends. In other pictures, the actress is seen exuding her adorable smile and posing in front of a colourful giant wheel, while in the next one, she is busy eating a dessert while her male friends looked straight into the camera.

Adding to this, Rasha shared a picture of the delightful sunset she experienced from the destination. In one pic, she is seen striking a stunning pose standing on a boardwalk near the beach during sunset.

Rasha shared a candid monochrome picture of her friends and the busy streets of the city.However, she has not revealed her travel destination on Instagram.Sharing the post, Rasha wrote in the caption, "I spy birdies and a pink house."

How Did Her Admirers React?

In no time, the comment section was flooded with reactions from fans and admirers. An Instagram user commented, "Looking sooo pretty." One of them shared, "So cute." Another one commented, "Looking so hot, Rasha."

Rasha Thadani's Work Front

The star kid made her debut with Azaad, released in January this year. In the film, Rasha plays the character of Janaki Bahadur. She is the daughter of the landlord Rai Bahadur and is a pivotal character in the pre-Independence India-set story, which explores themes of rebellion, loyalty and friendship.

Nagma Mirajkar's Chic Fashion Moment After Bigg Boss Eviction Is Making Headlines

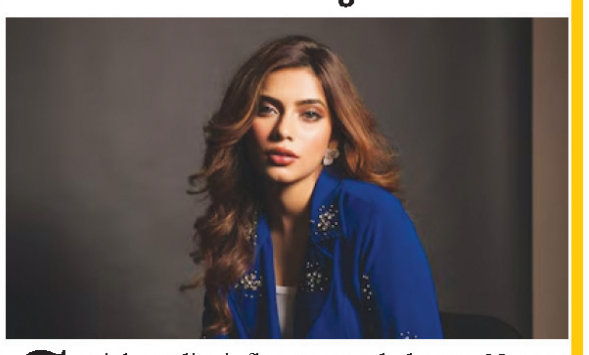

Social media influencer and dancer Nagma Mirajkar, who recently became a household name with her participation in Bigg Boss 19, is making headlines even after her exit from the show.

The digital star dropped a series of stunning pictures on Instagram, showcasing her elevated sense of style that left fans mesmerised.

For her latest photoshoot, Nagma turned heads in a royal blue pant suit designed by Archana Kochhar. The outfit featured a sharply tailored blazer embellished with dazzling crystals on the shoulders and lapels, adding a glamorous touch. She paired it with matching flared trousers, creating a sleek, modern silhouette.Completing the ensemble were sparkling crystal-studded heels, perfectly tying the look together. Her wavy, open hair and minimal yet radiant makeup, with defined eyes and a nude lip emphasised sophistication while maintaining an effortless vibe.

Fans React to Her Bold Boss Lady Avatar

Nagma captioned the post with three blue hearts along with the trending track Obhodro Prem. Fans flooded the comments section with love, with one admirer calling her a "Boss Lady" while another simply wrote, "So pretty."

Emotional Double Elimination on Bigg Boss 19

The week on Bigg Boss 19 brought unexpected drama as four contestants—Mridul Tiwari, Natalia Janoszek, Nagma Mirajkar and Awez Darbar were nominated for eviction. In a shocking turn during the Weekend Ka Vaar episode hosted by Farah Khan, both Nagma and Natalia faced a double elimination. Housemates were left emotional, while Awez Darbar, who shared a close bond with Nagma, was seen in tears as he bid farewell to his ladylove.

Nagma's Emotional Goodbye After Eviction

Following her eviction, Nagma shared a heartfelt post on Instagram. In a video clip from the episode, Farah Khan is seen announcing her exit from the show. In the caption, Nagma apologised to fans for not living up to their expectations, revealing that her health issues prevented her from performing at her best inside the house.

Ahaan Panday, Aneet Padda Are 'Grateful To Viewers' As Saiyaara Trends #1 Globally On Netflix

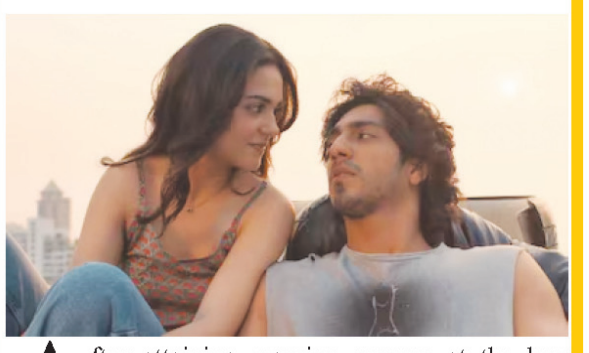

After attaining massive success at the box office, Mohit Suri's romantic saga Saiyaara managed to trend at the number 1 position globally in non-English films on Netflix during its debut week on the streaming platform. Overwhelmed by the huge response and love from the fans, Ahaan Panday and Aneet Padda shared a video, thanking fans for showing the movie so much love.Taking to Instagram, Netflix and Yash Raj Films shared a joint post where Saiyaara stars Ahaan Panday and Aneet Padda showed their gratitude to the fans for loving their film.

Ahaan Panday and Aneet Padda's Message to Their Fans

In the video, both Ahaan and Aneet were seen sitting beside each other when Ahaan said, "Saiyaara ko sari duniya ne itna pyaar dene ke liye we love you forever and ever and ever." The video then cut to a few movie scenes, which showed Ahaan and Aneet's sizzling on-screen chemistry. "Saiyaara Netflix par duniya bhar me trend kar rahi hai sirf aapki waja se," Aneet stated. "Thank you for watching…and re-watching and re-watching!" the actors said together.Sharing the special message Netflix wrote, "Poori duniya ka pyaar, aur sab yaad rakhein yeh naam. Saiyaara is now trending at #1 globally in Non-English Films on Netflix."

Saiyaara Tops Netflix's Global Charts

As per Netflix Tudum Reports, Saiyaara is trending at number 1 on Netflix in the list of non-English films worldwide, with 3.7 million views against 9.3 million hours viewed. The film surpassed Fall For Me and Manoj Bajpayee's Inspector Zende's records, which stand at 2nd and 3rd positions with 6.5 million watch hours and 6.2 million watch hours, respectively.

Saiyaara Attains Huge Box Office Success

Directed by Mohit Suri, Saiyaara deals with struggle, love, loss, and sacrifice. The film follows several aspects of unconditional love and the ups and downs of Krish (played by Ahaan Panday) and Vaani's (played by Aneet Padda) relationship. The film marks Mohit Suri's return to the romantic genre after a decade and features debutant Ahaan Panday and Aneet Padda in lead roles. The film has grossed Rs 577 crore worldwide, becoming the second-highest-grossing Indian film of 2025 as well as the highest-grossing romantic film in the history of Indian cinema.